वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2022–2023

केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान
(सम विश्वविद्यालय)
एन.ए.ए.सी. के द्वारा श्रेणी 'अ' में स्वीकृत
चोगलमसर, लेह, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख

Central Institute of Buddhist Studies
(Deemed to be University)
Accredited by NAAC with 'A' Grade
Choglamsar, Leh, Union Territory of Ladakh

केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान

(सम विश्वविद्यालय)

(एन.ए.ए.सी. के द्वारा श्रेणी 'अ' में स्वीकृत)

वार्षिक प्रतिवेदन

2022-2023

चोगलमसर, लेह (केंद्र शासित प्रदेश-लद्दाख)

विषयानुक्रमणी

		पृ.सं.
1.	संक्षिप्त इतिहास	5
2.	उद्देश्य	6
3.	सोसाइटी	7
4.	प्रबन्धन	7
5.	निधि	9
6.	कर्मचारी संख्या	9
7.	विभाग और संकाय	9
8.	नवीन प्रवेश	12
9.	संगोष्ठी / परिसंवाद / कार्यशाला	13
10.	विशेष व्याख्यान / अन्य शैक्षिक क्रियाकलाप	14
11.	दवाईयों की सुविधा	15
12.	छात्र विनियम कार्यक्रम	15
13.	एस.डब्ल्यू.सी. की नई कार्यकारी समिति	15
14.	शैक्षिक यात्रा	16
15.	प्रकाशन	17
16.	शोध कार्य	17
17.	परिसर	17
18.	पुस्तकालय	18
19.	संग्रहालय	19
20.	पाठ्यक्रम	19
21.	छात्रवृत्ति	20
22.	विद्यार्थियों को पाठय पुस्तक एवं कापियों का निःशुल्क वितरण	20
23.	परीक्षा परिणाम	20
24.	गोनपा / श्रामणेरी विद्यालय	21
25.	स्थापना दिवस समारोह	21
26.	अन्य महत्वपूर्ण घटनायें	22
27.	हिमालयी बौद्ध–संस्कृति–विश्वकोश संकलन के लिए परियोजना	24

28. पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र 25
29. उपाधि / उपाधि–पत्र प्राप्त करने के पश्चात् छात्रों की नियुक्ति 25
30. पाठ्य पुस्तकों का पुनरीक्षण और संपादन 26
31. डुजिंग फोडंग विद्यालय 26
32. बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, मंडोगुलु (हि.प्र.) 28
33. **परिशिष्ट**
(i) संस्था की संरचना 30
(ii) प्रबन्धकारिणी समिति की संरचना 32
(iii) विद्या परिषद की संरचना 34
(iv) वित्तीय समिति की संरचना 37
(v) प्रकाशन समिति की संरचना 38
(vi) पुस्तकालय–समिति की संरचना 39
(vii) शोध–समिति की संरचना 40
(viii) केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान की कर्मचारी संख्या 41
(ix) केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह का परीक्षा परिणाम 43
(x) गोनपा / श्रामणेरी विद्यालयों के विद्यार्थियों के विद्यालय–वार एवं कक्षा–वार नामांकन 46
(xi) परीक्षा का परिणाम (डी.पी.एस., जंस्कार) 50
(xii) कर्मचारी संख्या (डी.पी.एस., जंस्कार) 51
(xiii) परीक्षा का परिणाम (बी.डी.एस.वी., मंडोगुलु) 52
(xiv) कर्मचारी संख्या (बी.डी.एस.वी., मंडोगुलु) 53

❀ ❀ ❀

1. संक्षिप्त इतिहास

सन् 1959 से पूर्व लद्दाख के विद्वान्, श्रामणेर एवं भिक्षु उच्च बौद्ध शिक्षा के लिए तिब्बत जाते थे। वे तिब्बत जाकर वहाँ के विभिन्न प्रसिद्ध महाविहारों, यथा– ड्रि–गुङ, ग–दन, सेरा, टशी–ल्हुनपो, ड्रे–पुङ, सक्या, सङ्–ङग–छोसलिङ, देरगे आदि में अनेक वर्षों तक बौद्ध विद्याओं का अध्ययन करते थे। परन्तु सन् 1959 की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के परिणाम स्वरूप अचानक इस परम्परा में व्यवधान पैदा हुआ। तत्पश्चात् यह आवश्यकता अनुभव की गई कि बौद्ध दर्शन के विधिवत् अध्ययन के लिए इस आर्य देश अर्थात् भारत में ही एक बौद्ध विद्या केन्द्र की स्थापना की जाय। बौद्ध संस्कृति एवं दर्शन के प्रचार–प्रसार के लिए लेह को चिह्नित किया गया, जो प्राकृतिक, भौगोलिक एवं पारम्परिक दृष्टि से सर्वथा अनुकूल था।

तदनुसार चौदहवें परमपावन दलाई लामा जी के वरिष्ठ गुरु योंगजिन लिङ रिन्पोछे द्वारा वर्तमान केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान की पूजन–विधि द्वारा वर्ष 1959 में स्थापना की गई। यह संस्थान प्रारंभ में 'बौद्ध दर्शन महाविद्यालय' के नाम से जाना जाता था और 10 भिक्षु छात्रों को प्रवेश दिया गया जो लद्दाख में स्थित दास प्रमुख गोनपाओं से संबद्ध थे। छात्रों को भोट साहित्य तथा बौद्ध दर्शन पढ़ाने के लिए दो अध्यापकों को नियुक्त किया गया था। लगभग तीन वर्षो तक सभी विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का खर्च उपर्युक्त दस गोनपाओं ने वहन किया। सन् 1959 से 1961 तक यह विद्यालय लेह में संचालित किया गया।

सन् 1962 में स्व. भदन्त कुशोक बकुला जी के आग्रह पर तत्कालीन प्रधानमंत्री पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने लद्दाख के लोगों के बीच इस प्रकार के संस्थान की आवश्यकता का अनुभव किया। तदनुसार उन्होंने इस संस्थान को प्रबंधन एवं वित्तीय सहायता के लिए भारत सरकार के संस्कृति विभाग को सौंपना स्वीकार किया। उसी वर्ष इसको लेह से लगभग 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित स्पितुग गाँव में स्थानान्तरित किया गया। सन् 1964 में संस्थान को एक शैक्षिक संस्थान के रूप में 1998 के जम्मू–कश्मीर पंजीकरण अधिनियम VI (1941 ई.) के तहत पंजीकृत किया गया। बौद्ध दर्शन और भोटी भाषा एवं साहित्य के अतिरिक्त संस्कृत, हिन्दी तथा अंग्रेजी विषयों का अध्ययन प्रारम्भ किया गया। सन् 1973 में संस्थान को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र. से सम्बद्ध कराया गया और सीमांत क्षेत्र के छात्रों के लिए उपयुक्त पाठ्यक्रम शुरू किए गए।

15 जनवरी 2016 को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) वर्तमान में शिक्षा मंत्रालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सिफारिश पर यू.जी.सी. अधिनियम की धारा 3, 1965 के तहत अधिसूचना संख्या एफ.9–5/2001–यू.3(ए) दिनांक 15 जनवरी 2016 के अनुसार केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह को 'सम विश्वविद्यालय' का दर्जा प्रदान किया।

संस्थान के प्रथम प्राचार्य बौद्ध विद्या के प्रकाण्ड तिब्बती विद्वान् भदन्त येशे थुबतन थे जिन्होंने 1959 से 1967 तक संस्थान के प्रथम प्राचार्य के रूप में कार्य किया। तत्पश्चात् प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान

भदन्त लोछोस रिन्पोछे जी की संस्थान के द्वितीय प्राचार्य के रूप में नियुक्ति हुई। डॉ. टशी पलजोर ने सन् 1979 से 2005 तक संस्थान के प्राचार्य के रूप में कार्य किया। सन् 2005 से 2010 तक पाँच साल प्राचार्य के रूप में कार्य करने के बाद डॉ. नवांग छेरिंग संस्थान के प्राचार्य के पद से सेवानिवृत्ति हुए और 15 जून 2010 को डॉ. वंगछुग दोर्जे नेगी ने प्राचार्य पद का प्रभार लिया। तदनन्तर, दिनांक 19 दिसम्बर 2011 को सम्पन्न हुई प्रबंधकारिणी की बैठक में प्राचार्य के पद को निदेशक के रूप में पुनर्नामकरण करने का निर्णय लिया गया। दिनांक 12 दिसम्बर 2014 को डॉ. वंगछुग जोर्जे नेगी का कार्यकाल पूर्ण होने पर प्रो. कोनछोग वंगदु ने संस्थान के निदेशक के रूप में कार्य किया। दिनांक 28 दिसम्बर 2020 से प्रो. नवांग संतेन कुलपति, केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ ने संस्थान के प्रभारी निदेशक के रूप में छह महीने तक कार्य किया। तत्पश्चात् प्रो. बैद्यनाथ लाभ, कुलपति, नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा को 22 मार्च 2023 तक संस्थान के निदेशक का कार्यभार सौंपा गया। इसके बाद, प्रोफेसर राजेश रंजन ने दिनांक 23 मार्च 2023 को कें.बौ.वि.सं. (सम विश्वविद्यालय) के प्रथम कुलपति के रूप में कुलपति पद का कार्यभार ग्रहण किया। तब से संस्थान तेजी से प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

2. उद्देश्य

संस्थान का मूल उद्देश्य छात्रों की प्रतिभा अर्थात् व्यक्तित्व को बौद्ध विचार, साहित्य, कला एवं विविध आधुनिक विषयों के ज्ञान द्वारा विकसित और सुसज्जित करना है। सम्पूर्ण हिमालयी क्षेत्रों की बौद्ध संस्कृति एवं कला की शिक्षा हेतु यह इस देश का एक अपूर्व संस्थान है। संस्थान बौद्ध दर्शन और सांस्कृतिक अध्ययन में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रम चलाती है और फीडर स्कूलों को स्थापित और देखरेख करता है। उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संस्थान ने निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किये हैं–

1) पूर्व में बौद्ध दर्शन महाविद्यालय के नाम से जाना जाने वाला शैक्षिक संस्थान केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, चोगलमसर के विकास और प्रबंधन की देखभाल और सुसंचालन करना है।

2) ज्ञान की शाखाओं में उत्कृष्टता एवं नवीनता की ओर ले जाने के लिए उच्च शिक्षा प्रदान करना, जिन्हें मुख्य रूप से स्नातकोत्तर और शोध डिग्री के स्तर पर उपयुक्त समझा जा सके, जो विश्वविद्यालय की अवधारणा के अनुरूप हों, अर्थात विश्वविद्यालय शिक्षा विवरण (1948), भारत में उच्च शिक्षा के नवीकरण, क्रियाकलाप पर समिति का विवरण (2009) और समीक्षा समिति विवरण के समवत् विश्वविद्याएँ (2009)।

3) विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के उद्देश्य हेतु विशिष्ट सहयोग के लिए विशेष क्षेत्रों में परीक्षित योग्यता के साथ काम में लगाना है। अर्थात् शैक्षणिक काम एक सामान्य स्वभाववाले कार्यक्रमों यथा– कलाविषय, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, दंत चिकित्सा की पढ़ाई, फार्मेसी तथा प्रबन्ध आदि में पारंपरिक संस्थाओं द्वारा नियमित रूप से पारंपरिक डिग्री (उपाधि) प्रदान करता है, से स्पष्ट रूप से अन्तर करने योग्य हो।

4) संस्थान में उपलब्ध सभी विषयों में पर्याप्त संख्या में पूर्णकालिक संकाय/शोधकर्ता (पी.एच.डी. और पोस्ट–डॉक्टरल) द्वारा किए गए विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से ज्ञान की उन्नति और इसके प्रसार के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण तथा अनुसंधान सुविधाएं प्रदान करना है।

5) उपाधि और प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए बौद्ध दार्शनिक और सांस्कृतिक अध्ययन की विभिन्न शाखाओं के साथ–साथ अन्य संबंधित अध्ययनों में अध्ययन और अनुसंधान के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए निर्देश प्रदान रकना है।

6) अध्ययन के उपर्युक्त क्षेत्र में और बौद्ध दर्शन की ऐसी अन्य संबंधित शाखाओं में शोध, प्रकाशन, जीर्णोद्धार और शिक्षा की उन्नति और ज्ञान के प्रसार के लिए सुविधाएं प्रदान करना, जैसा कि संस्थान उचित समझे।

7) विश्व के किसी भी भाग में स्थित संस्थान के समान उद्देश्यों वाले शैक्षिक और अन्य संस्थानों के साथ इस प्रकार से सहयोग करना, जो उनके सामान्य उद्देश्यों के लिए अनुकूल हो।

8) भारत और अन्य देशों से बौद्ध दर्शन एवं संस्कृतिक अध्ययन के विद्वानों को व्याख्यान के लिए आमंत्रित करना, और बौद्ध दर्शन तथा संस्कृति पर संगोष्ठी, विचार–विमर्श और प्रवचन आयोजित करना।

9) ऐसे सभी कार्यों को करना जो कि संस्थान के आंशिक या सम्पूर्ण उद्देश्यों को प्राप्त कराने में आवश्यक, प्रसंगिक एवं सहायक हों।

3. सोसायटी

संस्थान को सम विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाने के परिणामस्वरूप, यू.जी.सी. द्वारा समय–समय पर संशोधित यू.जी.सी. (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियमों के अनुसार संस्था के संगम ज्ञापन और नियम एवं विनियमों को संशोधित किया जाना था। तदनुसार, इसे यू.जी.सी. सम विश्वविद्यालय संस्थान (संशोधन) विनियम 2023 के अनुसार संशोधित किया जाना है। हालाँकि, "केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान की सोसायटी" की संरचना यू.जी.सी. (सम विश्वविद्यालय संस्थान) विनियम 2016 के अनुसार तैयार की गई है। मौजूदा सोसायटी की संरचना को परिशिष्ट पृष्ठ संख्या 30 पर दर्शाया गया है।

4. प्रबंधन

प्रबंधन के बोर्ड

संस्थान का प्रबंधन निदेशक/कुलपति, केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की अध्यक्षता में गठित एक प्रबंधकारिणी के द्वारा सम्पन्न होता है। इस प्रबंधकारिणी के सदस्यों का संगठन विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, संघों, विश्वविद्यालयों तथा बौद्ध विद्वानों के प्रतिनिधियों से बना है। पदेन

सदस्यों और कुपति के अतिरिक्त प्रबंधन बोर्ड के सभी सदस्य तीन साल की अवधि के लिए पद पर रहेंगे और डीन के मामले में, कार्यकाल तीन साल या जब तक वे डीन का पद धारण करेंगे, तब तक होगा, इनमें से जो भी पहले हो। प्रबंधन बोर्ड की वर्तमान संरचना परिशिष्ट के रूप में पृष्ठ सं. 32 पर दर्शायी गई है।

विद्या परिषद

संगम–ज्ञापन और नियमों एवं विनियमों के अनुसार, संस्थान के अकादमिक मामलों में बोर्ड को सलाह देने के लिए प्रतिष्ठित विद्वानों और शिक्षाविदों से मिलकर एक अकादमिक परिषद की संरचना की गई है। संबंधित क्षेत्रों में बोर्ड को सलाह देने की आवश्यकता के अनुसार विद्या परिषद की एक शैक्षणिक वर्ष में कम से कम तीन बार बैठक होती है। शैक्षणिक परिषद की बैठकें 31 अगस्त, 2022 और 12 अक्तूबर 2022 को आयोजित की गई। इस परिषद की वर्तमान संरचना परिशिष्ट के रूप में पृष्ठ सं. 34 पर दर्शायी गई है।

वित्त समिति

संस्था के संगम ज्ञापन और संस्थान के नियम एवं विनियम के अनुसार कुलपति की अध्यक्षता में एक वित्त समिति का गठन किया जाता है। वित्त समिति खातों की जांज करने और व्यय के प्रस्तावों की जांच करने के लिए एक शैक्षणिक वर्ष में कम से कम चार बार बैठक होती है। इस समिति की वर्तमान संरचना परिशिष्ट के रूप में पृष्ठ सं. 37 पर दर्शायी गई है।

प्रकाशन समिति

संस्थान हिमालय की कला, संस्कृति एवं भाषा से सम्बद्ध दुर्लभ ग्रन्थों तथा पाण्डुलिपियों का प्रकाशन भी करता रहा है। इन दुर्लभ ग्रन्थों/पाण्डुलिपियों को प्रेस में भेजने से पूर्व इनके प्रकाशन की समीक्षा एवं उपादेयता प्रमाणित करने के लिए प्रकाशन समिति के समक्ष रखा जाता है। यह समिति प्रकाशन के क्षेत्र में प्रख्यात विद्वानों एवं विशेषज्ञों को जोड़कर बनी है। इस समिति की वर्तमान संरचना परिशिष्ट के रूप में पृष्ठ सं. 38 पर दर्शायी गई है।

पुस्तकालय समिति

विषय विशेषज्ञों के अलावा, पुस्तकालय समिति में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षेत्र के विशेषज्ञ भी शामिल होते हैं, जो पुस्तकालय के लिए खरीदी जाने वाली पुस्तकों की सिफारिश करते हैं और साथ ही अतिरिक्त कर्मचारियों, मशीनों की आवश्यकताओं सहित पुस्तकालय के उन्नयन और सुधार के लिए समय–समय पर उपकरण, डिजिटलीकरण, कैटलॉगिंग, आदि सिफारिश करते हैं। इस समिति की वर्तमान संरचना को परिशिष्ट के रूप में पृष्ठ सं. 39 पर दर्शायी गई है।

शोध समिति

संस्थान की शोध–समिति शोध वृत्ति हेतु शोध–छात्रों का चयन करने के लिए साक्षात्कार का कार्य–संचालन करती है और विषय–संक्षेप तथा शोध–कार्य की प्रगति की समीक्षा करती है। इस समिति की वर्तमान संरचना परिशिष्ट के रूप में पृष्ठ सं. 40 दर्शायी गई है।

5. निधि

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत संस्कृति विभाग इस संस्थान को सम्पूर्ण आर्थिक अनुदान प्रदान करता है। वर्ष 2022–23 के लिए संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार ने प्रबन्धन समिति, के.बौ.वि.स., लेह द्वारा अनुमोदित संस्थान की विभिन्न योजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए ₹3327.30 लाख स्वीकृत किये हैं।

6. कर्मचारी संख्या

संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी तथा अन्य कर्मचारियों के सहयोग से संस्थान के निदेशक/कुलपति एक प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी के रूप में संस्थान का पर्यवेक्षण करते हैं। केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के कर्मचारियों की कोटि–वार संख्या, शैक्षणिक एवं शिक्षणेतर श्रेणी का पृथक् विवरण परिशिष्ट पृष्ठ संख्या 41 पर दर्शाया गया है।

7. संकाय तथा विभाग

इस संस्थान को विश्वविद्यालय की पद्धति पर सुचारु तथा प्रभावी रूप से चलाने के लिए बौद्ध विहारों की परम्परा, पाँच महाविद्याओं के आधार पर संस्थान में संकायों एवं विभागों की स्थापना की गई है, जो निम्न प्रकार से है :

1) अध्यात्म तथा न्यायविद्या संकाय (Faculty of Philosophy and Logic)
2) शब्दविद्या संकाय (Faculty of Literature and Language)
3) सोवा रिगपा (भोट चिकित्सा) एवं शिल्प विद्या संकाय (Faculty of Bhot Medical Science and Arts)
4) आधुनिक विद्या संकाय (Faculty of Modern Studies)

प्रत्येक संकाय के अंतर्गत बनाए गए विभागों की सूची निम्नलिखित है :

1) अध्यात्म तथा न्यायविद्या संकाय (Faculty of Philosophy and Logic)

यह संकाय मूलशास्त्र एवं विभिन्न सम्प्रदायों की शाखाओं सहित तीन विभागों से बना है। बौद्ध

विहारों की प्रणाली के अनुसार अध्यात्म तथा न्यायविद्या दो स्वतन्त्र विद्याएँ हैं, जिनके अनेक विभाग हैं, परन्तु संस्थान के पाठ्यक्रम की अनुकूलता के लिए इनको साथ रखा गया है। उपरोक्त संकाय के अंतर्गत निम्न विभाग हैं–

i) भोट बौद्ध दर्शन विभाग
ii) बौद्धदर्शन विभाग (संस्कृत माध्यम)
iii) ञीङमा सम्प्रदाय विभाग
iv) काग्युद सम्प्रदाय विभाग
v) सक्या सम्प्रदाय विभाग
vi) गेलुग सम्प्रदाय विभाग

2) शब्दविद्या संकाय (Faculty of Literature and Languages)

यह संकाय विभिन्न विभागों से बना है, जिनका विवरण निम्नलिखित है:

i) भोट साहित्य विभाग
ii) संस्कृत विभाग
iii) पालि विभाग
iv) हिन्दी विभाग
v) अंग्रेजी विभाग

3) सोवा रिगपा (भोट चिकित्सा) एवं शिल्पविद्या संकाय (Faculty of Bhot Medical Science and Art)

संस्थान हिमालय की परम्परागत कला तथा संस्कृति को संरक्षण देने और उन्नत करने में अत्यधिक रुचि ले रहा है। तदनुसार इस क्षेत्र की कला तथा संस्कृति को संरक्षित एवं उन्नत करने हेतु निम्न विभागों की स्थापना की गई है :

i) ***सोवा रिगपा विभाग :*** रोगियों को जड़ी–बूटियों से निर्मित औषधियाँ उपलब्ध कराना इस क्षेत्र की सैकड़ों वर्ष से चली आ रही प्राचीन परम्परा है। इस प्रदेश में जब ऐलोपेथिक दवा नहीं थी, उस समय अमची विद्या (भोट चिकित्सा) ही अधिक प्रसिद्ध थी। वर्तमान समय में भी इस प्रदेश के लोग अमची (भोट चिकित्सा) को सर्वाधिक उपयोगी मानते हैं, क्योंकि इससे दुष्प्रभाव नहीं होते हैं। अब भारत सरकार ने सोवा रिगपा को एक पारंपरिक और उपयोगी चिकित्सा प्रणालियों के रूप में मान्यता दी है। इसलिए लोग सोवा रिगपा चिकित्सा प्रणाली को चुनते हैं। उक्त बातों को ध्यान में रखकर संस्थान इच्छुक विद्यार्थियों को अमची (भोट चिकित्सा विद्या) की शिक्षा प्रदान कर रहा है। बारहवीं उत्तीर्ण विद्यार्थी, जिन्हें भोटी भाषा का

पर्याप्त ज्ञान है, केवल वे ही बैचलर ऑफ सोवा रिगपा मेडिसिन एंड सर्जरी कोस में प्रवेश के लिए पात्र हैं। ऐसे अनेक विद्यार्थी हैं, जिन्हें उक्त उपाधि प्राप्त हुई है और वे आज सरकारी एवं गैर–सरकारी पदों पर अमची कार्य कर रहे हैं।

ii) ***बौद्ध ज्योतिष और खगोल विज्ञान विभाग***

iii) ***थंका चित्रकला विभाग :*** चित्रकला इस क्षेत्र में बहुत प्रसिद्ध है। लद्दाख के बौद्ध विहारों में यह कला अत्यन्त प्रसिद्ध है, जिनमें विभिन्न प्रकार के थंका–चित्र एवं भित्ति–चित्र दिखाई पड़ते हैं। अलची विहार के भित्ति–चित्र तथा लामायुरु गोनपा के थंका–चित्र बहुत प्रसिद्ध हैं। इन विहारों में कुछ थंकाएँ हज़ारों वर्ष पुरानी हैं, जिनका आज भी दर्शन किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त यहाँ के प्रत्येक गाँव में एक गोनपा अवश्य दिखाई पड़ता है, जिसमें थंकाओं, भित्ति–चित्रों एवं मूर्तियों का अपार भण्डार है। गर्मी के समय में दुनिया भर से पर्यटक लद्दाख में स्थित थंकाओं, भित्ति–चित्रों, मूर्तियों तथा अन्य धार्मिक वस्तुओं से सुसज्जित बौद्ध विहारों का दर्शन करने आते हैं। संस्थान छात्रों के लिए थंका चित्रकलामें विशेषज्ञता के साथ बैचलर ऑफ फाइन आट्स पाठ्यक्रम चलाता है। थंका बनाने की सदियों पुरानी परम्परा को जीवित रखने के लिए अनेक विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

iv) ***हिमालयी मूर्तिकला विभाग :*** लद्दाख क्षेत्र में मिट्टी से मूर्तियों तथा मुखौटों का निर्माण करना एक सामान्य बात है। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है कि यहाँ के बौद्ध विहार मूर्तियों एवं मुखौटों से परिपूर्ण हैं। यहाँ के प्रत्येक विहार में विशेष तिथि पर धार्मिक त्यौहार अर्थात् गुस्तोर/दोस्मोछे/छे–चु मनाये जाते हैं। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के बुद्धों, बोधिसत्वों, इष्टदेवों आदि की वेश–भूषा एवं मुखौटा धारण कर मुखौटा–नृत्य जो छमस् के रूप में प्रसिद्ध है, का प्रदर्शन किया जाता है। संस्थान ने विद्यार्थियों को बुद्धों, बोधिसत्वों, देवी–देवताओं, इष्टदेवों आदि की मूर्तियों के निर्माण हेतु कला के प्रशिक्षणार्थ व्यवस्था कर रखी है। इच्छुक विद्यार्थी, जो बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण कर चुके है, उन्हें हिमालयी मूर्तिकलामें विशेषज्ञता के साथ बैचलर ऑफ फाइन आट्स पाठ्यक्रम प्रदान किया जाता है। वर्तमान में अनेक विद्यार्थी उक्त पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षण ले रहे हैं।

v) ***हिमालयी काष्ठकला विभाग :*** प्राचीन काल में लद्दाख में पुस्तकों के प्रकाशन हेतु कोई मुद्रण यन्त्र उपलब्ध नहीं था। ऐसी स्थिति में लोग लकड़ी के ब्लॉकों से धार्मिक ग्रन्थों या अन्यान्य ग्रन्थों की प्रतिलिपि प्राप्त कर लेते थे। धार्मिक ग्रन्थों की लिपियाँ विशेषकर कठोर लकड़ी के ब्लॉक पर नियमित रूप से खोदी जाती हैं, जिससे बाद में पढ़ने के लिए किसी कागज़ पर छपायी की जा सके। एक बार किसी लकड़ी के ब्लॉक पर खुदाई हो जाने पर ज़ेरक्स मशीन की तरह उससे हज़ारों बार प्रतिलिपियाँ निकाली जा सकती हैं। प्राचीन काल में लद्दाख में यह कला अत्यन्त प्रसिद्ध थी। यहाँ बौद्धविहारों एवं बौद्ध गृहों के छत पर पाँच रंगों की पताकायें फहराने की परम्परा है, जिन्हें दरचोग के नाम से जाना जाता है और मुख्य द्वारों

पर बड़ी लम्बी पताका फहरायी जाती हैं जो दरछेन कहलाती हैं। कपड़े की पताकाओं पर लकड़ी के ब्लॉकों से सूत्रपाठ, मन्त्र, लुङ्ता एवं ग्यलछ्न चेमो (द्वजाग्र) छापे जाते हैं, जो आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक हैं। उक्त काष्ठकला के निरन्तर संरक्षण के उद्देश्य से संस्थान ने हिमालयी काष्ठकला में विशेषज्ञता के साथ बैचलर ऑफ फाइन आट्स (BFA) पाठ्यक्रम शुरू की है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत छात्र लकड़ी के ब्लॉक के निर्माण के अतिरिक्त साज–सज्जा वस्तु, यथा– ड्रेगन, पक्षी, सिंह, घोड़ा आदि जन्तुओं एवं अन्य वस्तुओं की निर्माण कला का भी प्रशिक्षण लेते हैं। लद्दाख क्षेत्र में यह कला अत्यन्त प्रसिद्ध है और व्यक्ति अपनी जीविका के लिए इसे अच्छा क्षेत्र मानता है।

4) आधुनिक विद्या संकाय (Faculty of Modern Studies)

इस संकाय के अर्न्तगत पाँच विभाग हैं, जो निम्न प्रकार हैं :

i) बौद्ध इतिहास और संस्कृति विभाग
ii) तुलनात्मक दर्शन विभाग
iii) इतिहास विभाग
iv) राजनीति विज्ञान विभाग
v) अर्थशास्त्र विभाग

8. नवीन प्रवेश

लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के विभिन्न मठों में स्थित गोनपा/ननरी स्कूलों, जो केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान के फीडर स्कूल हैं, उनमें छात्रों को सीधे प्रवेश दिया जाता है।

निर्धारित प्रवेश के नियमों के अन्तर्गत प्रवेश समिति द्वारा साक्षात्कार के आधार पर छात्रों को कक्षा 6 से 9 तक में छात्रों को इन कक्षाओं में सीटों की उपलब्धता के अधीन प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। संस्थान के शाखा गोनपा विद्यालयों के संस्थान में सीधे प्रवेश दिया जाता है।

विश्वविद्यालय की कक्षाओं में कक्षा 12 (उ.म.) उत्तीर्ण करने के बाद प्रवेश दिया जाता है। इस के अतिरिक्त छात्रों को बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स थंका चित्रकला, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स बौद्ध ज्योतिष और खगोल विज्ञान, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (BFA) हिमालयी मूर्तिकला, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (BFA) हिमालयी काष्ठकला, बैचलर ऑफ सोवा रिगपा मेडिसिन एंड सर्जरी में भी सीटों की उपलब्धता के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। आयुष मंत्रालय द्वारा बैचलर ऑफ सोवा रिगपा मेडिसिन एंड सर्जरी पाठ्यक्रम में केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह को पंद्रह सीटें आवंटित की गई है और छात्रों को सोवा रिगपा के लिए राष्ट्रीय पात्रता–सह–प्रवेश परीक्षा

[एन.सी.आई.एस.एम.–नीट–एस.आर. (यू.जी.)] 2022–23 के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2022–23 के लिए 15 छात्रों को इस पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश दिया गया था।

9. संगोष्ठी / परिसंवाद / कार्यशाला

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय), लेह में बौद्ध अध्ययन के लिए एक अत्यन्त महत्वपूर्ण संस्थानों में से एक है। विगत वर्षों में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहुँच बढ़ा रहा है।

1. संस्थान के भोट बौद्ध दर्शन विभाग और संप्रदाय शास्त्र विभाग द्वारा 3 से 5 नवंबर 2022 तक "अभिसमयालंकार के महत्व का विश्लेषण" विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में परम श्रद्धेय छोगोन रिनपोछे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अलावा, विभिन्न विश्वविद्यालयों से विद्वानों को आमंत्रित किया गया और उन्होंने अपने बहुमूल्य शोधपत्र प्रस्तुत किये। संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों में लद्दाख के विद्वानों, शिक्षकों और विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। इस संगोष्ठी के समापन समारोह की अध्यक्षता लद्दाख बौद्ध संघ के अध्यक्ष ने की। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय कक्षाओं के शिक्षक और छात्रों तथा लद्दाख की आम जनता भी उपस्थित थे।

2. दिनांक 7 जून 2022 को संस्कृत बौद्ध दर्शन विभाग द्वारा "बौद्ध साहित्य के प्रचार–प्रसार में जैन आचार्यों एवं शास्त्रों का योगदान (आपसी संवाद के विशेष सन्दर्भ में)" विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। डॉ. आनंद कुमार जैन, सहायक प्रोफेसर, जैन–बौद्ध दर्शन विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी (राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्तकर्ता) ने मुख्य भाषण दिया। इस अवसर पर विभाग के प्रमुख गेशे डकपा स्कलज़ङ, विभाग के शिक्षक और छात्र उपस्थित थे।

3. इंडियन सोसाइटी फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज और केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय), लेह ने 26 से 28 अगस्त 2022 को इंडियन सोसाइटी फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज का 22वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया। देश भर के विभिन्न स्थानों से आईएसबीएस सदस्यों ने सम्मेलन में भाग लिया। यह सदस्यों का सम्मेलन था। इसलिए पंजीकृत सदस्यों द्वारा बौद्ध अध्ययन से संबंधित शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन 22 अगस्त 2022 को एन.एन.एम., नालंदा के माननीय कुलपति प्रो. वैद्यनाथ लाभ ने किया। इसके बाद तीन दिनों तक विभिन्न सत्र जारी रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये। स्थाननीय समन्वयक के रूप में हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. राहुल मिश्र ने व्यवस्था एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की देख–रेख की।

4. संस्थान ने 27 से 30 सितंबर 2022 तक भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद

(आई.सी.एच.आर.) और जम्मू और कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से "लद्दाख : इतिहास, संस्कृति और परंपरा" विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। उद्घाटन समारोह में भारतीय सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इसके अलावा 24 कोर के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता भी मौजूद थे। तीन दिवसीय संगोष्ठी में देश के विभिन्न स्थानों से लगभग सौ प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभिन्न सत्रों में आलेख पढ़े गये। इस अवसर पर विशेष उपस्थिति श्री अशोक सज्जनहार (पूर्व राजनयिक), श्री. पी. स्तोबदान (पूर्व राजनयिक), श्री आशुतोष भटनागर (वरिष्ठ पत्रकार एवं निदेशक, जम्मू–कश्मीर अध्ययन केंद्र), कैप्टन अशोक बंसल (वरिष्ठ रक्षा विशेषज्ञ) तथा अशोक कदम (सचिव आईसीएचआर)सहित गण्मान्य लोग उपस्थित थे।

5. केंदीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय) के हिन्दी विभाग द्वारा 13 से 20 जून 2022 तक आठ दिवसीय हिंदीतरभाषी नवलेखक शिविर का आयोजन किया गया। यह लद्दाख में आयोजित होने वाला पहला नवलेख शिविर था। दिनांक 13 से 20 जूल, 2022 तक आयोजित इस शिविर में संस्थान के छात्र–छात्राओं ने नवलेखन के गुर सीखे। प्रो. भारतभूषण शर्मा, प्रो. संजय सिंह साम्याल और श्री राजेश्वर सिंह राजू बाहरी विशेज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। केंद्रीय हिंदी निदेशालय की ओर से सहायक निदेशक (विस्तार) श्री नत्थूलाल जी उपस्थित रहे। स्थानीय विशेषज्ञों में डॉ. दिलीप कुमार पट्टनायक, श्री सोनम वांगचुक, आकाशवाणी लेह से श्री सोनम वांगचुक और सुश्री फुनछोग डोलमा, दूरदर्शन केंद्र, लेह से श्री स्तनजिन लोटोस, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् लेह से डॉ. महेश कुमार गौड़ ने शिविरार्थियों को लेखन की बारीकियाँ सिखाईं।

10. विशेष व्याख्यान/अन्य शैक्षिक क्रियाकलाप

(1) ग्यल–स्रस बकुला रिनपोछे व्याख्यान माला

संस्थान प्रत्येक वर्ष ग्यल–स्रस बकुला रिनपोछे व्याख्यानमालाका आयोजन करता है।

(2) वार्षिक/मासिक पत्रिका

संस्थान 'रिगपे दुद्चि़' नामक एक वार्षिक पत्रिका तथा 'लोमे गछ़ल' और एक मासिक समाचार–पत्र भोटी, हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषाओं में प्रकाशित करता है जिनमें संस्थान के अध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर अपना लेख प्रस्तुत करते हैं। विगत वर्ष में संस्थान के अध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न क्रिया–कलापों में प्राप्त किये गये चित्रों को इन में विशेष रूप से प्रकाशित किया। इस के अतिरिक्त ग्रीन तारा गर्ल्स हॉस्टल के द्वारा "ग्रोल–ल्जंग गी स्ग्रोन–मई" नामक एक मासिक समाचार पत्र निकाला जाता है। ये सम्पूर्ण रूप से एक

सांस्थानिक पत्रिका है एवं इसमें पूर्ण रूप से संस्थान के स्वरूप तथा उद्देश्य को ही सम्मिलित किया जाता है।

11. दवाईयों की सुविधा

संस्थान में एक अपना दवाखाना है, जहाँ से विद्यार्थि, अध्यापकों एवं कर्मचारियों को दवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके लिए एक अस्थायी डॉक्टर की नियुक्ति की गई है जो एक दिन के अन्तर पर यहाँ आते हैं। एक परिचारिका एवं एक सहपरिचारिका उक्त डॉक्टर की सहायता करती हैं। यह दवाखाना अध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त लाभदायक है। वर्ष 2022–23 के दौरान संस्थान ने इस डिस्पेंसरी के लिए 232777.7 रुपये की दवाएं खरीदीं।

12. छात्र विनियम कार्यक्रम

केंद्रीय बौद्धविद्या संस्थान, लेह शीतकालीन अवकाश के दौरान केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के साथ छात्रविनियमक कार्यक्रम का आयोजन करता था। हालाँकि, रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष के दौरान यह कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया।

13. छात्र कल्याण समिति (एस.डब्ल्यू.सी.) की नई कार्यकारी समिति

केंद्रीय बौध विद्या संस्थान में छात्र कल्याण समिति का प्रवाधान है। जिसके कार्यकारी सदस्यों का चुनाव प्रतिवर्ष कराया जाता है। छात्र कल्याण समिति शिक्षा से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम जैसे सम्मेलन, शीतकालीन शिविर, संगोष्ठी, आदि आयोजित करता है। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, छात्र कल्याण समिति ने शैक्षणिक सत्र 2022–23 के दौरान तीन दिवसीय सम्मेलन और शीतकालीन शिविर का आयोजन किया गया।

शितकालीन शिविर

संस्थान की छात्र कल्याण समिति ने 12 दिसंबर, 2022 से 14 जनवरी, 2023 तक एक महीने का 5वें शीतकालीन शिविर का आयोजन किया। बौद्ध दर्शनशास्त्र के सहायक प्रोफेसर गेशे लोबज़ंग वांगचुक शिविर के संयोजक थे। शिविर में मुख्य रूप से तीन विषय बौद्ध दर्शन, भोटी भाषा एवं साहित्य तथा अंग्रेजी व्याकरण पढ़ाया। छात्रों ने सुबह के सत्र के दौरान बौद्ध पाठ "ग्यालसस लागलेन" सीखा। 14 जनवरी, 2023 को आयोजित समापन–समारोह के अवसर पर लद्दाख बौद्ध संघ के अध्यक्ष, श्री थुबस्तान छेवांग मुख्य अतिथि रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने ज्ञान को बढ़ाने और अद्यतन करने के लिए शीतकालीन अवकाश का उपयोग करने के लिए छात्रों की सराहना की और साथ ही उन्होंने आने वाले वर्षों में छात्रों को आर्थिक रूप से सहायता करने का भी वादा किया।

संस्थान की छात्र कल्याण समिति ने छात्र कल्याण समिति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी, यूपी के सहयोग से 27 से 29 जून, 2022 तक "लद्दाख की संस्कृति और भाषा की उद्धार और संरक्षण का महत्व" विषय पर तीन दिवसीय 5वें अखिल लद्दाख कॉलेज छात्र सम्मेलन का आयोजन सीआईबीएस, लेह के परिसर में किया। सम्मेलन में समृद्ध लद्दाखी संस्कृति की उद्धार और संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। उद्घाटन सत्र के अवसर पर परम पूज्य थुकस्रस रिनपोछे मुख्य अतिथि थे और श्री थुबस्तान छ्वांग, अध्यक्ष, लद्दाख बौद्ध संघ और आचार्य स्तनज़िन वांगटग, अध्यक्ष, ऑल लद्दाख गोनपा एसोसिएशन सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सीआईबीएस, लेह केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी, यूपी के छात्र, गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, लेह, लद्दाख पब्लिक स्कूल, लेह, सिद्धार्था हाई स्कूल, तोक, महाबोधी रेसिडेनशल स्कूल, साबू थांग, लेह, जवाहर नवद्यालय, लेह, हाई स्कूल, छुशोद, लमडोन मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लेह और डुक पद्मा कारपो, शे ने भी सम्मेलन में भाग लिया। प्रख्यात शिक्षाविदों और शैक्षिक प्रशासकों ने सम्मेलन में भाग लिया और छात्रों को संबोधित किया। दिनांक 29 जून 2023 को समापन समारोह का आयोजन किया गया। श्री टशी ग्यालछ़न, अध्यक्ष, एल.ए.एच.डी.सी., लेह मुख्य अतिथि थे, जबकि श्री जामयांग छ़ेरिंग नमग्याल, संसद सदस्य (लद्दाख–लोकसभा) और श्री स्तनज़िन छोसफेल, कार्यकारी काउंसलर, एल.ए.एच.डी.सी., लेह सम्मानित अतिथि थे। अपने संबोधन में, इन तीनों वी.आई.पी. ने पुरानी समृद्ध लद्दाखी संस्कृति को उद्धार और संरक्षित करने पर एक बहुत ही महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित करने के लिए सभी भाग लेने वाले संस्थानों के छात्रों की सराहना की। सम्मेलन के समापन पर सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिया गया।

14. शैक्षिक यात्रा

केंद्रीय बौद्धविद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय) लेह प्रत्येक शीतकालीन अवकाश के दौरान छात्रों के लिए भारत दर्शन (शैक्षिक यात्रा) का आयोजन करता है। भारत दर्शन के दौरान छात्र भारत के विभिन्न राज्यों में महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थलों का भ्रमण करते हैं। संस्थान की विभिन्न कक्षाओं के 50 छात्रों का एक समूह निर्धारित नियमानुसार और पिछले वर्ष की परीक्षा में योग्यता के आधार पर 27 दिसंबर 2022 से 36 दिनों की अवधि के लिए भारत दर्शन (शैक्षणिक यात्रा) पर गया। इस समुह ने लाल किला, इंडिया गेट, लोटस टेम्पल, राजघाट, दिल्ली में संसद भवन, अस्सी घाट, धमेख स्तूप, सारनाथ संग्रहालय और वाराणसी में अशोकन स्तंभ, विक्टोरिया मेमोरियल, हावड़ा ब्रिज, भारतीय सहित विभिन्न ऐतिहासिक स्थानों का दौरा किया। कोलकाता में संग्रहालय, साइंस सिटी, इस्कॉन मंदिर का दर्शन किया। इसके अलावा, उन्होंने चेन्नई, बेंगलुरु और गोवा का दौरा किया, जहाँ उन्होंने चारमीनर, गोलकुंडा किला, रामोजी फिल्म सिटी, हुसैन सागर, लुंबिनी पार्क, एनटीआर गार्डन, विवेकानंद हाउस, दलाई लामा इंस्टीट्यूट, मैसूर पैलेस, पुरातात्विक स्मारक, सेंट

फ्रांसिक के कैथोलिक चर्च आदि का दर्शन किया। छात्रों के साथ संस्थान की ओर से श्री छेरिंग दोर्जे, सहायक प्रोफेसर, श्रीमती शशि रावत, यूडीसी और श्री नवांग तनदर रसोइया थे।

इसके अतिरिक्त, सोवा रिगापा विभाग के छात्र 24 जुजाई 2022 से हर्बल औषधीय पौधों की पहचान करने और उन्हें इकट्ठा करने के लिए अपनी सुंदरता और औषधीय पौधों के लिए प्रसिद्ध वारिला के चार दिवसीय दौरे पर गए। इसी प्रकार लद्दाख आमची सभा, लेह के सहयोग से "आज़ादी का अमृत महोत्सव" मनाने के लिए हर्बल औषधीय पौधों और खनिजों की पहचान और संग्रह करने के उद्देश्य से दिनांक 12 से 15 अगस्त 2022 तक सोवा रिगपा द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने चांगला दर्रे का दौरा किया।

15. प्रकाशन

संस्थान "लद्दाख–प्रभा" शीर्षक के तहत संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों की कार्यावाही सहित विभन्न विषयों पर दुर्लभ और मूल्यवान पुस्तकें प्रकाशित करता है। वर्ष 2022–23 के दौरान संस्थान ने कक्षा शास्त्री–I (द्वितीय सेमेस्टर), शास्त्री–II (प्रथम सेमेस्टर), शास्त्री–II (द्वितीय सेमेस्टर) और शास्त्री–III (5वां सेमेस्टर) भोटी में सात पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित कीं।

16. शोध कार्य

संस्थान ने रिसर्च स्कॉलर्स के लिए आठ संस्थागत फेलोशिप की स्थापन की है। अनुसंधान का कार्य विभिन्न विषयों अर्थात् बौद्ध दर्शन, हिमालयी बौद्ध संस्कृति, और संबंधित क्षेत्रों में संचालित किए जा रहे हैं। तदनुसार, इस वर्ष सात शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है।

17. परिसर

यह संस्थान लेह शहर के दक्षिण की ओर आठ किलोमीटर दूर चोगलमसर में सिंधु नदी के तट पर स्थित है। इसके दो परिसर हैं–नया और पुराना परिसर। पुराना परिसर 23 कनाल के क्षेत्रफल में स्थित है। इसमें कक्षा 6 से 12 तक के कनिष्ठ छात्रों के लिए कक्षाएँ चलायी जाती हैं। यह विद्यालय प्रशिक्षित स्नातक (टी.जी.टी.) तथा अन्य कर्मचारियों के सहयोग से एक प्राचार्य के प्रभार में चलाया जाता है। इसमें शैक्षणिक विभाग, एक छोटा सभा–भवन, कार्यालय तथा बच्चों के लिए पुस्तकालय हैं। इस परिसर में एक अतिथि भवन है, जिसमें 20 अतिथि रुक सकते हैं।

भारत सरकार की अधिसूचना सं. एफ.95/2001.यू3 (ए) दिनांक 15 जनवरी, 2016 के तहत मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह को सम

विश्वविद्यालय घोषित किए जाने के परिणामस्वरूप इस संस्थान के कनिष्ठ विंग कोअलग करके दिनांक 01.11.2021 के कार्यालय ज्ञापन संख्या सीआईबीएस/2021/511 अनुसार उच्चतर माध्यमिक विद्यालयए केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान किया गया है। तदनुसार पूर्व मध्यमा प्रथम से उत्तर मध्यमा द्वितीय तक की कक्षाएँ पुराने परिसर में चलाई जा रहीं हैं। वर्तमान में डॉ. आई.बी. झा, प्रभारी, प्राचार्य के रूप में स्कूल की देखरेख कर रहे हैं।

नया परिसर पुराने परिसर से आधा किलोमीटर दूरी पर स्थित है। इसमें संस्थान का पृथक् कक्षा–भवन, प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय तथा तीन छात्रावास हैं जिनमें सौ–सौ विद्यार्थियों के रहने की क्षमता है, जो भिक्षुओं, छात्रों तथा छात्राओं को रहने के लिए अलग–अलग दिये गये हैं। नये परिसर में 60 कर्मचारी आवास भी हैं। इसी प्रकार नये परिसर में एक खेल–मैदान है, जो दर्शकों के बैठने की जगह, प्रसाधन कक्ष, भण्डार आदि सुविधाओं से युक्त है। संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों को चलाने के लिए 580 लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक सभा भवन है। इसके अतिरिक्त दार्शनिक वादविवाद भवन, विद्यार्थियों के मनोरंजन केन्द्र अन्य गतिविधियों को करने के लिए सुलभ हैं। इसके अलावा, चार प्रोफेसर क्वार्टरों का निर्माण पूरा हो चुका है और संस्थान को सौंप दिया गया है। भिक्षुणी छात्राओं के लिए एक और छात्रावास का निर्माण कार्य प्रगति पर है। राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित पांडुलिपि संसाधन केंद्र और पांडुलिपि संरक्षण केंद्र के लद्दाख अध्ययाय भी नए परिसर में चलाए जा रहे हैं।

18. पुस्तकालय

केंद्रीय बौद्धविद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय) का शेरब ग्यास ब्येद छ़लपुस्तकालय किसी भी उम्र के लोगों के लिए एक आत्मा–विकास स्थान एवं बौद्धिक उन्नति के लिए एक प्राकृतिक केंद्र बिंदु है। यह पुस्तकालय संस्थान का एक महत्वपूर्ण अंग है, जिस पर छात्र एवं अध्यापक ही नहीं अपितु संस्थान के अन्य सदस्य भी सूचना एवं ज्ञान की प्राप्ति हेतु इस पर निर्भर रहते हैं। पुस्तकालय पूरे हिमालय क्षेत्र में सबसे बड़े पुस्तकालयों में से एक है, जोबौद्ध अध्ययन, तिब्बती विज्ञान, लद्दाख अध्ययन और विभिन्न अन्य विषयों में ज्ञान का प्रसार करता है। पुस्तकालय को 'स्लिम थुमी सॉफ़्टवेअॅर' लगाकर 'कॅम्प्यूटराइज' किया गया है। इस पुस्तकालय में तीन विभाग हैं– (1) सामान्य विभाग, (2) भोट अथवा सुंगबुम विभाग और (3) सन्दर्भ विभाग।

इस पुस्तकालय में कुल 38274 ग्रन्थ, भोटी, अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, पालि तथा उर्दू भाषाओं में धार्मिक, ऐतिहासिक, दार्शनिक, काव्य एवं सामाजिक विषयों पर उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में विश्वकोश, शब्दकोश तथा वार्षिक ग्रन्थों का संग्रह भी है। प्राप्त विवरण के अनुसार इस सत्र के दौरान संस्थान ने खरीद और उपहार के माध्यम से 882 नई पुस्तकें प्राप्त कीं। संस्थान की पुस्तकालय वर्ष के दौरान 33 भारतीय एवं विदेशी शोध पत्रिकाओं/समसामयिक पत्रिकाओं का ग्राहक बना।

19. संग्रहालय

संस्थान का एक छोटा संग्रहालय है, जिसमें विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों से प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों का संग्रह है। इस संग्रहालय में लद्दाख की बौद्ध कलाकृतियों, चित्रों और छायाचित्रों के साथ–साथ विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों के नमूने संरक्षित किये गये हैं। लद्दाख में यह अपने ढंग का एक अनूठा संग्रहालय है, जो प्रति वर्ष यहाँ बड़ी संख्या में आने वाले देशी एवं विदेशी पर्यटकों और शोधकर्ताओं को आकर्षित करता है।

20. पाठ्यक्रम

प्रारम्भ में संस्थान में एक दस वर्षीय पाठ्यक्रम प्रचलित था जिसके अन्तर्गत हिन्दी, संस्कृत, बौद्ध दर्शन एवं भोटी भाषा की पढ़ाई होती थी। सन् 1973 में संस्थान, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश से सम्बद्ध हुआ तथा संस्थान के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, सीमान्त प्रदेशीय छात्रों की आवश्यकतानुसार एक विशेष पाठ्यक्रम तैयार किया गया। जनवरी 2016 में के.बौ.वि.सं. लेह को सम विश्वविद्याल का दर्जा प्रदान करने के बाद संस्थान ने पाठ्यक्रम उपयुक्तता में संशोधन करते हुए अधिसत्र–प्रणाली (सेमेस्टर सिस्टम) को आरम्भ किया। इस सम्बन्ध में संस्थान ने सम्बन्धित क्षेत्र में विशेषज्ञों को आमंत्रित कर कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की और अन्य विश्वविद्यालयों के संबंधित विषयों के विभाग अध्यक्षों द्वारा संशोधन कराकर उक्त पाठ्यक्रम काक्रियान्वयन किया।

तत्पश्चात इसको शिक्षा परिषद के समक्ष विचार और अनुमोदन के लिए रखा गया। संस्थान के पाठ्यक्रम में भोट साहित्य एवं बौद्ध दर्शन अनिवार्य विषय हैं। उत्तर मध्यमा तक हिंदी और अंग्रेजी अनिवार्य विषय हैं, जबकि शास्त्री में इन्हें वैकल्पिक विषय के रूप में पढ़ाया जाता है। राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, पालि, संस्कृत, इतिहास, तुलनात्मक दर्शन, अमची/भोट चिकित्सा विद्या, काष्ठकला, शिल्पकला तथा चित्रकला अन्य वैकल्पिक विषय हैं। सफल उम्मीदवारों को विद्या–वारिधि (पी.एच.डी.), आचार्य, शास्त्री, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बी.एफ.ए.) थंका पेंटिंग, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बी.एफ.ए.) हिमालयन मूर्तिकला, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बी.एफ.ए.) हिमालयन वुड कार्विंग, बैचलर इन भोट एस्ट्रोलोजी एंड एस्ट्रोनोमी और बैचलर ऑफ सोवा रिगपा मेडिसिन एंड सर्जरी (बी.एस.आर.एम.एस.) की उपाधि प्रदान की जाती है। समकक्ष उपाधि निम्नलिखित हैं :

1. पूर्वमध्यमा (मैट्रिकुलेशन)
2. उत्तर मध्यमा (उच्चतर माध्यमिक)
3. शास्त्री (बी.ए.)
4. आचार्य (एम.ए.)

5. विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)
6. बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बी.एफ.ए.) थंका पेंटिंग
7. बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बी.एफ.ए.) हिमालयन मूर्तिकला
8. बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बी.एफ.ए.) हिमालयन वुड कार्विंग
9. बैचलर इन भोट एस्ट्रोलोजी एंड एस्ट्रोनोमी
10. बैचलर ऑफ सोवा रिगपा मेडिसिन एंड सर्जरी (बी.एस.आर.एम.एस.)

संस्थान ने तिब्बत के महायान सम्प्रदाय शास्त्रों को अनिवार्य वैकल्पिक विषय के रूप में कक्षा शास्त्री और आचार्य के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया है। इस कार्य का विभाग के सदस्यों, विद्यार्थियों तथा लद्दाख के अन्य विद्वानों ने स्वागत किया है।

21. छात्रवृत्ति

संस्थान में अध्ययनरत छात्रों को 1060.00 रूपये से 1300.00 रूपये के बीच प्रतिछात्र प्रतिमाह की दर से छात्रवृत्ति दी जाती है। इस के अतिरिक्त डुजिंग फोडंग विद्यालय, जंस्कर, बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, मंडोगुलु और 50 गोनपा/श्रामणेरी विद्यालय के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी जाती है। इस प्रकार से सत्र के दौरान 175.06 लाख की कुल राशि का वितरण छात्रवृत्ति के रूप में किया गया।

22. विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तक एवं कापियों का निःशुल्क वितरण

संस्थान में तथा माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों और फीडर गोनपा/श्रामणेरी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी लद्दाख के सबसे पिछड़े और दूरदराज क्षेत्रों से हैं और वे अनुसूचित जनजाति के हैं। तदनुसार, संस्थान ने सभी विद्यार्थियों के लिए पाठ्य पुस्तक एवं उत्तरपुस्तिकाओं का निःशुल्क वितरण करने की व्यवस्था की है। प्राप्त विवरण के अनुसार इस वर्ष के दौरान संस्थान ने 19.86 लाख रुपये की पाठ्यपुस्तकें एवं उत्तरपुस्तिकायें खरीदीं और केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान तथा लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के विभिन्न भागों में स्थित विद्यालयों के विद्यार्थियों में निःशुल्क वितरित कीं।

23. परीक्षा परिणाम

संस्थान की कक्षा छठी से आठवीं तक की परीक्षाएँ संस्थान के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय द्वारा आयोजित की गईं जबकि पूर्वमध्यमा प्रथम से उत्तरमध्यमा द्वितीय तक परीक्षाएँ संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित की गईं, जिससे विद्यालय संबद्ध है। शास्त्रीय (बी.ए.),

आचार्य (एम.ए.), बौद्ध ज्योतिष और खगोल विज्ञान, थंका चित्रकला (बी.एफ.ए.), हिमालयी मूर्तिकला (बी.एफ.ए.), हिमालयी काष्ठकला (बी.एफ.ए.), भोट ज्योतिष और खगोल विज्ञान में स्नातक, बैचलर ऑफ सोवा रिगपा मेडिसिन एंड सर्जरी (बी.एस.आर.एम.एस.) कक्षाओं की परीक्षाएँ केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय), लेह के परीक्षा विभाग के प्रभारी द्वारा संचालित की गईं। वर्ष 2022–23 सत्र के अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा की परीक्षाओं के परिणाम का विवरण पृष्ठ संख्या 43 पर परिशिष्ट के रूप में दर्शाया गया है।

24. गोनपा/श्रामणेरी विद्यालय

अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु यह संस्थान विभिन्न गोनपाओं में 50 गोनपा/श्रामणेरी विद्यालय चला रहा है जो इस प्रदेश में अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। ये विद्यालय सम्बन्धित गोनपाओं के सहयोग से चलाये जा रहे हैं। तदनुसार उक्त गोनपा कक्षाओं एवं छात्रावास की सुविधाओं के साथ–साथ धार्मिक क्रियाकलापों की शिक्षा प्रदान करते हैं। संस्थान की ओर से प्रवेश प्राप्त छात्रों की संख्या के आधार पर विद्यार्थियों के लिए एक से तीन शिक्षकों की व्यवस्था की जाती है। इसके अतिरिक्त साज–सामान, लेखन–सामग्री, पाठ्यपुस्तक एवं कापी और प्रत्येक विद्यार्थी के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था की जाती है। संस्थान द्वारा नियुक्त शिक्षक विद्यार्थियों को गोनपा–विषयक शिक्षा के साथ–साथ अन्य आधुनिक विषयों, जैसे – भोटी भाषा, हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विज्ञान आदि की शिक्षा प्रदान करते हैं। प्राप्त विवरण के अनुसार विगत वर्ष लद्दाख के विभिन्न गोनपाओं में स्थापित 50 गोनपा/श्रामणेरी विद्यालयों में कुल 819 विद्यार्थी अध्ययनरत थे। वर्ष 2022–23 के विद्यार्थियों के नामांकन का विवरण विद्यालयवत् एवं कक्षावार पृष्ठ संख्या 46 पर परिशिष्ट के रूप में दर्शाया गया है।

25. स्थापना दिवस समारोह

केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय) के 63वाँ वार्षिक दिवस 23 अक्टूबर, 2022 को आर्य नागार्जुन सभागार में बड़े उत्साह और देशभक्तिपूर्ण उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस शुभ अवसर पर परम पूज्य स्क्यबर्जे थुगस्रस रिनपोछे मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर लद्दाख गोनपा संघ के अध्यक्ष, लद्दाख बौद्ध संघ के अध्यक्ष उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त लद्दाख के गणमान्य व्यक्ति, संस्थान के कर्मचारी और छात्र भी उपस्थित थे। इस दौरान संस्थान के वार्षिक परीक्षा में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे, निबंध प्रतियोगिता, कविता पाठ प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, व्याख्यान प्रतियोगिता, खेल प्रतियोगितओं, सांस्कृतिक गतिविधियों, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि में जीतने वाले छात्रों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस समारोह के अवसर पर अपर प्रशासनिक अधिकारी डॉ. कोनछोग रिगज़िन ने स्वागत भाषण के साथ संस्थान की संक्षिप्त रिर्पोट प्रस्तुत की। इस अवसर पर संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। समारोह का समापन डॉ. ठिनले यांगजोर, डीन, छात्र कल्याण के प्रेरणादायक धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

26. अन्य महत्वपूर्ण घटनायें

प्राप्त विवरण के अनुसार विगत वर्ष संस्थान में निम्नलिखित उत्सव एवं क्रियाकलापों का बड़े उत्साह के साथ आयोजन किया गया:

(क) डॉ. राधाकृष्णन की जयन्ती, शिक्षक दिवस : केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय) डॉ. राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाता है।

(ख) हिन्दी दिवस / हिन्दी पखवाड़ा : संस्थान प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी विदस मनाता है। इस दौरान राजभाषा हिंदी में निबंध लेखन, कविता पाठ, व्याख्यान आदि विभिन्न प्रकार की साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी 14 सितंबर, 2022 को हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर खानपो कोनछोक थुबस्तन, डीन, भाषा संकायें कें.बौ.वि.सं., लेह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे और डॉ. ठिनले यांगजोर, डीन, छात्र कल्याण तथा डॉ. कोनछोग रिगज़िन, अपर प्रशासनिक अधिकारी सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई। डॉ. राहुल मिश्रा, विभागाध्यक्ष ने स्वागत भाषण दिया। इस दौरान हिंदी विभाग द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इसके अतिरिक्त संस्थान प्रत्येक वर्ष हिंदी पखवाड़ा मनाता है। इस वर्ष हिंदी पखवाड़ा–2022 के अंतर्गत संस्थान के कार्यालय में हिंदी में कार्य को बढ़ावा देने के लिए दिनांक 21.09.2022 को कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों के लिए हिंदी में एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

'हम हिंदी की बहनें हैं' बहुभाषी काव्य–सम्मेलन (ऑनलाइन) : दिनांक 19 सितंबर 2022 को हिंदी विभाग द्वारा बहुभाषी काव्य–गोष्ठी का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, लद्दाख प्रांत, साहित्यिक–संस्कृति त्रैमासिक नूतनवंधरा और अखिल भारतीय अनागत साहित्य संस्थान, लखनऊ के साहित्यिक सहयोग से आयोजित इस काव्य–गोष्ठी की संकल्पना एवं संयोजन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. राहुल मिश्र का रहा।

हिंदी पखवाड़ा–2022 के समापन कार्यक्रम में एक हिंदी व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त प्रोफेसर कैलाश नारायण तिवारी को आमंत्रित किया गया और उन्होंने 'अंतरराष्ट्रीय मंच एवं हिंदी की दिशा' विषय पर व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. वैद्यनाथ लाभ ने किया और संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. राहुल मिश्र ने किया। इस दौरान संस्थान के सभी छात्र–छात्राएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिंदी विभाग द्वारा ऑनलाइन हिंदी व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विद्वानों का आमंत्रित किया गया। माननीय कुलपति प्रो. वैद्यनाथ लाभ ने मार्गदर्शन किया। डॉ.राहुल मिश्र, विभागाध्यक्ष ने संयोजन किया। ऑलाइन हिंदी

व्याख्यानमाला में संस्थान के छात्र–छात्राओं के साथ ही देश के विभिन्न स्थानों से छात्र–सात्राएँ एवं हिंदी प्रेमी लोग जुड़े।

(ग) **स्वच्छ भारत अभियान :** भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी की पहल पर भारत सरकार ने सम्पूर्ण देश को साफ सुथरा रखने के विचार से स्वच्छ भारत अभियान का शुभारंभ किया। तदानुसार केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह ने इसको ध्यान में रखते हुए दिनांक 3 से 10 अक्टूबर 2022 तक नोडल अधिकारी डॉ. छेवङ यङजोर के नेतृत्व में संस्थान के सभी कर्मचारी तथा विद्यार्थियों को सम्मिलित कर संस्थान के कार्यालय, कक्षा, परिसर और आसपास के क्षेत्रों की सफाई कराई।

विश्व पर्यावरण दिवस : संस्थान हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाता है।

महात्मा गांधी की जयंती : महात्मा गांधी की जयंती आमतौर पर हर साल 2 अक्टूबर को संस्थान में मनाई जाती है। इस वर्ष भी संस्थान ने दिनांक 2 अक्टूबर को नागार्जुन सभागार में महात्मा गांधी की जयंती मनाई। इस अवसर पर श्री टशी राम, अपर प्रशासनिक अधिकारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संस्थान के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और वरिष्ठ छात्रों ने समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया और महात्मा गांधी के जीवन और उपलब्धि पर प्रकाश डाला।

विश्व छात्र दिवस : केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय) हर साल 15 अक्टूबर को पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जन्मदिन के उपलक्ष्य में विश्व छात्र दिवस मनाता है।

स्वतंत्रता दिवस : संस्थान के अपर प्रशासनिक अधिकारी श्री टशीराम ने 15 अगस्त 2022 स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर मुख्य परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों की उपस्थिति में भारत–ब्रिटिश शासन की आज़ादी प्राप्त होने के पचहत्तरवें वर्ष का जश्न मनाया गया। उन्होंने इस अवसर पर देश के लिए अपना जीवन बलिदान करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों, सेनाओं और नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उस दिन पुराने परिसर से विश्वविद्यालय परिसार तक एक शोभायात्रा निकाला, जिसमें शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक कर्मचारी और छात्र हाथ में राष्ट्रीय ध्वज लेकर शामिल थे। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस : संस्थान हर साल अलग–अलग विषयों के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन करता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस : केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाता है। इस वर्ष 21 जून 2022 को महाबोधि मेडीटेशन सेंट्र, चोगलमसर के सहयोग से लेह एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में उत्साह के साथ योग दिवस मनाया गया। योग दिवस के इस अवसर पर संस्थान के सभी कर्मचारी और छात्र उपस्थित थे।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर : संस्थान के सोवा रिगपा विभाग ने "आज़ादी का अमृत महात्सोव" के स्मरणोत्सव के हिस्से के रूप में आम जनता के लाभ के लिए 27 मई, 2022 से 1 जून, 2022, 8 अगस्त से 13 अगस्त, 2022 और 12 जून, 2022 को नुबरा क्षेत्र के खेमा ख्युंगरू, डीगर, टंगयार, स्कुरू, लरग्याब, चुलंका, तुरतुक और दुरबुक क्षेत्र के टंगचे, संस्थान के सोवा रिगपा अस्पताल में कई निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किए। इस चिकित्सा शिविर में लगभग 750 से अधिक रोगियों ने भाग लिया और सोवा रिगपा का पारंपरिक उपचार और दवा निःशुल्क प्रदान की।

सोवा रिगपा अस्पताल : संस्थान में थेरेपी सेंटर के साथ 10 बिस्तरों का सोवा रिगपा अस्पताल है। इसमें बाह्य रोगी विभाग रोगी विभाग (ओपीडी), सोवा रिगपा मेडिसिन आदि, संपीड़न थेरेपी, शीत संपीड़न थेरेपी, गर्म तेल संपीड़न थेरेपी, मोक्सीबस्टन थेरेपी, गर्मी थेरेपी, औषधीय स्नान थेरेपी और मालिश थेरेपी की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। आम जनता सोवा रिगपा चिकित्सा उपचार का लाभ किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 10.00 बजे से शाम 4.30 बजे तक ले सकती है।

सोवा रिगपा मेडिकल कॉलेज के छात्र इस संस्थान में पाँच वर्ष और छह महीने के लिए बैचलर ऑफ सोवा रिगपा मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएसआरएमएस) कोर्स करते हैं। अब सोवा रिगपा अस्पताल मेडिकल कॉलेज से जुड़ा है, इसलिए छात्र आईपीडी और ओपीडी में व्यावहारिक कौशल देख और सीख सकते हैं। छात्र हमारे चिकित्सा केंद्र में चिकित्सा कौशल भी बढ़ा सकते हैं।

संविधान दिवस : संस्थान ने 26 नवंबर, 2022 को आर्य नागार्जुन सभागार में सुबह 10.30 बजे भारत के संविधान के अनुकूलन के उपलक्ष्य में संविधन दिवस मनाया। समारोह में संकाय सदस्य, विद्यार्थियों और गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों ने भाग लिया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव : आज़ादी का अमृत महोत्सव भारत सरकार की एक पहल है, जो स्वतंत्रता के 75 साल और इसके लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाने के लिए है। इसी क्रम में संस्थान ने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

27. हिमालयी बौद्ध–संस्कृति–विश्व–कोश के संकलन की परियोजना

केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान दस खंडों में हिमालयी बौद्ध–संस्कृति–विश्व कोश के संकलन की एक मेगा परियोजना चला रहा है। यह परियोजना विद्वानों को अनुबन्ध के आधार पर नियुक्त कर शुरू की गई थी। यह परियोजना एक मुख्य संपादक की देखरेख में दो संपादाकों और तीन शोध–सहायकों के सहयोग से प्रगति पर है। लद्दाख क्षेत्र से संबंधित विश्वकोश के दो खंड पहले से ही प्रकाशित हो चुका है।

हिमाचल प्रदेश के क्षेत्र वाले अन्य दो खंड पूरे हो चुके हैं और प्रकाशन के अधीन हैं। हिमालयी बौद्ध संस्कृति के दार्शनिक और सैद्धांतिक आधार के प्रथम खंड पर कार्य प्रगति पर है। पहले खंड में 22 अध्याय है, जो पूर्ण होकर प्रकाशन के लिए तैयार है। भाग दो प्रगति पर हैं।

28. पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, भारत सरकार ने केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह को पाण्डुलिपि संसाधन केन्द्र के रूप में लद्दाख क्षेत्र के लिए ''पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र'' पद प्रदान किया है। तदनुसार संस्थान ने अनुबन्ध के आधार पर विद्वानों की नियुक्ति कर उन्हें काम सौंपा है। संस्थान ने लद्दाख क्षेत्र के 2389 मठों, महलों एवं व्यक्तियों से लगभग 37722 पाण्डुलिपियों का संग्रह किया है तथा प्रयास है कि इस क्षेत्र में उपलब्ध सभी पाण्डुलिपियों का संग्रह किया जा सके। इसके अतिरिक्त संस्थान लद्दाख क्षेत्र के विभिन्न विहारों में उपलब्ध दुर्लभ पाण्डुलिपियों का संरक्षण भी करता है।

संस्थान ने पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए एक प्रयोगशाला भी स्थापित की है। अब तक संस्थान ने दुर्लभ पांडुलिपियों के 56635 फोलियो को संरक्षित किया है, जो विभिन्न मठों जैसे कि मठो मठ, हेमिस मठ और अन्य व्यक्तिगत घरों में बिगड़ने की अवस्था में हैं।

29. डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त छात्रों का नियोजन

संस्थान पी–एच. डी. (विद्यावारिधि) उपाधि, भोट बौद्ध दर्शन, संस्कृत बौद्ध दर्शन, बौद्ध पुराणेतिहास इतिहास, भोट साहित्य तथा तुलनात्मक दर्शन विषयों में आचार्य (एम.ए. से समतुल्य), शास्त्री (बी.ए. से समतुल्य), उत्तर मध्यमा (+2 से समतुल्य) और पूर्वमध्यमा (मैट्रिक से समतुल्य) की उपाधि प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त भोट चिकित्सा, थंका/चित्रकला,मूर्ति–कला और काष्ठकला में बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बी.एफ.ए.) थंका पेंटिंग, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बी.एफ.ए.) हिमालयन मूर्तिकला, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बी.एफ.ए.) हिमालयन वुड कार्विंग, बैचलर इन भोट एस्ट्रोलोजी एंड एस्ट्रोनोमी, बैचलर ऑफ सोवा रिगपा मेडिसिन एंड सर्जरी (बी.एस.आर.एम.एस.) की उपाधि दी जाती है। यह अवलोकन किया गया है कि जिन विद्यार्थियों ने केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह से ऊपर बताये गये पाठ्यक्रमों में उपाधि प्राप्त की है, वे बेरोजगार नहीं है। जिन विद्यार्थियों ने इस संस्थान से उपाधि प्राप्त की है वे विशेषकर शिक्षा विभाग, जम्मू व कश्मीर, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, और निजी स्कूलों में आसानी से नियुक्त हो जाते हैं। जिन उम्मीदवारों के पास ऊपर की उपाधियाँ हों उन्हें आकाशवाणी और दूरदर्शन विभागों में नियुक्त होने का अच्छा अवसर है क्योंकि इन विभागों में उन उम्मीदवारों को वरीयता दी जाती है, जिनको स्थानीय भाषा का अच्छा ज्ञान हो।

संस्थान को गर्व महसूस होता है कि संस्थान के पूर्व छात्र राज्य और केंद्र सरकार की सेवाओं में अच्छे स्थानों पर हैं, जिनकी भर्ती कश्मीर पी.एस.सी. और यू.पी.एस.सी के माध्यम से की जाती है। इस के अतिरिक्त संस्थान के पूर्व छात्र पूरे भारत में सेना और अर्ध सैनिक बलों में देश के लिए सेवा कर रहे हैं। संस्थान के कुछ पूर्व छात्र विश्व भारती विश्वविद्यालय, शान्ति निकेतन कलकत्ता, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली आदि प्रख्यात विश्वविद्यालयों में काम कर रहे हैं। लद्दाख पुलिस के विभागों में अनेक ऐसे अधिकारी हैं जिन्होंने केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह से उपाधि प्राप्त की है। के.बौ.वि.सं., लेह की शाखा और फीडर स्कूल केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के पूर्व छात्रों को नियुक्त कर चलाये जा रहे हैं, जो इस क्षेत्र की संस्कृति और विरासत के संरक्षण तथा पदोन्नति के लिए उपयोगी है।

भोट चिकित्सा में उपाधि प्राप्त विद्यार्थी केन्द्र प्रायोजित योजना 'राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन' के अधीन राज्य के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं, जो पूरे क्षेत्र में ग्रामीण मरीजों को देखते हैं। थंका/चित्रकला,मूर्ति–कला और काष्ठकला में उपाधि प्राप्त विद्यार्थी स्थानीय लोग तथा लद्दाख में आये पर्यटकों से थंका, मूर्ति और लकड़ी पर नक्काशी का काम करके अच्छी खासी धनराशि कमा रहे हैं। इसके अतिरिक्त जिन छात्रों ने ऊपर बतायी गई उपाधियाँ प्राप्त की हों, वे उन संस्थाओं में प्रशिक्षक के रूप में नियुक्त होते हैं, जहाँ पर समान पाठ्यक्रम हों।

इस प्रकार हजारों विद्यार्थियों ने केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह से उपाधियाँ प्राप्त की हैं और उनमें से कोई भी बेरोजगार नहीं है। यह केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की एक महान् उपलब्धि है।

30. पाठयपुस्तकों का परिशोधन एवं संपादन

वर्ष 2022–23 के दौरान संस्थान ने कक्षा शास्त्री–I (द्वितीय सेमेस्टर) और शास्त्री–II (प्रथम सेमेस्टर) के लिए भोट बौद्ध दर्शन, बौद्ध पुराणिक इतिहास और भोट साहित्य की पाठ्य पुस्तकों को संशोधित और संपादित किया गया।

31. डुजिंग फोटंग विद्यालय, जंस्कार

(क) संक्षिप्त इतिहास : जंस्कार बौद्ध संघ के निमन्त्रण पर सन् 1980 में पहली बार परम पावन दलाई लामा जी जंस्कार पधारे थे। उन्होंने इस क्षेत्र की संस्कृति के संरक्षण की आवश्यकता का अनुभव करते हुए एक विद्यालय की स्थापना के लिए जंस्कार बौद्ध संघ को कुछ धनराशि भेंट की। जंस्कार बौद्ध संघ ने इस क्षेत्र के निर्धन एवं जरूरतमंद छात्रों के कल्याण के लिए सितम्बर वर्ष 1984 में डुजिंग फोटंग में एक विद्यालय की स्थापना की। यहाँ प्रारंभ में कुल 101 छात्रों को प्रवेश दिया गया तथा

तीन अध्यापकों को नियुक्त किया गया। दूर–दराज के क्षेत्रों के छात्रों के लिए एक छात्रावास का प्रबंध भी किया गया। जंस्कार के बौद्ध निवासियों ने भी इस विद्यालय के कोष के लिए धन जुटाया। परम पूज्य दलाई लामा जी के वर्ष 1988 में दूसरी बार जंस्कार पधारने पर विद्यालय के विकास के लिए पुनः धनराशि भेंट की। जंस्कार बौद्ध संघ और क्षेत्र की जनता ने तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री राजीव गाँधी को इस विद्यालय के महत्व के बारे में अवगत कराया तथा उनसे निवेदन किया कि केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की तरह इस विद्यालय का प्रबंधन भारत सरकार अपने अधीन कर ले। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री राजीव गाँधी ने मार्च/अप्रैल 1988 में अपनी जंस्कार यात्रा के दौरान वहाँ के नागरिकों की भावनाओं का समादर करते हुए "डुजिंग फोटंग विद्यालय" को केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह से सम्बद्ध करने की घोषणा की थी। तदनुसार भारत सरकार ने नवम्बर, 1989 से इस विद्यालय को केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की शाखा के रूप में मान्यता प्रदान कर दी। तब से यह विद्यालय केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के वित्तीय एवं प्रशासनिक नियन्त्रण में चलाया जा रहा है। वर्तमान में इस विद्यालय में प्रथम कक्षा से दसवीं कक्षा तक कुल 340 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। डुजिंग फोटंग विद्यालय के परिसर में शैक्षिक विभाग, एक छोटा सा पुस्तकालय,एक छोटा बहुउपयोगी सभा भवन, 100 छात्रों के रहने के लिए छात्रावास, कर्मचारी आवास और एक खेल का मैदान है। जो विद्यार्थी छात्रावास में नहीं रहते हैं, उनको लाने–ले जाने के लिए एक स्कूल बस भी है। जंस्कार घाटी एक अलग क्षेत्र है और सर्दियों में लगभग 6 से 7 महीने के लिए लेह और कारगिल से कटा रहता है।

(ख) परीक्षा का परिणाम (डी.पी.एस., जंस्कार) : डुजिंग फोटंग विद्यालय, जंस्कार के कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षायें प्रधानाध्यापक के निरीक्षण में संस्थान द्वारा अयोजित की गईं। कक्षा नवीं तथा दसवीं के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षायें संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्याय, वाराणसी द्वारा संचालित की गईं। वहाँ के विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए लेह आना पड़ता था और अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था। अतः इन बातों को ध्यान में रखकर वहाँ एक परीक्षा केन्द्र स्थापित किया गया। वर्ष 2022–2023 सत्र के अर्न्तगत विद्यार्थियों के नामांकन और प्रत्येक कक्षा की परीक्षाओं के परिणाम का विवरण पृष्ठ संख्या 50 पर परिशिष्ट के रूप में दर्शाया गया है।

(ग) अन्य क्रिया–कलाप (डी.पी.एस., जंस्कार) : यह स्कूल विविध शैक्षिक क्रिया–कलापों का आयोजन कर रहा है, जैसे – वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता, साहित्यिक प्रतियोगिता, ऐतिहासिक स्थलों/विहारों का दर्शन, राष्ट्रीय स्तर के महापुरुषों का जन्म दिवस मनाना, मासिक व्याख्यान प्रतियोगिता आदि। इसके

अतिरिक्त इस स्कूल में एक छोटा सा ग्रन्थालय है जहाँ विद्यार्थियों के लिए ग्रन्थों का एक अच्छा संग्रह उपलब्ध है।

(घ) **कर्मचारी संख्या** : प्राप्त विवरण अनुसार डुजिंग फोटंग विद्यालय के कर्मचारियों की संख्या पृष्ठ संख्या 51 पर परिशिष्ट के रूप में दर्शाया गया है।

32. बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, मंडोगलु (हि.प्र.)

(क) **संक्षिप्त इतिहास** : हिमालय क्षेत्र क्रमश : लाहुल, स्पीति, किन्नौर, पंगी, कुल्लू और मनाली की बहुमूल्य बौद्ध कला, भाषा और संस्कृति को सुरक्षित रखने के लिए बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, केलंग, लाहुल–स्पीती (हि.प्र.) की स्थापना सन् 1976 में हुई। सन् 1959 से पूर्व इस क्षेत्र के विद्वान, श्रामणेर एवं भिक्षु उच्च बौद्ध शिक्षा के लिए तिब्बत जाते थे। परन्तु 1959 की ऐतिहासिक घटना के परिणामस्वरूप अचानक इस परम्परा में व्यवधान पैदा हुआ। अतः नवशिष्यों को पारम्परिक बौद्ध शिक्षा देने के लिए बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, केलांग अस्तित्व में आया। आरम्भ में यह विद्यालय यहाँ के निवासियों से धन जुटाकर चलाया जाता था। तत्पश्चात् भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने बौद्ध/तिब्बती संस्था विकास के वित्त सहयोग योजना के अर्न्तगत कुछ वित्तीय सहयोग दिया। इस क्षेत्र के लोगों ने इस विद्यालय को केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह और केन्द्रीय तिब्बती विश्वविद्यालय, सारनाथ, वाराणसी की प्रणाली के अनुसार भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था के रूप में प्रभार लेने के अथक प्रयास किये। परन्तु यह भारत सरकार के संस्कृति मन्त्रालय की एक स्वायत्त संस्था के रूप में प्रभार नहीं ले सका। तथापि वर्तमान में, संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार ने केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह की प्रबन्धकारिणी की संस्तुति के आधार पर इस विद्यालय को डुज़िंग फोटंग विद्यालय (डी.पी.एस.) जंस्कार के समान केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह के शाखा विद्यालय के रूप में अपने अधीन लेने का निर्णय लिया है। तदनुसार संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार के पत्र सं. एफ./1–11/2004–बी.टी.आई. दिनांक 05–03–2010 के अनुसार बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, केलांग (हि.प्र.) को केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह ने अपनी शाखा के रूप में ले लिया है। तब से इस विद्यालय के प्रशासन को केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह द्वारा पूर्ण वित्तीय सहयोग से चलाया जा रहा है। इस विद्यालय में एक प्रधानाध्यापक, छः प्रशिक्षित स्नातक, एक भोटी अध्यापक, एक बौद्ध दर्शन का अध्यापक, एक कार्यालय सहायक और तीन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यरत है। डुज़िंग फोटंग विद्यालय, जंस्कार के समान इस विद्यालय के कर्मचारियों का वेतन, छात्रों की छात्रवृत्ति, साज–सामान और दिन–प्रति दिन का व्यय केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह द्वारा दिया जाता है। वर्तमान में यह विद्यालय मण्डोगलु, मन्डी, हि.प्र. में चलाया जा रहा है, जहाँ डीगुङ

कग्युद येग–छोन आदेसल लिङ वेलफेर सोसाइटी द्वारा निर्मित बौद्ध मठ में निःशुल्क आवास प्रदान किया है।

इस विद्यालय की पहली से दसवीं कक्षा तक की वार्षिक परीक्षायें प्रधानाध्यापक के निरीक्षण में अयोजित की जाती हैं। वर्ष 2022–2023 सत्र के अर्न्तगत विद्यार्थियों के नामांकन और प्रत्येक कक्षा की परीक्षाओं के परिणाम का विवरण पृष्ठ संख्या 52 पर परिशिष्ट के रूप में दर्शाया गया है।

(ख) कर्मचारी संख्या :

बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, मंङ्गेगुलु (हि.प्र.) के कर्मचारी संख्या पृष्ठ संख्या 53 पर परिशिष्ट के रूप में दर्शाया गया है।

के.बौ.वि.सं. लेह की सोसाईटी की संरचना

क्र.सं.	*नाम और पता*	*पद*
1.	सचिव, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार	अध्यक्ष
2.	ए.एस. और फ.ए., संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार	सदस्य (पदेन)
3.	संयुक्त सचिव, बी.टी.आई. संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य (पदेन)
4.	भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, का एक नामांकित व्यक्ति	सदस्य (पदेन)
5.	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव या नामांकित व्यक्ति	सदस्य (पदेन)
6.	उपायुक्त, लेह	सदस्य (पदेन)
7.	लद्दाख गोनपा संघ के द्वारा चुना गया लद्दाख के गोनपाओं का एक प्रतिनिधि (भिक्षु शडुब चमबा, अध्यक्ष)	सदस्य (गैर–सरकारी)
8.	श्री थुबस्तन छ़ेवांग, अध्यक्ष लद्दाख बौद्ध संघ, लेह लद्दाख के प्रतिनिधि	सदस्य (गैर–सरकारी)
9–10.	केन्द्रीय सरकार द्वारा नामांकित दो प्रख्यात बौद्ध शिक्षाविद	
	1) डॉ. पद्मा ग्युरमेद, प्रभारी निदेशक सोवा रिगपा अनुसंधान केंद्र का राष्ट्रीय संस्थान, लेह	सदस्य (गैर–सरकारी)
	2) डॉ. सोनाम वांगमो, असिस्टेन्ट प्रोफेसर डिग्री कॉलेज, लेह	सदस्य (गैर–सरकारी)
11.	कुलपति के.बौ.वि.सं., लेह	सदस्य (पदेन)

क्र.सं.	*नाम और पता*	*पद*
12–13.	के.बौ.वि.सं. के बौद्ध संस्थान के संकायों के दो डीन	
	1) खनपो कोनचोग थुबस्तन, एसोसिएट प्रोफेसर के.बौ.वि.सं., लेह	सदस्य (पदेन)
	2) डॉ. एस.के. गौतम असिस्टेन्ट प्रोफेसर के.बौ.वि.सं., लेह	सदस्य (पदेन)
14.	रजिस्ट्रार/ए.ओ., केंद्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह	सदस्य (पदेन)

के.बौ.वि.सं. लेह की प्रबन्धक समिति की संरचना

क्र.सं.	*नाम और पता*	*पद*
1.	प्रो. राजेश रंजन, कुलपति के.बौ.वि.सं., लेह	अध्यक्ष (पदेन)
2–3.	संकायों के दो डीन	
	1) डॉ. ठिनले यांगजोर डीन, के.बौ.वि.सं., लेह	सदस्य (पदेन)
	2) डॉ. एस.के. गौतम असिस्टेन्ट प्रोफेसर, के.बौ.वि.सं., लेह	सदस्य (पदेन)
4–6.	कुलाधिपति द्वारा मनोनीत तीन प्रख्यात शिक्षाविद	
	1) प्रो. वांगछुग दोरजे नेगी के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ	सदस्य
	2) प्रो. के.टी.एस. साराओ सेवानिवृत्त प्रोफेसर, बौद्ध अध्ययन विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	सदस्य
	3) खनपो ईशे छ़ेरिंग प्रधान मठाधीश, भिक्षुणी सक्या कॉलेज, छ़ेछेन शेडुब समतन फुनछ़ोग लिंग धर्मार्थ समाज देहरादून, उत्तराखंड	सदस्य
7.	केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत एक प्रख्यात शिक्षाविद सदस्य होंगे (प्रक्रियाधीन)	सदस्य
8–9.	दो शिक्षण संकाय (प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर) वरिष्ठता के आधार पर रोटेशन	
	1) गेशे डकपा कलज़ांग एसोसिएट प्रोफेसर, के.बौ.वि.सं.	सदस्य
	2) खनपो कोनचोग थुबस्तन एसोसिएट प्रोफेसर, के.बौ.वि.सं.	सदस्य

क्र.सं.	नाम और पता	पद
10–13.	सोसायटी के चार नामांकित व्यक्ति (पदेन)	
	1) सुश्री अमिता प्रसाद सरभाई संयुक्त सचिव, एम.ओ.सी. (बी.टी.आई.)	सदस्य (पदेन)
	2) श्री नीरज कुमार निदेशक, (बी.टी.आई.) एम.ओ.सी.	सदस्य (पदेन)
	3) श्री थुबस्तन छ़ेवांग अध्यक्ष, लद्दाख बौद्ध संघ, लेह	सदस्य
	4) भिक्षु छ़ेरिगं वङदुस अध्यक्ष, लद्दाख गोनपा संघ, लेह	सदस्य
14.	सहायक प्रोफेसर श्रेणी के एक शिक्षक रोटेशन पर गेशे लोबज़ांग वांगछुक, असिस्टेन्ट प्रोफेसर	--
15.	रजिस्ट्रार/ए.ओ. केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह	सचिव (पदेन)

शिक्षा समिति की संरचना

क्र.सं.	नाम और पता	पद
1.	प्रो. राजेश रंजन, कुलपति के.बौ.वि.सं., लेह	अध्यक्ष
संकायों के डीन		
2)	गेशे डकपा कलज़ङ विभागध्यक्ष, अध्यात्म तथा न्यायविद्या विभाग	सदस्य
3)	खनपो कोनछोग थुबस्तन, विभागध्यक्ष, शब्दविद्या विभाग	सदस्य
4)	डॉ. एस.के. गौतम असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सदस्य
5)	डॉ. ठिनले यंगजोर विभागध्यक्ष, सोवा रिगपा एवं ज्योतिष विभाग	सदस्य
विभागों के अध्यक्ष		
6)	गेशे डकपा कलज़ङ, भोट बौद्ध दर्शन विभाग	सदस्य
7)	गेशे डकपा कलज़ङ प्रभारी, भोट बौद्ध दर्शन विभाग (संस्कृत माध्यम)	सदस्य
8)	गेशे लोबज़ांग छुलठिम, ञींगमा सम्प्रदाय विभाग	सदस्य
9)	खनपो लोबज़ांग छुलठीम बुटिया, काग्युद सम्प्रदाय विभाग	सदस्य
10)	खनपो जमयांग कुनजांग, सक्या सम्प्रदाय विभाग	सदस्य
11)	गेशे लोबज़ांग छुलठिम, गेलुग सम्प्रदाय विभाग	सदस्य
शब्दविद्या संकाय		
12)	खनपो कोनचोग थुबस्तन, भोटी साहित्य विभाग	सदस्य
13)	डॉ. राहुल मिश्र, प्रभारी संस्कृत विभाग	सदस्य
14)	डॉ. राहुल मिश्र, प्रभारी पाली विभाग	सदस्य
15)	डॉ. डी.के. पटनायक, अंग्रेजी विभाग	सदस्य
16)	डॉ. राहुल मिश्र, प्रभारी हिंदी विभाग	सदस्य

क्र.सं.	नाम और पता	पद
सोवा रिगपा और शिल्प विद्या		
17)	डॉ. ठिनले यांगजोर, सोवा रिगपा विभाग	सदस्य
18)	श्री छ़ेरिंग दोरजे, थंका चित्र–कला विभाग	सदस्य
19)	भिक्षु कोनचोग थबडोल, हिमालय मूर्ति–कला विभाग	सदस्य
20)	श्री कोनचोक छोसफेल, हिमालय काष्ठ–कला विभाग	सदस्य
21)	डॉ. कोनचोग छ़ेरिंग, ज्योतिष और खगोल विज्ञान विभाग	सदस्य
आधुनिक विद्या संकाय		
22)	खनपो शेडुब कोनचोग, बौद्ध पौरणिक इतिहास	सदस्य
23)	डॉ. विपिन कुमार पांडे, तुलनात्मक दर्शन विभाग	सदस्य
24)	डॉ. एस.के. गौतम, इतिहास विभाग	सदस्य
25)	डॉ. एस.के. गौतम, प्रभारी, राजनीति विज्ञान	सदस्य
26)	डॉ. एस.के. गौतम, प्रभारी, अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
27–30)	विभागाध्यक्ष के अलावा सभी प्रोफेसर वरिष्ठता के आधार पर रोटेशन पर प्रोफेसर पद रिक्त हैं।	सदस्य
31–32)	विभागाध्यक्ष के अलावा दो एसोसिएट प्रोफेसर वरिष्ठता के आधार पर रोटेशन पर	
	1. गेशे डगपा कलज़ांग	सदस्य
	2. खनपो कोनचोग थुबस्तन	सदस्य
33–34)	विभाग के दो सा–आचार्य वरिष्ठता के आधार पर	
	1. गेशे लोबज़ांग वांगछुग	सदस्य
	2. खनपो कोनछोग थबडोल	सदस्य
35–37)	तीन प्रतिष्ठित शिक्षाविद जो संस्थान की सेवा में नहीं हैं	
	1. प्रो. बिमलेंद्र कुमार, बी.एच.यू.	सदस्य
	2. प्रो. धर्मचंद जैन, जयपुर	सदस्य
	3. प्रो. एस.के. दास, शांतिनिकेतन	सदस्य

क्र.सं.	नाम और पता	पद
38–40)	तीन व्यक्ति जो शिक्षण स्टाफ के सदस्य नहीं है, अपने विशिष्ट ज्ञान के लिए अकादमिक परिषद द्वारा सहयोजित हैं।	
	1. भिक्षु संघसेन, निदेशक, एम.आई.एम.सी., लेह	सदस्य
	2. डॉ. कोनछोग रिगज़िन, अनुसंधान अधिकारी	सदस्य
	3. डॉ. पी.के. दास, नव नालंदा महाविहार	सदस्य
40.	रजिस्ट्रार/ए.ओ. डॉ. कोनछोग रिगज़िन, प्रशासनिक अधिकारी	सचिव

वित्त समिति की संरचना

क्र.सं.	*नाम और पता*	*पद*
1.	प्रो. राजेश रंजन, कुलपति	अध्यक्ष
2.	संस्थान की सोसायटी द्वारा नामित किए जाने वाले व्यक्ति श्री हरीश कुमार, निदेशक (वित्त) एम.ओ.सी.	सदस्य
3.	प्रबंधन समिति के दो नामिती सदस्य एक बोर्ड का सदस्य होगा	
	1. प्रो. वांगछुक दोर्जे नेही कुलपति, के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ, वाराणसी, उ.प्र.	सदस्य
	2. श्री छ़ेवांग दोर्जे प्रभारी, लेखाधिकारी, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख	सदस्य
4.	केंद्र सरकार का एक प्रतिनिधि श्री नीरज कुमार निदेशक (बी.टी.आई. अनुभाग), एम.ओ.सी.	सदस्य
5.	संस्थान के वित अधिकारी (वर्तमान में डॉ. कोनछोक रिगज़िन, प्रशासनिक अधिकारी द्वारा कार्यभार संभाला जा रहा है)	सचिव

प्रकाशन समिति की संरचना

क्र.सं.	*नाम और पता*	पद
1.	कुलपति / निदेशक	अध्यक्ष
2.	डॉ. पेमा तेनज़िन प्रकाशन अधिकारी, सी.आई.एच.टी.एस. सारनाथ, वाराणसी (यू.पी.)	सदस्य
3.	प्रो. जमयांग ग्यालछ़न मुख्य संपादक, विश्वकोश हिमालयी बौद्ध संस्कृति, कें.बौ.वि.सं. लेह	सदस्य
4.	श्री छुलठीम ग्याछ़ो (सेवानिवृत्त) टशी थोंगमोन, चोगलमसर, लेह	सदस्य
5.	प्रशासनिक अधिकारी कें.बौ.वि.सं., लेह	सदस्य
6.	डॉ. कोनचोक रिगज़िन अनुसंधान अधिकारी, के.बौ.वि.सं., लेह	सदस्य सचिव

पुस्तकालय समिति की संरचना

क्र.सं.	*नाम और पता*	*पद*
1.	कुलपति / निदेशक	अध्यक्ष
2.	पुस्तकालयाध्यक्ष जिला पुस्तकालय, लेह	सदस्य
3.	डॉ. टशी समफेल निदेशक स्नोङचन पुस्तकालय पी.ओ. कुलान, देहरादून	सदस्य
4.	भिक्षु लगदोर निदेशक तिब्बती पुस्तकालय एवं अभिलेख धर्मशाला (हि.प्र.)	सदस्य
5.	पुस्तकालय एवं सूचनाधिकारी केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, लेह	सदस्य–सचिव

शोध समिति की संरचना

क्र.सं.	*नाम और पता*	*पद*
1.	कुलपति / निदेशक	अध्यक्ष
2.	प्रो. राम नंदन सिंह बौद्ध अध्ययन विभाग जम्मू विश्वविद्यालय	सदस्य
3.	डॉ. ग्युरमेद दोरजे निदेशक सी.आई.एच.सी.एस. दाहुंग, अरुणाचल प्रदेश	सदस्य
4.	प्रो. लोबज़ांग छ्वांग (सेवानिवृत्त) शे गांव, लेह, लद्दाख	सदस्य
5.	डॉ. कोनचोक रिगज़िन अनुसंधान अधिकारी के.बौ.वि.सं., लेह	सदस्य सचिव

परिशिष्ट

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन स्तर	स्वीकृत पद
क) शैक्षणिक पद			
1.	निदेशक	14	01
2.	प्रोफेसर / आचार्य	13ए	04
3.	उपाचार्य	12	09
4.	प्राध्यापक	10	23
5.	प्रशिक्षक, शिल्पकला	10	01
6.	प्रशिक्षित, स्नातक	07	12
7.	प्रशिक्षक, काष्ठकला	05	01
8.	अध्यापक, गो.वि.	05	100
ख. प्रशासनिक पद			
1.	प्रशासनिक अधिकारी	11	1
2.	अति.प्र. अधिकारी	11	1
3.	अधीक्षक	06	1
4.	लेखाकार	06	1
5.	मेडिकल सुपरवाईज़र	06	1
6.	निजी सहायक	06	1
7.	मुख्य सहायक	06	1
8.	आशुलिपिक	05	1
9.	कार्यालय सहायक	04	4
10.	रोकड़िया	04	1
11.	भण्डारक	04	1
12.	एल.डी.सी.	02	1
13.	पम्प चालक	04	1

क्र.सं.	पद का नाम	वेतन स्तर	स्वीकृत पद
14	गाड़ी चालक	04	2
15.	केयर टेकर	04	1
16	गार्ड कमांडर	02	1
17.	वरिष्ठ चौकीदार	01	1
18.	चौकीदार	01	4
19.	जमादार	01	1
20.	चपरासी	01	6
21.	छात्रावास रसोईया	01	4
22.	छात्रावास बैरा	01	1
23.	कैन्टीन बैरा	01	1
24.	माली	01	1
25.	सफाई कर्मचारी	01	3
ग. पुस्तकालय कर्मचारी			
26.	पुस्तकालय एवं सूचनाधिकारी	10	1
27.	सहायक सम्पादक/सह सूचीकार	06	1
28.	पुस्तकालय सूचना सहायक	06	1
घ. शोध एकांश			
29.	शोधाधिकारी	10	1
30.	अनुवादक	07	1

केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान (सम विश्वविद्यालय) लेह के 2022–2023 सत्र के अन्तर्गत क. सेमेस्टर I, III, V और वार्षिक परीक्षाओं के परिणाम का विवरण

कक्षा	छात्र संख्या	परीक्षा में प्रवेश	परीक्षा में उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
क. विश्वविद्यालय कक्षाएँ				
1. शास्त्री–प्रथम	26	25	24	96
2. शास्त्री–द्वितीय	24	23	22	96
3. शास्त्री–तृतीय	32	32	21	66
4. शास्त्री–तृतीय (निजी)	01	01	01	100
5. शास्त्री–तृतीय (बैक)	01	01	01	100
6. आचार्य–प्रथम	23	23	23	100
7. आचार्य–द्वितीय	18	18	18	100
8. आचार्य–द्वितीय (निजी)	01	01	01	100
9. मूर्तिकला–प्रथम	03	03	03	100
10. चित्रकला–प्रथम	06	06	06	100
11 मूर्तिकला–द्वितीय	01	01	01	100
12. चित्रकला–द्वितीय	02	02	02	100
13. मूर्तिकला–तृतीय	01	01	01	100
14. चित्रकला–तृतीय	01	01	01	100
15. मूर्तिकला–चतुर्थ	03	03	03	100
16. चित्रकला–चतुर्थ	03	03	03	100
17. काष्ठकला–चतुर्थ	02	02	02	100
18. मूर्तिकला–पंचम	01	01	01	100
19. चित्रकला–पंचम	03	03	03	100
20. मूर्तिकला–छः	01	01	01	100
21. चित्रकला–छः	01	01	01	100
22. सोवा रिगपा–अंतिम	05	05	05	100
कुल	**158**	**156**	**143**	**92**

कक्षा	छात्र संख्या	परीक्षा में प्रवेश	परीक्षा में उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
ख. सेमेस्टर II, IV और VI परीक्षाओं के परिणाम का विवरण :				
1. शास्त्री–प्रथम	25	25	24	96
2. शास्त्री–द्वितीय	23	22	22	100
3. शास्त्री–तृतीय	32	32	22	69
4. शास्त्री–तृतीय (निजी)	1	1	0	0
5. शास्त्री–तृतीय (बैक)	1	1	0	0
6. आचाय–प्रथम	22	22	22	100
7. आचार्य–द्वितीय	18	18	18	100
8. आचार्य–द्वितीय (निजी)	1	1	1	100
9 मूर्तिकला–प्रथम	02	02	02	100
10. चित्रकला–प्रथम	06	06	06	100
11. मूर्तिकला–द्वितीय	01	01	01	100
12. चित्रकला–द्वितीय	02	02	02	100
13. मूर्तिकला–तृतीय	01	01	01	100
14. चित्रकला–तृतीय	01	01	01	100
15. काष्ठकला–चतुर्थ	01	01	01	100
16. मूर्तिकला–चतुर्थ	03	03	03	100
17. चित्रकला–चतुर्थ	03	03	03	100
18. मूर्तिकला–पंचम	01	01	01	100
19. मूर्तिकला–पंचम–पुराना पैटर्न	01	01	01	100
20. चित्रकला–पंचम	03	03	03	100
21. मूर्तिकला–छः	01	01	01	100
22. चित्रकला–छः	01	01	01	100
23 सोवा–रिगपा–प्रथम	10	10	06	60
24 सोवा–रिगपा–द्वितीय	06	06	04	67
25 सोवा–रिगपा–तृतीय	15	15	06	40
कुल	**181**	**180**	**152**	**84**

	कक्षा	छात्र संख्या	परीक्षा में प्रवेश	परीक्षा में उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
ग.	**के.बौ.वि.सं. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय**				
1.	छठी	32	32	23	71
2.	सातवीं	35	35	18	51
3.	आठवीं	52	52	29	55
4.	पूर्वमध्यमा प्रथम	94	94	61	67
5.	पूर्वमध्यमा द्वितीय	44	44	34	77
6	उत्तरमध्यमा प्रथम	65	65	48	74
7.	उत्तरमध्यमा द्वितीय	36	36	22	61
	कुल	**358**	**351**	**235**	**67**

गोनपा/श्रामणेरी विद्यालयों के 2022–2023 सत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों के विद्यालयवार एवं कक्षावार नामांकन का विवरण

क्र.सं.	गोनपा/श्रामणेरी विद्यालय का नाम	कक्षावार कुल नामांकन								कुल योग	शैक्षणिक पद
		प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	छठी	सतवीं	आठवी		
1.	हेमीस गोनपा विद्यालय हेमीस, लेह	05	—	07	05	11	09	11	15	63	5
2.	शचुकुल गोनपा विद्यालय शचुकुल, चंगथंग, लेह	03	01	03	02	04	05	04	—	22	3
3.	चेमडे गोनपा विद्यालय-- चेमडे, लेह	03	05	03	06	03	—	—	—	20	2
4.	अनले गोनपा विद्यालय अनले, लेह	—	03	04	02	03	—	—	—	12	2
5.	कर्मा डूपग्युद छोसलिंग गोनपा विद्यालय, चोगलमसर	—	—	03	—	02	—	—	—	05	1
6.	लीकीर गोनपा विद्यालय लीकीर, लेह	01	—	07	03	02	—	—	—	13	2
7.	ठीकसे गोनपा विद्यालय ठीकसे, लेह	—	02	—	—	04	—	—	—	06	1
8.	सामस्तानलींग गोनपा विद्यालय, सामस्तानलींग नूबरा, लेह	05	04	03	—	03	—	—	—	15	2
9.	स्पीतुग गोनपा विद्यालय स्पीतुग, लेह	11	08	05	06	05	—	—	—	35	3
10.	फ्यांग गोनपा विद्यालय फ्यांग, लेह	02	—	01	05	04	—	—	—	12	1
11.	ग्युदजिन तान्त्रिक गोनपा विद्यालय, फे, लेह	02	04	—	—	03	—	—	—	09	1
12.	मठो गोनपा विद्यालय मठो, लेह	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
13.	हनुथंग गोनपा विद्यालय, लेह	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—

क्र.सं.	गोनपा/श्रामणेरी विद्यालय का नाम	कक्षावार कुल नामांकन								कुल योग	कुल शैक्षणिक पद
		प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	छठी	सतवीं	आठवी		
14.	स्तगना गोनपा विद्यालय स्तगना, लेह	03	03	03	—	05	—	—	—	14	2
15.	स्क्युरबुचन गोनपा विद्यालय, खलचे़, लेह	—	—	—	02	05	—	—	—	07	1
16.	न्योमा गोनपा विद्यालय चंगथंग, लेह	03	01	01	—	—	—	—	—	05	1
17.	छुशुल गोनपा विद्यालय चंगथंग, लेह	02	01	03	04	06	—	—	—	16	2
18.	रिज़ोंग गोनपा विद्यालय रिज़ोंग, लेह	02	04	02	—	02	—	—	—	10	1
19.	देस्कीद गोनपा विद्यालय देस्कीद, नूबरा, लेह	01	02	02	03	—	—	—	—	08	1
20.	यरमा गोनबो गोनपा विद्यालय, नुबरा, लेह	01	08	03	—	01	—	—	—	13	1
21.	बरदन गोनपा विद्यालय बरदन, जंस्कार, कारगील	09	—	01	01	01	—	—	—	12	1
22.	कोरज़ोग गोनपा विद्यालय चंगथंग, लेह	02	05	05	01	01	—	—	—	14	2
23.	कारशा गोनपा विद्यालय कारशा, जंस्कार, कारगील	09	06	03	—	01	—	—	—	19	2
24.	लामायुरू गोनपा विद्यालय लामायुरू, लेह	07	03	05	03	01	—	—	—	19	3
25.	फूगथल गोनपा विद्यालय फूगथल, जंस्कार, कारगील	10	—	—	—	—	01	05	11	27	3
26.	रंगदुम गोनपा विद्यालय जंस्कार, कारगील	03	03	02	02	01	—	—	—	11	1
27.	मुने गोनपा विद्यालय जंस्कार, कारगील	—	02	03	02	04	—	—	—	11	1
28.	जोंगखुल गोनपा विद्यालय जंस्कार, कारगील	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—

क्र.सं.	गोनपा/श्रामणेरी विद्यालय का नाम	कक्षावार कुल नामांकन								कुल योग	शैक्षणिक पद
		प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	छठी	सतवीं	आठवी		
	श्रामणेरी/ननरी विद्यालय										
29.	स्तोंगदे गोनपा विद्यालय जंस्कार, कारगील	02	05	—	—	—	—	—	—	07	1
30.	स्तगरिमो गोनपा विद्यालय जंस्कार, कारगील	17	15	21	17	16	—	—	—	86	5
31.	पलदार गोनपा विद्यालय पलदार	—	—	10	05	10	—	—	—	25	2
32.	की गोनपा विद्यालय कजा, स्पीती, हि.प्र.	03	06	02	02	06	—	—	—	19	2
33.	तनग्युद गोनपा विद्यालय कज़ा, स्पिती, हि.प्र.	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
34.	नालंदा गोनपा, सबु थंग	—	05	—	04	05	—	—	—	14	2
35.	उर्ग्यज्ञान संङग छोलिङ गोनपा विद्यालय कुंगरि स्पीती, हि.प्र.	38	32	15	21	09	—	—	—	115	1
36.	तिमोस्गंग श्रामणेरी विद्यालय तिमोस्गंग, लद्दाख	01	—	03	01	03	—	—	—	08	1
37.	स्किदमंगश्रामणेरी विद्यालय स्कितमांग, लद्दाख	02	04	01	03	01	—	—	—	11	1
38.	चुलीचन श्रामणेरी विद्यालय चुलीचान, लेह	01	—	01	ल	01	—	—	—	04	1
39.	बौद्धखरबु श्रामणेरी विद्यालय बौद्धखरबु, करगील	—	—	—	01	02	—	—	—	03	1
40.	वाखा श्रामणेरी विद्यालय वाखा, कारगील	02	—	02	01	—	—	—	—	05	1
41.	शारगोल श्रामणेरी विद्यालय शारगोल, कारगील	04	—	—	01	—	—	—	—	05	1
42.	ज़ंगला श्रामणेरी विद्यालय ज़ंगला, जंस्कार, कारगील	03	05	01	06	05	—	—	—	20	2
43.	करशा श्रामणेरी विद्यालय जंस्कार कारगील	06	01	—	—	—	—	—	—	07	1

क्र.सं.	गोनपा/श्रामणेरी विद्यालय का नाम	कक्षावार कुल नामांकन									कुल शैक्षणिक पद
		प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	छठी	सतवीं	आठवी	योग	
		श्रामणेरी/ननरी विद्यालय									
44.	टशी छोसलिंग श्रामणेरी विद्यालय, हि.प्र.	01	02	—	—	—	—	—	—	03	1
45.	सक्या श्रामणेरी विद्यालय चोगलमसर, लेह	02	—	01	—	03	—	—	—	06	1
46.	यङ्चेन् छोसलिङ् श्रामणेरी विद्यालय, स्पीती, हि.प्र.	—	05	05	—	—	—	—	—	10	1
47.	तुङरि श्रामणेरी विद्यालय जंस्कार, कारगील	02	03	—	03	—	—	—	—	08	1
48.	दोर्गे ज़ोङ् श्रामणेरी विद्यालय, जंस्कार, कारगील	06	06	05	03	01	—	—	—	21	2
49.	फगमो लिङ् श्रामणेरी विद्यालय, जंस्कार, कारगील	14	01	02	03	04	—	—	—	24	2
50	देछेन छोलिङ् श्रामणेरी विद्यालय, हि.प्र.	06	05	—	04	—	—	—	—	15	2
	कुल योग	**193**	**162**	**144**	**125**	**138**	**16**	**16**	**25**	**819**	**78**

वर्ष 2022–2023 के परीक्षा का परिणाम (डी.पी.एस., जंस्कार)

कक्षा	छात्र संख्या	उपस्थित	परीक्षा में उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
1. प्रथम	04	04	04	100
2. द्वितीय	03	03	03	100
3. तृतीय	02	02	02	100
4. चतुर्थ	06	06	06	100
5. पांचवीं	10	10	10	100
6. छठी	05	05	05	100
7. सातवीं	01	01	01	100
8. आठवीं	06	06	06	100
9. नौवीं	03	03	03	100
10. दसवीं	–	–	–	100
कुल	**40**	**40**	**40**	**100**

डी.पी.एस., जंस्कार की कर्मचारी संख्या

पदनाम	ग्रेड में	स्वीकृत पद
क) शैक्षणिक कर्मचारी		
1. प्रधानाध्यापक	वेतन स्तर–9	1
2. टी.जी.टी.	वेतन स्तर–7	7
3. प्राथमिक अध्यापक	वेतन स्तर–5	5
4. शारीरिक शिक्षा अध्यापक (अनुबन्ध पर)	44,900.00 (नियत)	1
5. कंप्यूटर प्रशिक्षक (अनुबन्ध पर)	44,900.00 (नियत)	1
ख) गैर शैक्षणिक कर्मचारी		
1. कार्यालय सहायक (अनुबन्ध पर)	25,000.00 (नियत)	1
2. रसोइया	वेतन स्तर–1	1
3. चपरासी सह चोकीदार	वेतन स्तर–1	1
4. गाड़ी चालक (संविदा)	19,900.00 (नियत)	1
5. माली (संविदा)	18,000.00 (नियत)	1
6. सफाई कर्मचारी	वेतन स्तर–1	1
7. चौकीदार (संविदा)	18,000.00 (नियत)	1
8. छात्रावास रसोईया (संविदा)	19,900.00 (नियत)	1

बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, मंडोगुलु के वर्ष 2022–2023 की परीक्षा का परिणाम

कक्षा	छात्र संख्या	उपस्थित	परीक्षा में उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
प्रथम	09	03	03	100
द्वितीय	02	01	01	100
तृतीय	06	06	06	100
चतुर्थ	14	09	09	100
पांचवीं	09	07	07	100
छठी	04	04	04	100
सातवीं	06	06	06	100
आठवीं	06	06	06	100
नवीं	06	06	06	50
कुल	**62**	**48**	**48**	**100**

बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय, मंडोगुलु की कर्मचारी संख्या

पदनाम	*वेतनमान*	*स्वीकृत पद*
	शैक्षिक कर्मचारी	
प्रधानाध्यापक	वेतन स्तर–8	1
टी.जी.टी.	वेतन स्तर–7	8
शारीरिक शिक्षा अध्यापक	वेतन स्तर–7	1
	गैर शैक्षिक कर्मचारी	
कार्यालय सहायक	वेतन स्तर–4	1
चपरासी	वेतन स्तर–3	3

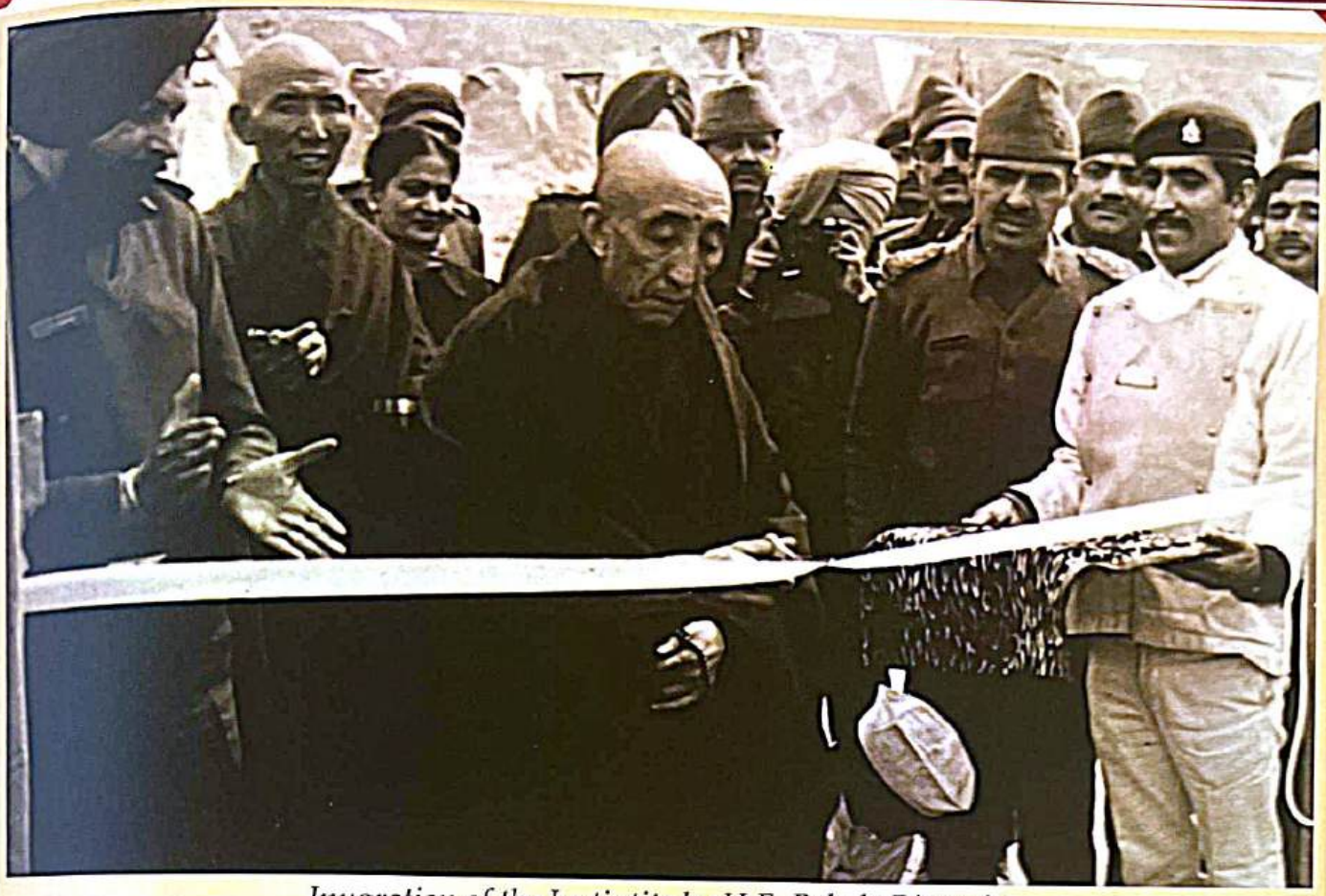

Inugration of the Instiutite by H.E. Bakula Rinpoche

Celebration of 63rd Foundation Day of the Institute

Celebration of Constitution Day in the Institute

A three day 5th All Ladakh College Students Conference

A Special Lecture on the topic "Contribution of Jain Acharayas and Scriptures in the Promotion of Buddhist Literature"

Debate Presentation by the Students of the Institute during the 63rd Foundation Day

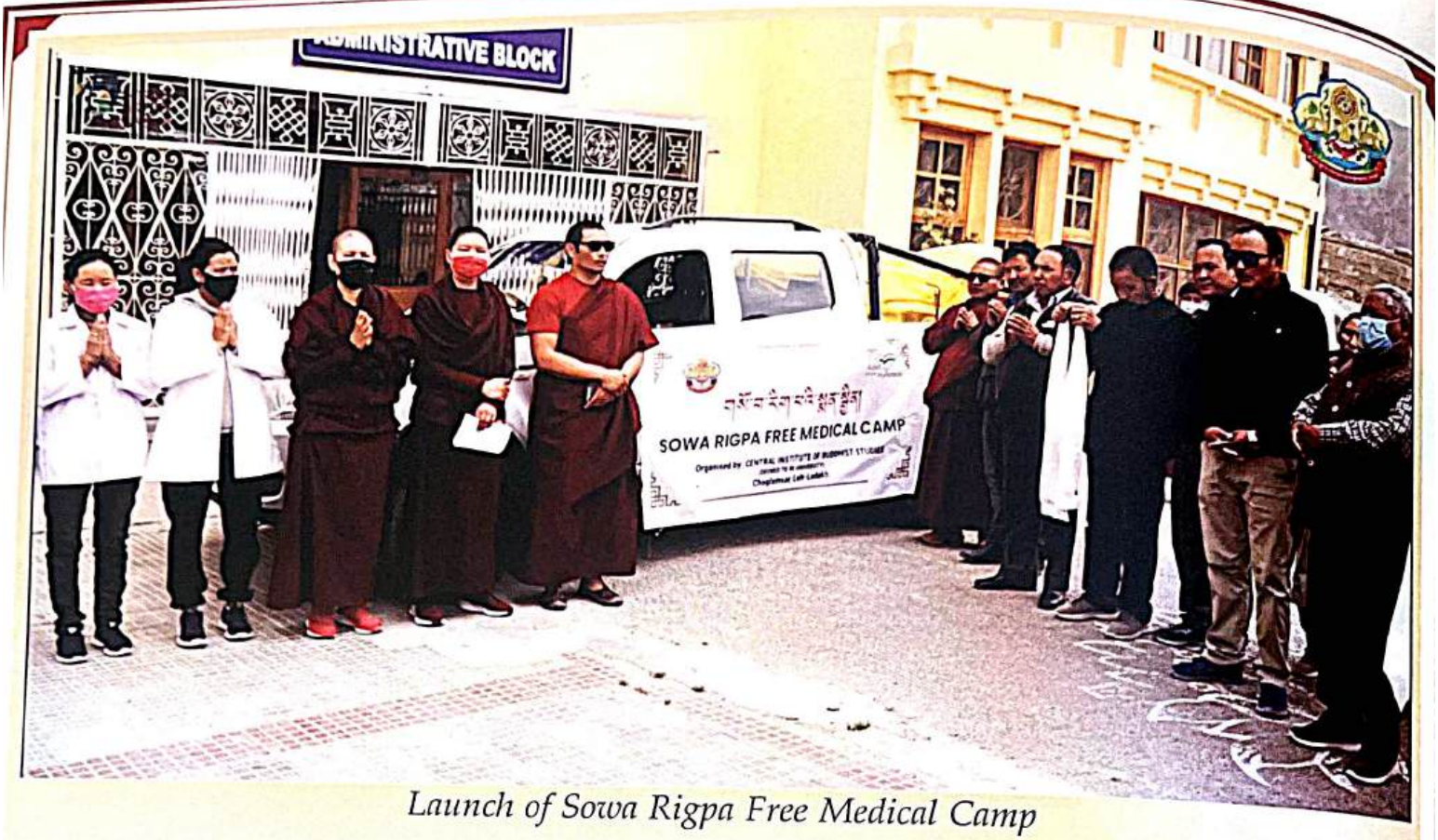

Launch of Sowa Rigpa Free Medical Camp

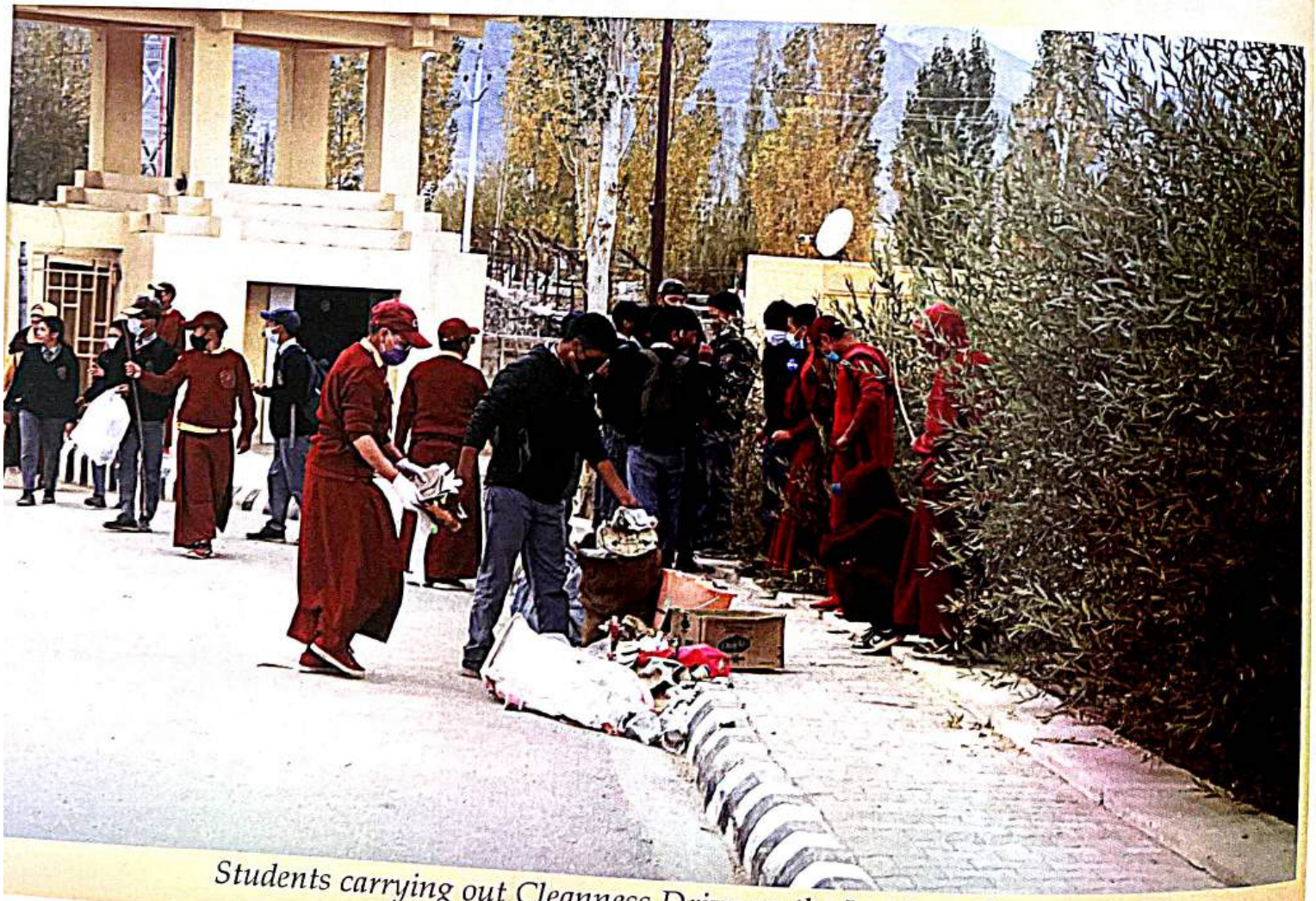

Students carrying out Cleanness Drive on the Institute Campus

Three Day National Seminar on the topic "Ladakh: History, Culture and Tradition"

Celebration of Hindi Diwas, 2022

An Eight-Day Non-Hindi-Speaking New Writers'Camp in June, 2022

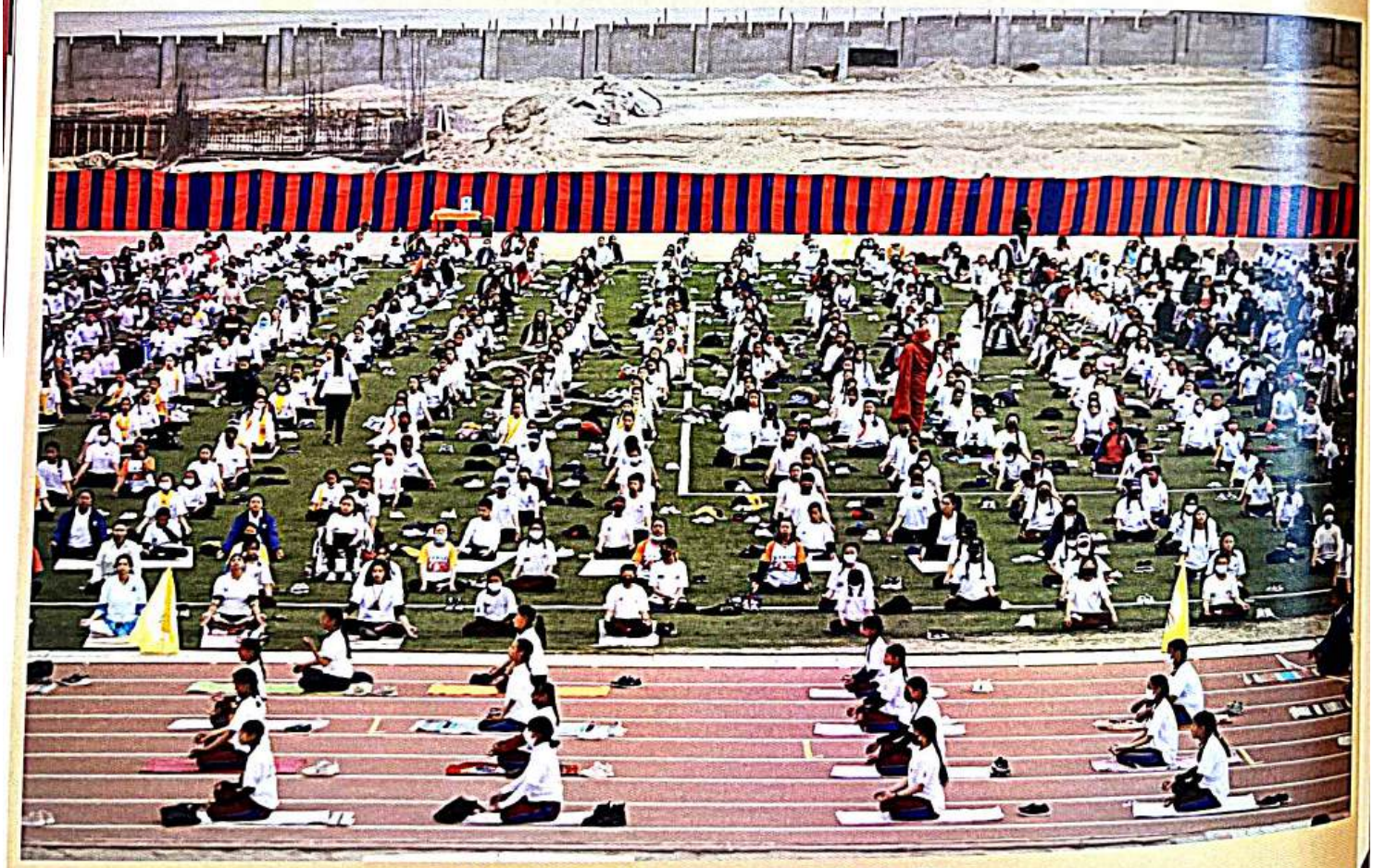

Celebration of International Day of Yoga

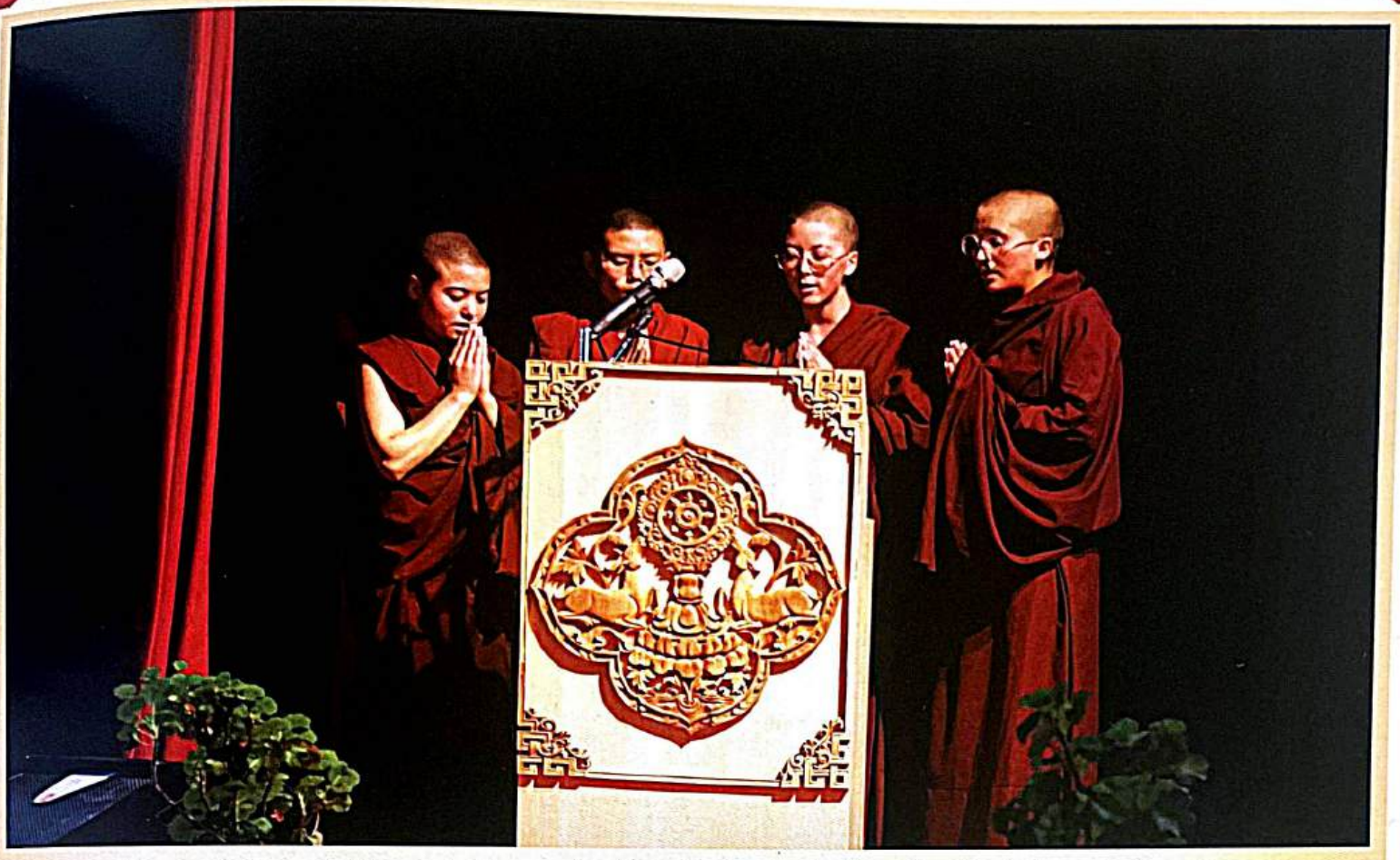

Presentation of Mangalacharan by the Students during the 63rd Foundation Day

Some Artifacts in the Museum of the Institute

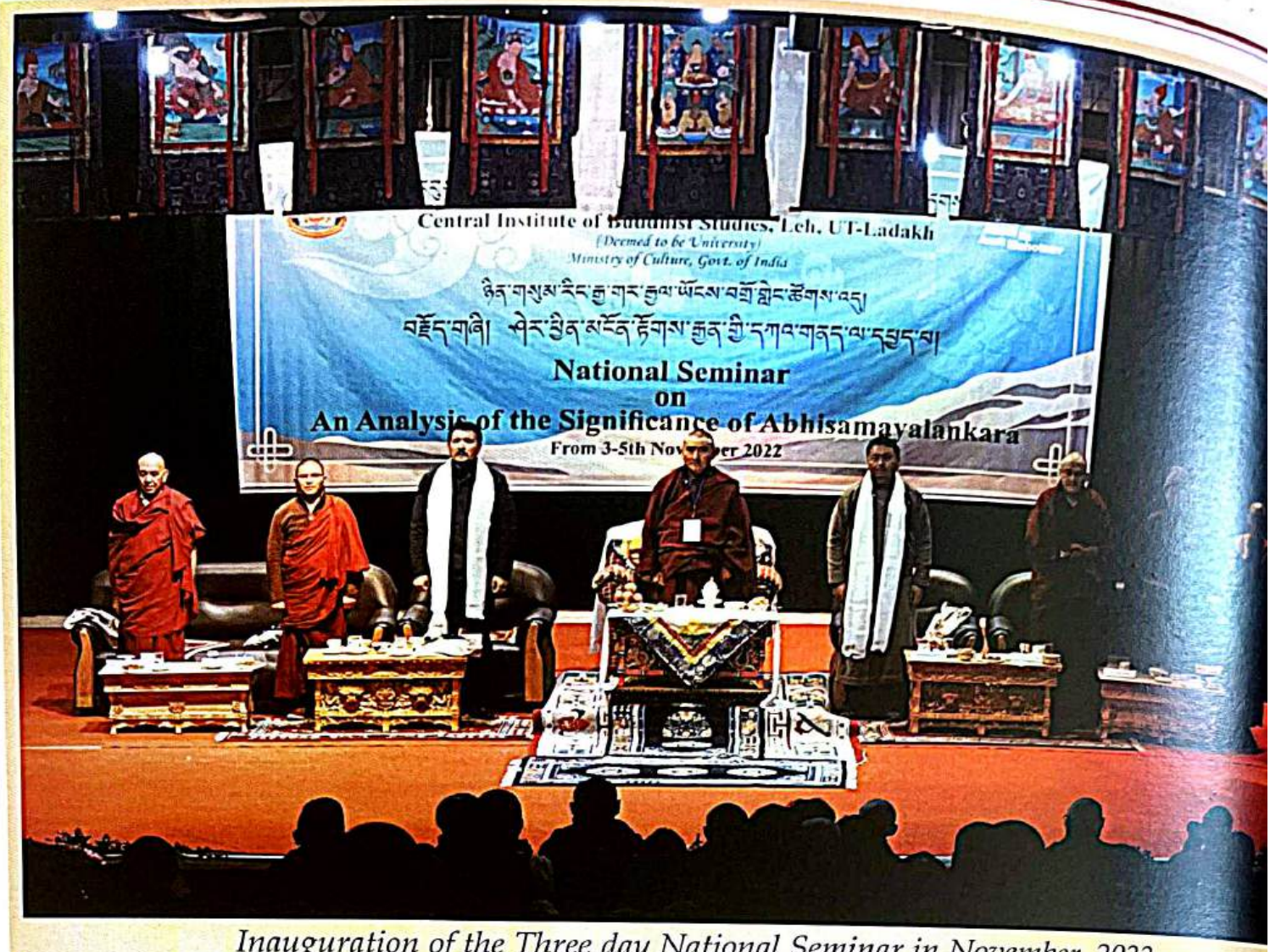

Inauguration of the Three day National Seminar in November, 2022

A Group Photo during the National Seminar

Chief Guest of the National Seminar in November, 2022

Celebration of Parents' Day of Senior Secondary School, CIBS

Conferred the cetificate during Parents' Day Celebration of Senior Secondary School, CIBS

Reception of the Chief Guest of the 63rd Foundation Day in October, 2022

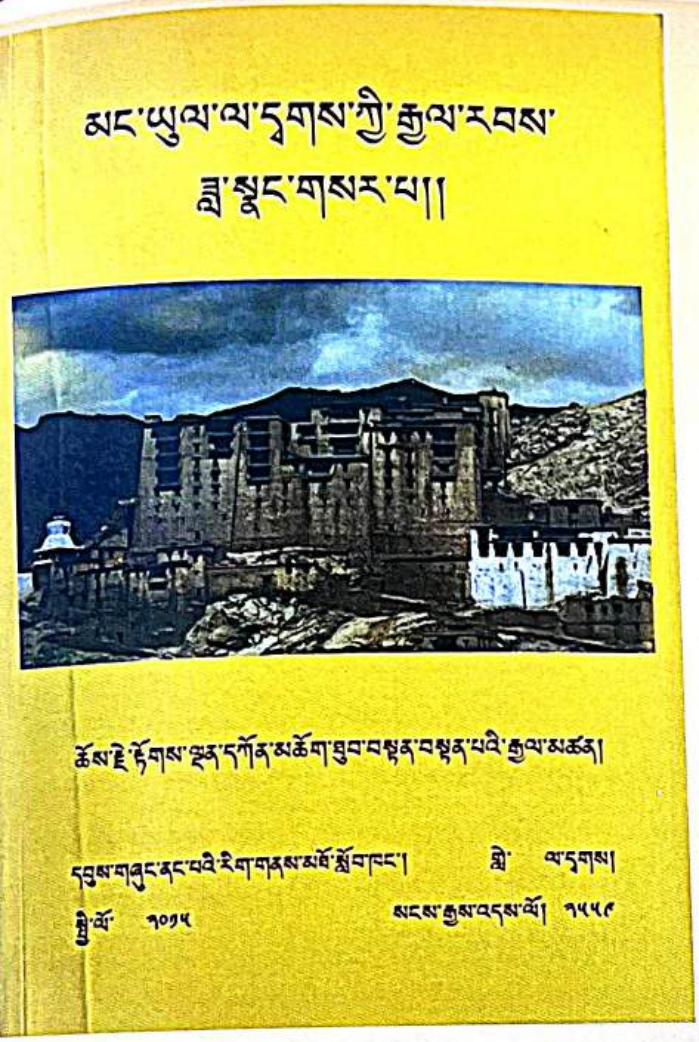

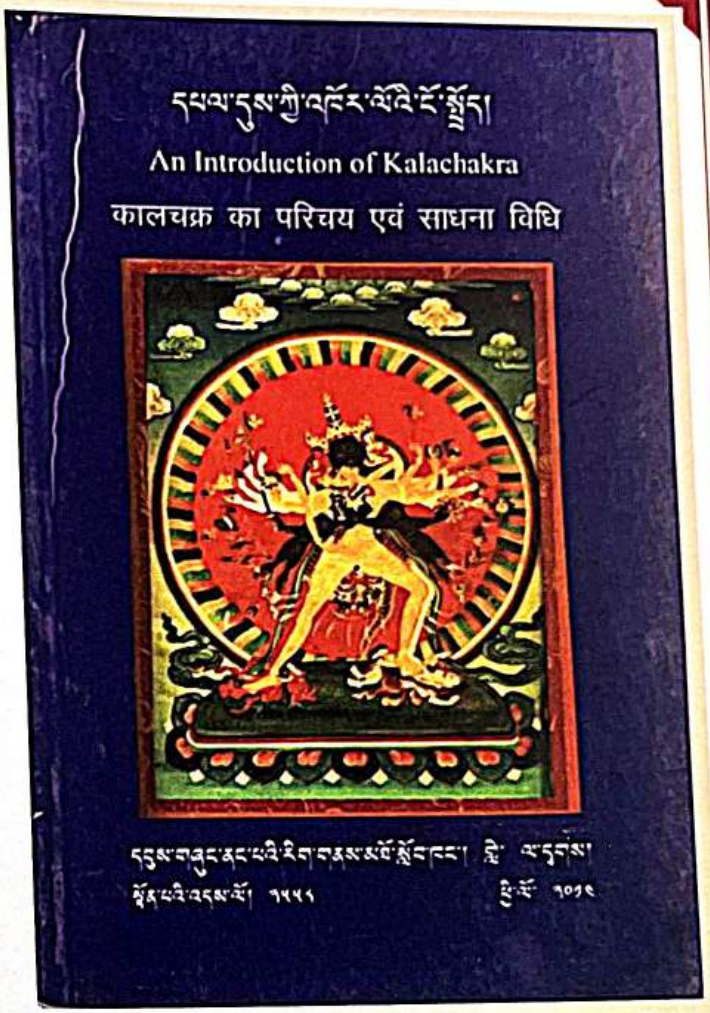

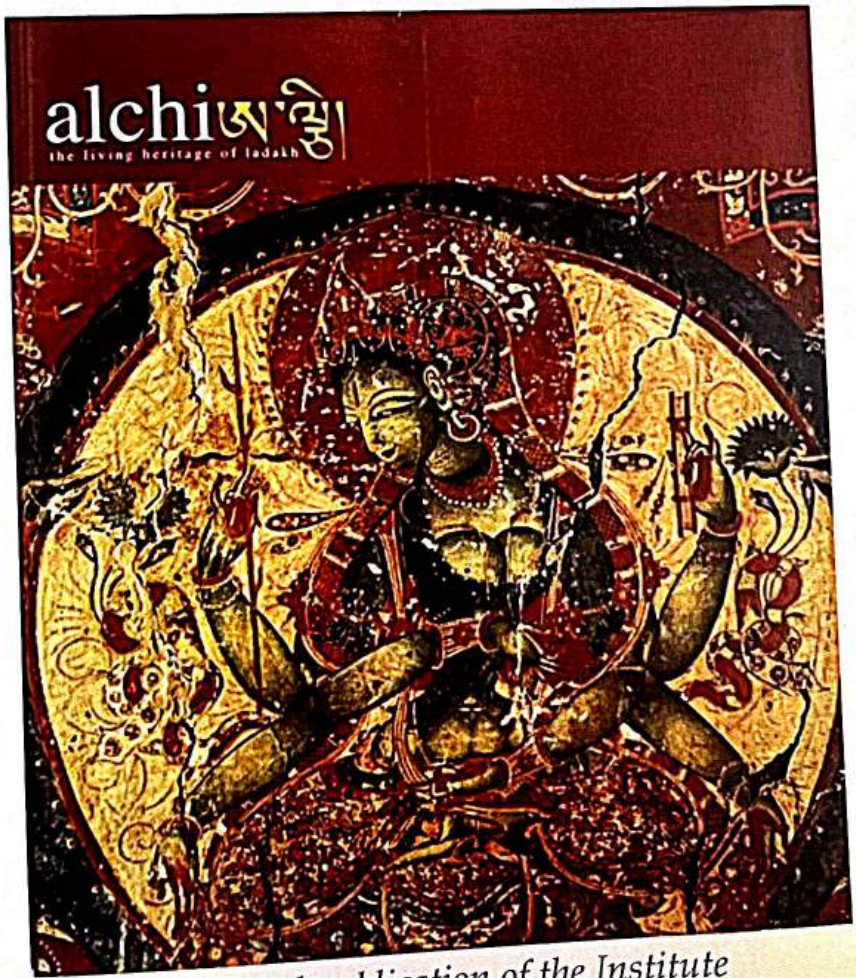

Selected publication of the Institute

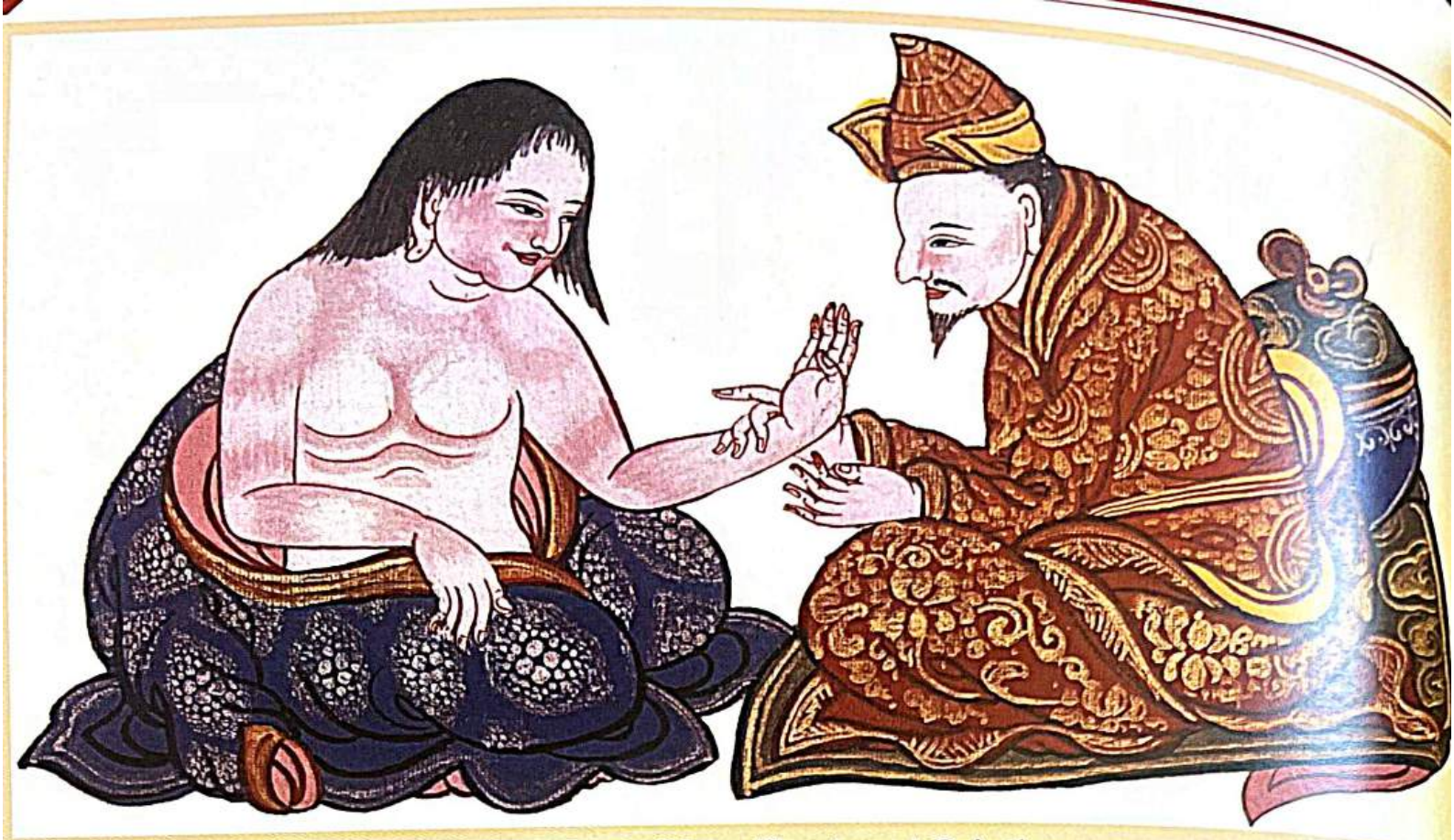

A Sowa Rigpa Treatment Painting

A Sowa Rigpa Physician checks up a Patient

Central Institute of Buddhist Studies

(Deemed to be University)
Accredited by NAAC with 'A' Grade

ANNUAL REPORT 2022-2023

Choglamsar, Leh (Union Territory of Ladakh)

CONTENTS

S.No.	Contents	Page No.
1.	Brief History	59
2.	Objectives	60
3.	Society	61
4.	Management	61
5.	Funds	62
6.	Staff Strength	62
7.	Faculties and Departments	63
8.	Admission	65
9.	Seminar/Symposium/Workshop	65
10.	Special Lecture/Other Academic Activities	67
11.	Medical Facilities	67
12.	Students' Exchange Programme	67
13.	New Executive Committee of SWC	67
14.	Educational Tour	69
15.	Publication	69
16.	Research	69
17.	Campus	70
18.	Library	70
19.	Museum	71
20.	Syllabi	71
21.	Stipend to Students	72
22.	Free distribution of text books and note books to students	72
23.	Examination Result	72
24.	Gonpa/Nunnery School	72
25.	Foundation Day Celebration	73
26.	Other Important Events	73
27.	Project for the Compilation of Encyclopaedia of Himalayan Buddhist Culture	75
28.	Manuscripts Resource Centre	76

29. Placement of Students after obtaining their degrees and diplomas 76
30. Revision and Editing of Text Books 77
31. Duzin Photang School, Zanskar 77
32. Bauddha Darshan Sanskrit Vidyalaya, Mandoglu (H.P.) 78
33. Annexure
i) Composition of the Society 80
ii) Composition of Board of Management 81
iii) Composition of Academic Council 82
iv) Composition of Finance Committee 85
v) Composition of Publication Committee 86
vi) Composition of Library Committee 87
vii) Composition of Research Committee 88
viii) Staff Strength of CIBS 89
ix) Examination Result of CIBS 91
x) School-wise and Class-wise enrolment of Gonpa/Nunnery Schools 94
xi) Examination Result of DPS, Zanskar 98
xii) Staff strength of DPS, Zanskar96 99
xiii) Examination Result of BDSV, Mondoglu, H.P. 100
xiv) The Staff Strength of BDSV, Mondoglu, H.P. 100

1. BRIEF HISTORY

Prior to 1959, scholars, novices and monks of Ladakh used to go to Tibet in pursuit of higher monastic Buddhist education and used to study and do research for years in the famous Mahaviharas of Drepung, Sera, Gadan, Tashi Lhunpo, Sakya, Sagnag Chosling, Derge, Dregung etc. This practice abruptly came to an end because of Chinese Cultural Revolution there. Hence, it was held imperative that a Buddhist Institute should be established for formal Buddhist education in this country. Ladakh was chosen the centre for the dissemination of the Buddhist Culture and Philosophy in view of its geophysical suitability and traditional matrix.

Accordingly, the Central Institute of Buddhist Studies was established at Leh with the holy rituals performed by Rev. Ling Rinpoche, the Senior Tutor to H.H. Dalai Lama XIV in the year 1959. In the beginning the Institute was named as "School of Buddhist Philosophy" and ten scholars were granted admission, one each from ten major Gonpas (Monasteries) situated in Ladakh. Two teachers were appointed to instruct the students in Tibetan Literature and Buddhist Philosophy. For three years, these ten Gonpas met the entire expenses of the students and the teachers. From 1959 to 1961, the School was conducted at Leh.

In 1962, at the behest of Ven. Kushok Bakula, Pandit Jawahar Lal Nehru, the first Prime Minister of India, was convinced of the necessity of such an Institution for the Buddhists living in the Himalayas. Thus the Institution was given full accreditation in the matter of finance under the administrative charge of the Ministry of Culture, Govt. of India. It was shifted from Leh to Spituk village about eight kms south of Leh in the same year. In the year 1964 it was registered under the J&K Registration Act VI of 1998 (1941 A.D.) as an Educational Institution. Sanskrit, Hindi, English and Pali languages were further introduced in addition to the teaching of Buddhist Philosophy and Tibetan Literature. Subsequently, in the year 1973, the Institute was affiliated to Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi, U.P., and more courses suitable for the students of the frontier region were introduced.

On 15 January 2016, the Government of India, Ministry of Human Resource Development (Department of Higher Education), at present Ministry of Education, on the recommendation of the University Grants Commission conferred the status of 'Deemed to be University' under Section 3 of the UGC Act 1956 to the Central Institute of Buddhist Studies, Leh (Ladakh), Jammu and Kashmir vide its Notification No. F.9-5/2001-US(A) dated 15th January 2016.

The first Principal of the Institute was a renowned Tibetan Buddhist Scholar Ven. Yeshi Thupstan who worked from 1959 to 1967. Ven. Lochos Rinpoche was appointed as the second Principal of the Institute. Dr. Tashi Paljor worked as the Principal of the Institute from 1979 to 2005. Consequent upon the retirement of Dr. Nawang Tsering from the post of Principal after rendering 5 years of his service

from 2005 to 2010, Dr. Wangchuk Dorjee Negi took over the charge of Principal on 15th June 2010. Subsequently, the Board of Management, CIBS in its meeting held on 19th December 2011 decided to rechristen the post of Principal as Director. After the completion of the tenure of Dr. Wangchok Dorjee Negi on 12th December 2014, Prof.Konchok Wangdu worked as the Director of the Institute. Prof Nawang Samten, Vice Chancellor, Central Institute of Higher Tibetan Institute, Sarnath became the I/C Director of the Institute on 1st January 2021 for sixth months. Thereupon Prof. Baidaynath Labh, Vice Chancellor, Nava Nalanda Mahavihara, Nalanda was entrusted with the additional charge of Director of the Institute till 22nd March 2023. Afterward, Prof. Rajesh Ranjan joined the Institute on 23rd of March 2023 as the first Vice Chancellor of CIBS (Deemed to be University). Since then the institute has been on the path of rapid progress.

2. OBJECTIVES

The objective of the Institute is to sharpen the multi-faceted personality of the students through inculcation of the wisdom of Buddhist philosophy, literature and arts as well as the study of the modern subjects. This has been a unique Institution in the country because of its provision to teach all the aspects of Himalayan Buddhist Culture at one place. The Institute undertakes Under Graduate, Post-Graduate and Doctoral Programmes in Buddhist Philosophical and Cultural Studies, and also establishes and maintains high school and feeder schools. The objectives for which the Institute is established are:

- To develop, manage, supervise and administer the affairs of the educational institute called the Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, earlier known as the School of Buddhist Philosophy.
- To provide higher education leading to excellence and innovations in such branches of knowledge as may be deemed fit primarily at post- graduate and research degree levels fully conforming to the concept of University, namely, University Education Report (1948) and the Report of the Committee on Renovation, Rejuvenation of Higher Education in India (2009) and the Report of the Review Committee for Deemed to be Universities (2009).
- To engage in areas of specialization with proven ability to make distinctive contributions to the objectives of the university education system,i.e., academic engagement clearly distinguishable from programmes of an ordinary nature that leads to conventional degree in arts, science, engineering, medicine, dental studies pharmacy, management etc. routinely offered by conventional institutions.
- To provide high quality teaching and research facilities for the advancement of knowledge and its dissemination through various research programmes undertaken by a substantial number of full time faculty/research scholars (Ph.Ds and Post-Doctorals) in all disciplines available in the institute.
- To provide instructions for various courses of study and research in different

branches of Buddhist Philosophical and Cultural Studies as well as other related studies for the award of the degrees and diplomas.

- To provide facilities for research, publication, restoration and advancement of learning and dissemination of knowledge in the aforementioned area of study and in such other related branches of Buddhist Philosophy, as the Institute may deems fit.
- To co-operate with educational and other institutions in any part of the world having objectives similar to those of the Institute in such manner as may be conducive to their common objectives.
- To invite scholars of Buddhist Philosophy and Cultural Studies from India and other countries for lectures, and to hold seminars, discussions and discourses in Buddhist Philosophy and Culture.
- To do all such things as may be necessary, incidental or conducive to the attainment of all or any of the objectives of the society.

3. SOCIETY

Consequent upon the conferment of Deemed to be University status to the institute, the Memorandum of Association & Rules and Regulations were to be revised as per UGC (Institutions Deemed to be Universities) Regulations as amended from time to time by the UGC. Accordingly, the same is to be revised as per UGC Institutions Deemed to be Universities (Amendments) Regulations 2023. However, the present composition of the "Society of the Central Institute of Buddhist Studies" has been framed in term of UGC (Institutions Deemed to be Universities) Regulations 2016. The composition of the existing Society is placed as Annexure at page 80.

4. MANAGEMENT

Board of Management

The management of the Institute is vested with the Board of Management under the chairpersonship of the Vice Chancellor, CIBS. The members of the Board are the representatives of different Ministries, Departments, Associations, Universities and they also include Buddhist Scholars nominated by the Govt of India, Ministry of Culture. All the members of the Board of Management, other than the ex-officio members and the Vice Chancellor shall hold office for a term of three years and in case of Deans, the term shall be three years or until they hold office of the Dean, whichever is earlier. The existing composition of the Board of Management is placed as Annexure at page 81.

Academic Council

In term of the Memorandum of Association and Rules and Regulations, the Institute constitutes an Academic Council consisting of eminent scholars and academicians to advise the Board in the Academic Affairs of the Institute. The Academic Council meets as often as may be necessary, but not less than four times during an

academic year. The academic Council meetings were held on 31st August 2022 and 12th October 2022. The existing composition of the Academic Council is placed as Annexure at page 82.

Finance Committee

A Finance Committee under the chairpersonship of the Vice Chancellor is constituted as per Memorandum of Association and Rules and Regulations of the Institute. The Finance Committee meets at least four times in an academic year to examine the accounts and to scrutinize proposals for expenditure. The existing composition of the Finance Committee is placed as Annexure at page 85.

Publication Committee

The Institute is carrying out the publication of rare books and manuscripts relevant to Himalayan arts, culture and language. The rare books/manuscripts proposed to be published are placed before the Publication Committee for review and justification of its publication before being sent to the press. The Publication Committee consists of eminent scholars and subject experts in the field of research and publication. The existing composition of the Publication Committee is placed as Annexure at page 86.

Library Committee

Besides subject experts, the Library Committee also includes the experts in the field of Library and Information Science which recommends the books to be purchased for the library as well as recommends for up-gradation and improvement of the Library including the requirements of additional staff, machines and equipments, digitization, cataloguing, etc. from time to time. The existing composition of the Library Committee is placed as Annexure at page 87.

Research Committee

The Research Committee of the Institute conducts interview for selection of candidates for the grant of the fellowships/stipends, reviews the synopsis and progress of the Research Fellows, etc. The existing composition of the Research Committee is placed as Annexure on page 88.

5. FUNDS

The Institute is fully financed by the Ministry of Culture, Govt. of India and has been allocated a provision of Rs. 3327.30 lakhs for the year 2022-23 to execute various projects approved by the Board of Management, CIBS, Leh.

6. STAFF STRENGTH

The Vice Chancellor being the Administrative head spearheads/supervises the Institute assisted by the Administrative Officer and other supporting staff members of the Institute. Staff strength of CIBS, Leh, showing teaching and non-teaching staff separately, is placed as Annexure at page 89.

7. FACULTIES AND DEPARTMENTS

The faculties and departments of the Institute have been established keeping in view the age old tradition of Panch Mahavidyas of monastic tradition. For smooth and effective functioning of the Institute on University pattern the following faculties have been created:

i) Faculty of Adhyatma and Nyaya Vidya (Faculty of Philosophy and Logic)
ii) Faculty of Sabdha Vidya (Faculty of Languages and Literature)
iii) Faculty of Sowa-Rigpa and Shilpa Vidya (Faculty of Baudh Medical Science and Arts)
iv) Faculty of Adhunik Vidya (Faculty of Modern Studies)

The following is the list of departments created under each faculty:

i) Faculty of Adhyatma and Nyayavidya (Faculty of Philosophy and Logic)

As per monastic system, Adhyatma and Nyayavidya are two independent vidyas, having different faculties. But we have combined these together to suit the syllabus of the Institute. The faculty consists of the following six Departments of Mool Shastra and Sampradaya Shastra with different branches of the disciplines:

(i) Department of Bhot Baudh Darshan
(ii) Department of Sanskrit Bauddh Darshan
(iii) Department of Nyingma Sampradaya
(iv) Department of Kargyud Sampradaya
(v) Department of Sakya Sampradaya
(vi) Department of Gelug Sampradaya

ii) Faculty of Shabdavidya (Faculty of Literature and Languages)

This faculty consists of the Departments as per details given below:

i) Department of Bhoti Literature
ii) Department of Sanskrit
iii) Department of Pali
iv) Department of English
v) Department of Hindi

iii) Faculty of Sowa-Rigpa and Shilpa Vidya (Faculty of Baudh Medical Science and Arts)

The Institute takes much interest in preservation and promotion of Traditional Himalayan Arts and Culture. Accordingly, the following departments have been set up for preservation and promotion of the arts and culture of the region:

i) **Department of Sowa Rigpa:** It is centuries old tradition in Ladakh to provide herbal medicines to the patients. When there were no allopathic medicines, the Sowa Rigpa System of Medicines used to be very popular in the region. The people still believe that the Sowa Rigpa System of Medicines is the most useful one and has no side effect. Now the Govt. of India has also recognized Sowa Rigpa as one of the traditional and useful medicine systems. So the people choice for Sowa Rigpa System of Medicines. Keeping these facts in view, the Institute imparts training to students interested in Baudha Medical Science. The +2 (Higher Secondary) passed students having the sound knowledge of Bhoti language are eligible for admission into Bachelor of Sowa Rigpa Medicine and Surgery Course. There are numbers of students who have been awarded the degree and some of them are practicing independently, while most of them are in Govt./private jobs.

ii) **Department of Bhot Astrology & Astronomy:** Bhot Astrology & Astronomyis another such field which needs to be preserved and protected. The department teaches history of astrology and cosmology as propounded in Bhoti literature and how they relate to society and culture. In the past, drawing and studying astrological charts required knowledge of geometry and astronomy. Knowledge of geometry and astronomy is also required for Thankha paintings.

iii) **Department of Thanka Painting:** This art of painting is very popular in the region. Monasteries of Ladakh are very popular for preserving numerous Thankha paintings and frescoes. The frescoes of Alchi Monastery and Lamayuru Monastery are very famous. One can still see the paintings in these monasteries that are one thousand years old. Besides, in each village, there is a monastery having Thankhas, frescoes and statues. The tourists from all over the world come to Ladakh in summer season to visit these monasteries. The Institute runs Bachelor of Fine Arts with specialisation in Thanka Painting. A number of students receive training in this course to keep alive the century's old tradition of making the Thangkhas.

iv) **Department of Himalayan Sculpture:** The making of clay statues and masks of Tantric deities are very common in Ladakh region. There are monastic festivals known as *Gustor/Dosmoche/Tsetchu/Nagrang* in every monastery held on a special occasion. On this occasion, the mask dance popularly known as *Cham* is performed by wearing masks of different deities etc. The Institute has arranged to train the students for making the art of sculpture of Buddhas, Bhodhisattvas, gods, deities etc., and also teaches the art of making masks. The interested students have to undergo Bachelor of Fine Arts with specialisation in Himalayan Sculpture. Numbers of students are under training in this art of making statues and masks.

v) **Department of Himalayan Wood Carving:** In olden times, when there were no printing machines to print books, here in Ladakh, the people used to get the religious and other texts copied from wooden blocks. The scripts of texts, especially religious texts, are carved on hard wooden blocks in a systematic way, so that the scripts get printed on a paper for reading. Once a text is carved on the wooden blocks, one can copy the text for thousand times like photo copies. This

was very popular in Ladakh in olden times. There is a tradition to hoist prayer flag in the monastery as well as on the top roof of the house and on the main gate of every Buddhist household known as *Tarchok*, and *Tarchan*. These prayer flags are printed texts on clothes of five different colours, which symbolize high spiritual power and five elements. The text contained *Lungsta* and *Gyal–TsanTsemo*. The text is printed on clothes from wooden block made for the purpose.

In order to preserve and protect this art for posterity, the Institute has introduced Bachelor of Fine Arts with specialisation in Himalayan Wood Carving. Besides the block making, one can learn the art of carving other decorative items like the carving of dragons, birds, lions, horses etc. This art is very popular in entire Himalayan region and one can earn handsome money for one's livelihood through this.

(iv) Faculty of Adhunik Vidya (Faculty of Modern Studies)

There are five departments under this faculty, which are as under:

(i) Department of Buddhist History & Culture
(ii) Department of Comparative Philosophy
(iii) Department of History
(iv) Department of Political Science
(v) Department of Economics

8. ADMISSION

Direct admission is given into Gonpa/Nunnery schools also known as feeder schools of CIBS situated in various monasteries of Ladakh, Himachal Pradesh and Uttarakhand. Admission on the basis of an entrance test is being provided to the students in Class VI and Class IX subject to availability of seats in these classes. The students of the Gonpa/Nunnery Schools of the Institute get direct admission into higher classes.

Admission in University classes is given after passing class 12 (Uttara Madhyama). Admission is also given to the students to the Bachelor of Fine Arts in Thanka Painting, Bachelor of Fine Arts in Himalayan Sculpture, Bachelor of Fine Arts in Himalayan Wood Carving, Bachelor of Bhot Astrology & Astronomy and Bachelor of Sowa Rigpa Medicine and Surgery (BSRMS). Fifteen seats have been allotted to the CIBS in Bachelor of Sowa Rigpa Medicine and Surgery course by the Ministry of Ayush and students are admitted in this course through National Eligibility-cum-Entrance Test for Sowa Rigpa [NCISM-NEET-SR (UG)] since the academic session 2022-23.

9. SEMINAR/SYMPOSIUM/WORKSHOP

Central Institute of Buddhist Studies, being one of the unique institutions for Buddhist Studies in the country, has been widening its reach nationally and internationally through different programme in recent years.

1. A three-day National seminar was organized from 3 to 5 November 2022 by the Department of Bhot Baudha Darshan and Department of Sampradaya Shastras on the topic *"An Analysis of the Significance of Abhisamayalankara"*. H.E. Chogon Rinpoche was present during the seminar as chief guest. Moreover, scholars from various universities were invited and presented their valuable papers. Scholars from Ladakh, teachers and students of the university also presented their research papers in different sessions of the seminar. The closing ceremony of the seminar was presided over by the President of Ladakh Buddhist Association. The function was attended by general public of Ladakh, teachers and students of the university classes.

2. On 7 June, 2022, a special lecture was organized by the Department of Sanskrit Buddhist Philosophy on the topic *"Contribution of Jain Acharyas and Scriptures in the Promotion of Buddhist Literature (with special reference to mutual dialogue)"*. Dr. Anand Kumar Jain, Assistant Professor, Department of Jain-Buddhist Philosophy, Banaras Hindu University, Varanasi (Recipient of President's Award) delivered the keynote address. Geshe Dakpa Kalsang, Head of the Department, teachers and students of the department were present on the occasion.

3. Indian Society for Buddhist Studies and Central Institute of Buddhist Studies (Deemed to be University) jointly organized 22nd Annual Conference of Indian Society for Buddhist Studies (ISBS) from 26 to 28 August, 2022. ISBS members from various places across the country attended the conference. In this conference research papers related to Buddhist studies were presented mostly by the registered members of the ISBS. The three-day conference was inaugurated by Prof. Baidyanath Labh Hon'ble Vice Chancellor of Nava Nalanda Mahavihara, Nalanda holding the additional charge of Director, CIBS on August 22, 2022. After this, various technical sessions continued for three days. Cultural programs were also presented. Dr Rahul Mishra, Department of Hindi was the Local Secretary of the ISBS conference.

4. The Institute organized a Three-day National Seminar on the topic *'Ladakh: History, Culture and Tradition'* in collaboration with Indian Council of Historical Research (ICHR), New Delhi and the Center for Jammu and Kashmir Studies from 27 to 30 September, 2022. Commander of the Northern Command of the Indian Army, Lieutenant General Upendra Dwivedi was present as the Chief Guest at the inauguration ceremony. Moreover, the commanding officer of 24 Corps, Lt. General Anindya Sengupta was also present. Nearly hundred participants from different places of the country participated in the three-day seminar. A number of Research Papers were read in various sessions. Special presence in the seminar included Shri Ashok Sajjanhar (former diplomat), Shri P. Stobdan (former diplomat), Shri Ashutosh Bhatnagar (senior journalist and director of Jammu and Kashmir Study Centre), Captain Ashok Bansal (senior defence expert) and dignitaries including Ashok Kadam (Secretary ICHR).

5. An eight-day Non-Hindi-Speaking New Writer Camp was organized by the Hindi Department of the Central Institute of Buddhist Studies from June 13 to 20, 2022. This was the first Navlekhak Camp organized in Ladakh. The students of the institute learned the tricks of novel writing. Prof. Bharat Bhushan Sharma, Prof. Sanjay Singh Sanyal and Shri Rajeshwar Singh Raju were present as external experts. Assistant Director (Extension) Shri Natthulal ji was also present on behalf of the Directorate in the camp. Local experts including Dr Dilip Kumar Patnaik, Prof Mr Sonam Wangchuk and Ms. Phuntchog Dolma from Akashvani Leh, Mr Stanzin Lotos from Doordarshan Kendra, Leh, Dr. Mahesh Kumar Gaur from Indian Council of Agricultural Research, Leh, were also present during the camp and taught the campers about the intricacies of writing.

10. SPECIAL LECTURES/ OTHER ACTIVITIES

i) Gyalsras Kushok Bakula Rinpoche Memorial Lecture Series: The Institute organized Gyalsras Kushok Bakula Rinpoche Memorial Lecture Series every year.

ii) Annual/Monthly Magazine: The Institute also brings out an Annual Magazine entitled "Rig-pa'i Dur tsi" and one monthly News Letters titled Lomai Gatsal in Bhoti, Hindi and English to which the students and the staff contribute articles on different subjects. The activities of the Institute and the achievements of the staff and students having received awards etc., during the year are also highlighted with their photographs. Besides, Green Tara Girls' Hostel brings out a monthly news letter titled "sGrol-lJang gi sGron-me". These are purely institutional magazines and these reflect the nature and scope of the Institute absolutely.

11. MEDICAL FACILITIES

The Institute has a dispensary of its own and provides medicines to the students and the staff. A Staff Nurse and a Nursing Orderly look after the dispensary. It caters to the need of staff and students as and when required. It purchases medicines and essential equipment for smooth running of the department. The department dispenses medicine to the various inmates, teachers and students, of the institute. In the academic year 2022- 23, the department purchased medicines worth Rs.2,32,777.7.

12. STUDENTS EXCHANGE PROGRAMME

Central Institute of Buddhist Studies (CIBS), Leh used to organize students exchange programme with Central Institute of Higher Tibetan Studies (CUTS) during winter vacation. However, the programme was not organized in the year under report.

13. NEW EXECUTIVE MEMBERS OF SWC

There is a provision of Students Welfare Committee in CIBS to elect the executive

members of the Committee every year CIBS hold an electione under the supervision of the Dean, Students Welfare. SWC organizes various programs related to academics like conferences, winter camps, seminars etc. According to reports, SWC organized a three-day conference and winter camp during the academic session 2022-23.

Winter Camp

The Students' Welfare Committee of the institute organized the month-long 5th Winter Camp from 12th December, 2022 to 14th January, 2023. Geshe Lobzang Wangchuk, Assistant Prof. Buddhist Philosophy was the Convenor of the camp. Three subjects, namely Buddhist Philosophy, Bhoti Language & Literature and English Grammar were mainly taught in the camp. The students learnt the Buddhist text "Gyalsras Laglen" during the morning session. On the closing day, held on 14th January, 2023 Shri Thupstan Chhewang, President, Ladakh Buddhist Association, Leh was the Chief Guest. He appreciated the students for utilizing the Winter Vacation for enhancing and updating their knowledge. He also promised to help the students financially in the coming years.

All Ladakh College Students Conference

The Students' Welfare Committee of the institute organized a three-day 5th All Ladakh College Students Conference on the subject, "The Importance of the Restoration and Preservation of the Culture & Language of Ladakh" from 27th to 29th June, 2022 in the Nagarjuna Auditorium on the campus of CIBS, Leh in collaboration with the Students' Welfare Committee of Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi, UP. Important issues relating to the restoration & preservation of rich Ladakhi culture was discussed in the conference. His Eminence Thuksey Rinpoche was the Chief Guest on the occasion of the Inaugural Session while Shri Thupstan Chhewang, President, Ladakh Buddhist Association, Leh & Acharya Stanzin Wangtak, President, All Ladakh Gonpa Association were the Guests of Honour. Apart from the students of CIBS, the students of Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi, UP, Govt. Girls Higher Secondary School, Leh, Ladakh, Ladakh Public School, Sidharth High School, Stok, Mahabodhi Residential School, Sabu thang, Leh, Jawahar Navadya Vidyalaya, Leh, Govt. High School, Chuchot, Lamdon Moden Senior Secondary School, Leh and Druk Padma Karpo, Shey also participated in the conference. Eminent educationists and educational administrators attended the conference and addressed the gathering. On the closing day, held on 29th June 2023, Shri Tashi Gyaltson, Chairman & Chief Executive Councillor, LAHDC, Leh was the Chief Guest, whil Shri Jamyang Tsering Namgyal, Member of Parliament (Ladakh-Lok Sabha) & Shri Stanzin Chosphel, Executive Councillor, LAHDC, Leh were the Guests of Honour. In their addresses, the three VIPs appreciated the students of all the participating institutions for organizing a very important conference on restoring and preserving the aged old rich Ladakhi culture. On conclusion of the conference all the participant were given participation certificate.

14. EDUCATIONAL TOUR

Central Institute of Buddhist Studies (Deemed to be University) organizes Bharat Darshan (educational tour) for students during each winter vacation. During the educational tour the students visit important historical and archaeological sites in different states of India. A group of fifty students from various classes of the institute were on *Bharat Darshan* (Educational Tour) as per prescribed norms and on the merit in previous year's examinationfor a period of thirty six days w.e.f. 27 December, 2022. The group visited various historical places in India including Red Fort, India Gate, Lotus Temple, Rajghat, Sansad Bhawan in Delhi, Assi Ghat, Dhamekh Stupa, Sarnath Museum and Ashokan Pillar in Varanasi, Victoria Memorial, Howrah Bridge, Indian Museum, Science City, ISKCON Temple in Kolkata. In addition, they toured to Chennai, Bangalore and Goa where they visited famous historical places, Church, Aquarium and educational institutes etc., like Charminar, Golconda Fort, Ramoji Film City, Hussain Sagar, Lumbini Park, NTR Garden, Vivekananda House, Dalai Lama Institute, Mysore Palace, Archaeological Monuments, Catholic Church of St. Francis etc.The students were guided by a teacher, Sh. Tsering Dorjey, Assistant Professor, CIBS assisted by a female staff Smt. Shashi Rawat, UDC and Shri Nawang Tandar, cook.

Besides, students of Sowa Rigapa Department went for four day tour to Warila known for its beauty and medicinal plants to identify and collect herbal medicinal plants from 24th July, 2022. Similarly students of Sowa Rigpa 2nd, 3rd and 4th year toured to Changla Pass for the purpose of identifying and collecting of herbal medicinal plants and minerals to commemorate "Azadi ka Amrit Mahotsav" in collaboration with Ladakh Amchi Sabha, Leh w.e.f. 12th of August, 2022 to 15th of August, 2022.

15. PUBLICATION

The Institute publishes rare and valuable books on varioussubjects including the proceedings of the national and international seminars conducted by the Institute under the title "Ladakh-Prabha". During the year 2022-23, the institute published seven Text Books for Class Shastri-I (2nd semester), Shastri II (1st semester), Shastri-II (2nd semester) and Shastri-III(5th semester) in Bhoti.

16. RESEARCH

The Institute has instituted eight institutional fellowships for Research Scholars. The research works are being conducted in different subjects, i.e., Buddhist Philosophy, Himalayan Buddhist Culture, Ladakh Studies and related areas. Accordingly, this year seven research scholars have been awarded the degree of Ph.D.

17. CAMPUS

The Institute is located eight kms South of Leh town on the bank of the Indus River in Choglamsar. It has two campuses: the new and the old. The old campus is located on a piece of land measuring 23 Kanals and used for running the classes for the junior wing from Class VI to XII. It is under the charge of a Principal assisted by Trained Graduate Teachers (TGTs) and other staff members. There is a teaching block, a small auditorium, office, and children's library on the campus. A Guest House with a capacity to accommodate 20 guests at a time is situated on the old campus.

Consequent upon the declaration of Central Institute of Buddhist Studies, Leh as Deemed to be University by the Ministry of Human Resource Development, Govt. of India vide notification No.F.9-5/2001-U3 (A) dated 15th January, 2016, the Junior Wing of this Institute was delinked as Senior Secondary School, CIBS, Leh , UT of Ladakh as per office memorandum no. CIBS/2021/511 dated 1/11/2021. Accordingly classes from Purva Madhyama-I to Uttar Madhyama-II are also running at old campus. Presently Dr. I.B. Jha is looking after the school as In-charge Principal.

The new campus is located just half a kilometre away from the old campus built up with separate blocks for Teaching, Administration, Library and Hostels (with the capacity to accommodate hundred students in each which are separately provided to the monks, boys and girls). There are sixty Residential Quarters for staff situated on the new campus. A sport stadium with facilities of spectators' gallery, dressing room, store etc., is also located on the new campus. Acharya Nagarjuna Auditorium with seating capacity of 580 people is available to carry out various activities of the Institute. Besides these, a philosophical debate hall, and a students' recreation centre are available on the campus to carry out other activities. In addition, construction of four professor quarters has been completed and commissioned to the institute. The construction of one more Hostel for Nun students is in progress. Ladakh chapters of Manuscripts Resource Centre and Manuscripts Conservation Centre funded by the National Manuscripts Mission, New Delhi is also being run on the new campus.

18. LIBRARY

The Sherab Gyasched Tsal (*shes-rab rGyas-byed tshal*) library of the Central Institute of Buddhist Studies (Deemed to be University) is a soul-nourishing place for people of any age, and a natural focal point for the meeting of minds. The library is a vital organ of the institute which not only the students and teachers, but also other members of the institute depend upon for seeking information and wisdom. The library is one of the biggest libraries in the entire Himalayan region, disseminating knowledge in Buddhist studies, Tibetology, Ladakh studies and various other subjects. The library has been computerised by installing the Slim Thunmi Software. There are three sections of the library, i.e., 1) General Section, 2) Sungbum/Tibetan Section and 3) Reference Section.

The total collection of 38274 books in Tibetan, English, Hindi, Sanskrit, Pali and Urdu on Religion, History, Philosophy, Literature, Sociology etc., is available. The Library has a well-collected reference section comprising of Encyclopaedias, Dictionaries and Year Books. During the year under report, the Institute acquired 882 new books by purchase and gift. The Library of the Institute has subscribed 33 Indian and foreign research journals and magazines during the year.

19. MUSEUM

The Institute has a small Museum with a collection of antiquities and objects-de-art which among other things include sculpture and painting articles of Ladakh, antique photographs and replicas brought from many historical places of India. This is a unique Museum of its kind in Ladakh, which draws attention of tourists as well as the research scholars on a large scale every year.

20. SYLLABI

In the formative years, the ten-year syllabi covering the subjects of Buddhist Philosophy, Bhoti Language, Sanskrit, Hindi and English were in operation. In the year 1973, the Institute was affiliated to the Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi, U.P., and accordingly, special syllabi were drawn up to fulfil the requirements of the border area students and to achieve the aims and objectives for which the Institute was initially established. Consequent upon the conferment of Deemed to be University status to the CIBS, Leh in January 2016, the Institute amended the curriculum suitability by introducing the semester system. The curriculum has been implemented after conducting a series of workshops by inviting experts in the field and by amending the same by the Heads of Departments of the subjects concerned of other universities.

Thereafter, it was placed before the Academic Council for consideration and approval. The compulsory subjects are Bhoti Literature and Buddhist Philosophy. Hindi and English are compulsory subjects up to Uttar Madhayama, whereas in Shastri they are taught as optional subjects. The other optional subjects are Political Science, History, Economics, Pali, Sanskrit,Comparative Philosophy, Sowa Rigpa, Wood Carving, Sculpture and Painting. Thedegrees of Vidyavaridhi (Ph.D), Acharya, Shastri, Bachelor of Fine Arts (BFA) Thanka Painting, Bachelor of Fine Arts (BFA) Himalayan Sculpture, Bachelor of Fine Arts (BFA) HimalayanWood Carving, Bachelor in Bhot Astrology and Astronomy and Bachelor of Sowa Rigpa Medicine and Surgery (BSRMS) are being awarded to the successful candidates. The equivalent degrees are given below:

1. Purva Madhyama (Matriculation)
2. Uttar Madhyama (Higher Secondary)
3. Shastri (B.A.)
4. Acharya (M.A.)
5. Vidyavaridhi (Ph.D)

6. Bachelor of Fine Arts (BFA) Thanka Painting
7. Bachelor of Fine Arts (BFA) Himalayan Sculpture
8. Bachelor of Fine Arts (BFA) Himalayan Wood Carving
9. Bachelor in Bhot Astrology and Astronomy
10. Bachelor of Sowa Rigpa Medicine and Surgery (BSRMS)

The Institute included the Sampradya Shastra of Mahayana Buddhism in Shasrti and Acharya courses as one of the compulsory optional subjects, which has been welcomed by the faculty members, students and other scholars of Ladakh.

21. STIPEND TO STUDENTS

The stipend ranging from Rs 1060 to Rs 1300 per student per month is presently grantedto students of CIBS, Leh. Besides, the stipend is being paid to the students of Duzin Photang School, Zanskar; Bauddha Darshan Sanskrit Vidyalaya, Mandoglu and 50 feeder Gonpa/Nunnery schools. Thus, the total amount of Rs 175.06 lakhs was disbursed during the year towards stipend to the students.

22. FREE DISTRIBUTION OF TEXT/NOTE BOOKS TO STUDENTS

The students studying in the Institute, secondary and senior secondary schools and feeder Gonpa/Nunnery schools come from most back ward and remote areas of the region and belong to Schedule Tribe community. Accordingly, the Institute arranged the free distribution of Text/Note Books to all students. During the year under report, Text/Note books worth Rs 19.86 lakhs were purchased and freely distributed among all the students of CIBS and its schools located in different parts of the Ladakh, Himachal Pradesh and Uttarakhanda.

23. EXAMINATION RESULT

The examinations from Class VI to Class VIII were conducted by the Senior Secondary School of the Institute. The examinations from Purva Madhyama-I to Uttara Madyama-II classeswere conducted by Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi to which the Vidyalaya is affiliated. The examinations of Shastri (BA) and Acharya (MA), Thanka Painting (BFA), Himalayan Sculpture (BFA), Himalayan Wood Carving (BFA) and Bachelor of Sowa Rigpa Medicine and Surgery (BSRMS) classes were conducted by the Examination Department of CIBS (Deemed to be University), Leh. The result of each classes of the academic year 2022-23 is placed as Annexure at page 91.

24. GONPA/NUNNERY SCHOOLS

To achieve its objectives, the Institute is running 50 Gonpa/Nunnery Schools indifferent monasteries which are extremely popular in the region. These schools are

being run in collaboration with the respective monasteries, and accordingly, they arrange classrooms, hostel facilities and also provide ritual teachings. The Institute provides one to three teachers depending on the number of enrolment in a particular school. Besides, the furniture, stationery, text books, note books, and stipend to the students are being provided by the Institute. The teachers appointed by the Institute provide the modern elementary education viz. Bhoti, Hindi, English, Mathematics, Social Studies etc., in addition to the monastic education. During the year under report, 819 students were enrolled in the 50 Gonpa/Nunnery schools located in different monasteries of Ladakh. The school-wise and class-wise enrolment of the students for the year 2022-23 is placed as Annexure at page 94.

25. FOUNDATION DAY

The 63rd Foundation Day of the Central Institute of Buddhist Studies was organized on 23rd October, 2022 at Arya Nagarjuna Auditorium with great enthusiasm and patriotic fervour. On this auspicious occasion, H.E. Skyabje Thugsras Rinpoche was the chief guest. Besides, Presidents of All Ladakh Buddhist Association and All Ladakh Gonpa Association, other dignitaries, the staff and students of CIBS were also present on the occasion. The prizes were distributed among the position holders in the Annual Examination and in favour of the students who won in various competitions viz., essay competition, poem recitation competition, painting competition, lecture competition, sports activities, cultural activities, quiz competition etc. A brief report on the activities of the Institute was presented by the Additional Administrative Officer Dr. Konchok Rigzen. The students of the institute presented a colourful Cultural Programme. The celebration concluded with inspiring words of thanks from Dr. Thinles Yangjor, Dean, Students' Welfare followed by the National Anthem.

26. OTHER IMPORTANT EVENTS

i) ***Birth Anniversary of Dr. Radhakrishnan:*** Central Institute of Buddhist Studies celebrates Teachers' Day on 5th September every year to mark the birth anniversary of Dr. Radhakrishnan.

ii) ***Hindi Divas/Hindi Pakhwada:*** The Institute celebrates Hindi Divas on 14thSeptember each year by conducting various types of literary competitions viz. essay writing, poem recitation, lecture delivery etc., in Hindi language. During the year, Hindi Divas was celebrated on 14th September 2022. Khanpo Konchok Thupstan, Dean, Faculty of Languages, Central Institute of Buddhist Studies, was the chief guest during the occasion and Dr. Thinley Yangjor, Dean, Students' Welfare and Dr. Konchok Rigzen, Additional Administrative Officer, Central Institute of Buddhist Studies, Leh were present as guest of honour. The programme began with lighting of lamp. Dr. Rahul Mishra, HoD, delivered welcome speech. During the occasion various competitions were organized by Hindi Department.

Besides, the institute celebrates Hindi Pakhwada each year. This year under Hindi

Pakhwada-2022, a competition in Hindi was organized for the employees working in the office on 21.09.2022 to promote work-in-Hindi in the office of the Institute.

'We are sisters of Hindi' Multilingual Poetry-Congregation (Online): A multilingual poetry conclave was organized by the Hindi Department on September 19, 2022.The concept and coordination of this poetry gathering, organized with the literary collaboration of All India Sahitya Parishad, Ladakh Province, Literary-Culture Quarterly Nutanvandhara and All India Anagata Sahitya Sansthan, Lucknow.

Under Hindi Pakhwada-2022, a lecture in Hindi was organized during the closing program of Hindi Pakhwada, in which retired Professor Kailash Narayan Tiwari from Delhi University was invited and he gave a lecture on the topic 'International Forum and Direction of Hindi'. All the students and staff of the institute were present in it. It was chaired by Prof. Baidyanath Labh, I/c Director, CIBS and conducted by Hindi Department Head, Dr. Rahul Mishra.

Like last year, online Hindi lecture series was organized by Hindi Department. Various scholars were invited to deliver lectures on various topics.The staff and students of the institute and Hindi loving people from different places of the country attended the programme.

iii) ***Swaccha Bharat Abhiyan:*** The Govt. of India on the initiative of Hon'ble Prime Minister of India Shri Narendra Modi launched Swaccha Bharat Abhiyan with a view to make the whole country neat and clean. Accordingly, the Central Instituteof Buddhist Studies, Leh carried out the Swaccha Bharat Abhiyan under the leadership of Dr. Tsewang Yangjor, Nodal Officer from 3rd to 10th October, 2022 to clean the campus and surrounding areas of the Institute by involving the staff and students.

iv) ***World Environment Day:*** The Institute observed World Environment Day on 5th June 2022.

v) ***Birth Anniversary of Mahatma Gandhi:*** The Institute celebrated Birth Anniversary of Mahatma Gandhi on 2nd October, 2022 in Nagarjuna Auditorium. Shri Tashi Ram was present on the occasion as chief guest. The faculty members, staff members and senior students of the Institute actively participated in the function and threw light on the life and achievement of Mahatma Gandhi.

vi) ***World Students' Day:*** CIBS used to celebrate World Students' Day each year on October 15 to commemorate the former president APJ Abdul Kalam's birthday.

vii) ***Independence Day:*** Additional Administrative Officer Tashi Ram hoisted the National Flag at the main campus, on Independence Day, 2022. The seventy-five years of independence from the British rule was celebrated on the campus in the presence of academic and non-academic staffs. He expressed his gratitude to the freedom fighters, armies and leaders who sacrificed their life for the country during the occasion. On the day a procession took place from old campus to university campus involving all teaching and non teaching staff and students carrying national flag in hand. The students presented colourful cultural programme on the occasion.

viii) ***International Women Day:*** The Institute organized International Women's Day with different themes each year.

ix) ***International Yoga Day:*** Central Institute of Buddhist Studies observed International Yoga Day was celebrated with enthusiasm at Leh Astroturf Sports Stadium in collaboration with Mahabodhi Meditation Centre, Choglamsar on 21st June 2022. Staff and Students of CIBS were present during the yoga day.

x) ***Free Medical Camp:*** Sowa Rigpa Department of CIBS organized several Free Medical Camps on 27th of May, 2022 to 1st of June, 2022, 8th to 13th August, 2022 and 12th of June, 2022 at Khema Khungru, Digar, Tangyar, Tangtse, Durbuk, Takshi, Skuru, Largyap, Chulunka, Turtuk, Boldang, and Sowa Rigpa Hospital, CIBS, Leh for the benefits of general public as part of commemoration of "Azadi ka Amrit Mahotsav". About more than 750 patients attended the medical camp and got traditional treatment and medicine of Sowa Rigpa free of cost.

xi) ***Sowa Rigpa Hospital:*** The Institute has a ten bedded Sowa Rigpa Hospital with Therapy Centre. It has the facilities of out patient department (OPD), Sowa Rigpa medicine etc., hot compression therapy, cold compression therapy, hot oil compression therapy, moxibustion therapy, heat therapy, medicinal bath therapy and massage therapy. General public can avail themselves of the Sowa Rigpa medical treatment from 10.00 am to 4.30 p.m. on each working day.

Sowa Rigpa medical college students pursue Bachelor of Sowa Rigpa Medicine and Surgery (BSRMS) course for 5 years and six months in this institute. Now Sowa Rigpa hospital is attached to Medical College, so students can see and learn practical skill at IPD and OPD. Students can also enhance therapy skills at our therapy centre.

xii) ***Constitution Day:*** The Institute observed Constitution Day to commemorate the implementation of the Constitution of India on 26th November, 2022 in Arya Nagarjuna Auditorium at 10.30 am. Faculty members, students and non teaching staff participated in the function.

xiii) ***Azadi Ka Amrit Mahotsav:*** Azadi Ka Amrit Mahotsav is an initiative of the Government of India to celebrate and commemorate 75 years of independence and the glorious history of its people, culture and achievements. Under this initiative the Institute organized various activities.

27. PROJECT OF THE COMPILATION OF ENCYCLOPEDIA OF HIMALAYAN BUDDHIST CULTURE

The CIBS is running a mega project of compilation of Encyclopaedia of Himalayan Buddhist Culture in ten volumes. The project was launched by engaging scholars on contractual basis. The project is in progress under the supervision of a Chief Editor assisted by two Editors and three Research Assistants. Two volumes of the Encyclopaedia covering the Ladakh region have already been published.

Another two volumes covering the region of Himachal Pradesh are completed and are under publication. The first volume of philosophical and theoretical basis of Himalayan Buddhist Culture consists of two parts. In the first part, there are 22 chapters which are completed and ready for publication. Part II is in progress.

28. MANUSCRIPTS RESOURCE CENTRE

The National Mission for Manuscripts, Govt. of India has designated CIBS, Leh as the Manuscripts Resource Centre and Manuscripts Conservation Centre for the Ladakh region. Accordingly, the Institute has been carrying out the assigned job by engaging scholars on the standard terms and conditions laid down for the purpose by the National Mission for Manuscripts, Govt. of India. The Institute so far has documented about 37722 manuscripts from 2389 different Monasteries/Palaces/ individuals of Ladakh region. The Institute is trying to document all available rare manuscripts available in the different monasteries of Ladakh region.

The Institute has also setup a laboratory for conservation of manuscripts. So far the Institute has conserved 56635 folios of rare manuscripts which were kept lying in very bad condition in different monasteries such as, Matho monastery, Hemis monastery and other individual households.

29. PLACEMENT OF STUDENTS AFTER OBTAINING THEIR DEGREES/DIPLOMAS

The Institute provides the degree of Ph.D.; Acharya (equivalent to M.A.) in Bhot Baudh Darshan, Sanskrit Baudh Darshan, Ancient Buddhist History, Bhot Literature and Comparative Philosophy; Shastri (equivalent to B.A); Uttar Madyama (equivalent to+2), and Purva Madyama (equivalent to Matriculation). Besides, degree of Bachelor of Fine Arts (BFA) Thanka Painting, Bachelor of Fine Arts (BFA) Himalayan Sculpture, Bachelor of Fine Arts (BFA) Himalayan Wood Carving, Bachelor in Bhot Astrology and Astronomy and Bachelor of Sowa Rigpa Medicine and Surgery (BSRMS) are also being awarded. It has been observed that most of the students having obtained the above degrees from CIBS, Leh are not without job. The students having passed their respective degrees/ diplomas easily get appointments, especially in the Education Department of UT of Ladakh, Kendriya Vidyalaya, Navodaya Vidyalaya and Private Schools and actively work for the preservation and promotion of the cultural heritage of the region by involving the students of their respective schools. The candidates having the above degrees/ diplomas have good opportunity for appointment in the Department of Akashwani and Doordarshan, as they prefer for the candidates having good knowledge of the local language. The Institute feels proud that the Alumni of CIBS, Leh have good positions in the State and the Central Government Services recruited through Kashmir PSC and UPSC. Besides, the Alumni of the Institute are serving for the country in the Military and Para-Military forces all over India. Some Alumni of the Institute are working in eminent Universities such as Vishva Bharati University, Shanti Nekatan; Jawahar Lal Nehru

University, Delhi etc. There are numbersof officers in the police department of UT of Ladakh who have obtained degrees from CIBS, Leh. The branch and feeder schools of CIBS, Leh are run by appointing the alumni of CIBS, Leh which help the preservation and promotion of the cultural heritage of the region. The students having the diploma in Sowa Rigpa (Bauddha Medical Science) have been engaged in the State Health Department under the "Centrally Sponsored Scheme,"National Health Mission, to look after the patients throughout the region. The students having diploma in Thangka Painting, Sculpture and Wood Carving are earning handsome amount by preparing the Thangkas, Statues and Wood Carving works for the local people as well as tourists visiting Ladakh. Besides, the candidates having the above diplomas are appointed as instructors in the organizations running similar courses.

30. REVISION AND EDITING OF TEXT BOOKS

Text books of Bhoti Baudh Darshan, Baudh Puranic History and Bhoti Literature for Shasti-I (second semester) and Shastri-II (first semester) were revised, edited and published during the year 2022-23.

31. DUZIN PHOTANG SCHOOL, ZANSKAR

i) ***Brief History:*** In 1980, His Holiness Dalai Lama XIV paid his first visit to Zanskar on the invitation of the Buddhist Association, Zanskar and felt it necessary to open a school for the preservation of the rich culture of the area. Accordingly, he donated some funds to the Buddhist Association, Zanskar for the purpose. In September 1984, the Buddhist Association established a School at Duzin Photang for the benefit of the poor and needy students of the area. Initially, 101 students were admitted in the School and three teachers were also appointed. The hostel facilities were also provided to the students coming from far-flung areas. The Buddhist residents of Zanskar also donated funds for the improvement and up-gradation of the School. H.H. the Dalai Lama, during his second visit to Zanskar in 1988, further donated funds for the development of the School. The Buddhist Association, Zanskar and the people of Zanskar had represented to the then Hon'ble Prime Minister of India, Mr. Rajiv Gandhi regarding the importance of the School with a request to take over the school by the Govt. of India on the pattern of the Central Institute of Buddhist Studies, Leh. The Hon'ble Prime Minister of India Shri Rajiv Gandhi paid his visit in March/April 1988 to Zanskar and decided that the Govt. of India would take over D.P.S. as a branch school of CIBS, Leh w.e.f. 1st November 1989. Since then, the School is being run under the financial and administrative control of CIBS, Leh, Ladakh. A campus consisting of Teaching Block, a small Library, a Multi-purpose Hall, Hostel for 100 students, some Staff Quarters and a play ground, is available. It is one of the best campuses in the entire Zanskar valley. A school bus is also available to lift the day scholars of the school. Zanskar valley is an isolated place, even remains cut off from Leh and Kargil for about 6 to 7 months in a year during winter.

(ii) *Examination Result:* The annual examination of the students from class I to VIII of Duzin Photang School, Zanskar is being conducted by the School under the supervision of the Head Master. The Annual Examinations of class-IX and XII of this school and Senior Secondary School, Leh are being conducted by the Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi. An examination centre has been set up at Duzin Photang School, Zanskar, keeping in view the hardship faced by the students for coming to Leh for examination purpose. The class-wise enrolment of students along with the result of each class for the academic year 2022-23 is placed as Annexure at page 98.

(iii) *Other Activities:* The school is carrying out various co-curricular activities viz, Annual Sports-cum-Literary Competitions, Conduct of Educational Tours to visit the historical places/monasteries, celebration of birth anniversary of important national level personalities, conduct of monthly lecture competitions etc. Besides, the School has a small Library with good collection of books for the students. The school also actively participates in parade and cultural programmes organized by Union Territory of Ladakh on the occasion of Republic Day and Independence Day.

iv) *Staff Strength:* The staff strength of Duzin Photang School for the year under report is placed as Annexure at page....

32. BAUDH DARSHAN SANSKRIT VIDYALAYA, MANDOGLU, DISTRICT LAHOUL & SPITI (H.P.)

(i) *Brief History:* The Bauddha Darshan Sanskrit Vidyalaya, Keylong, Lahaul-Spiti(H.P) was established in the year, 1976 to preserve the most valuable Buddhist Arts, Culture and Language of the Himalayan regions viz; Lahaul, Spiti, Kinnaur, Pangi, Kullu and Manali. Prior to 1959, Scholars, Novices and Monks of this area used to go Tibet to pursue higher Monastic Education which came to an end in 1959 due to historical reasons. Thus the Bauddha Darshan Sanskrit Vidyalaya, Keylong came into existence to continue the old age practice to provide monastic education to the young novices. Initially, the Vidyalaya was run with the funds raised by public donation. Subsequently, the Govt. of India, Ministry of Culture provided some financial assistance under the scheme of Financial Assistance for Development of Buddhist/ Tibetan Organisations. The State Government of Himachal Pradesh also provided some financial assistance for its maintenance which was subsequently discontinued. The people of the region tried their best for the takeover of the Vidyalaya as an Autonomous Organization of the Govt. of India on the pattern of Central Institute of Buddhist Studies, Leh and Central University of Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi. But, it could not be taken over as an Autonomous Organization of the Govt. of India, Ministry of Culture. However later, the Govt. of India, Ministry of Culture on the recommendation of the Board of Management, CIBS, Leh decided to take over the Vidyalaya as a branch school of CIBS, Leh on the pattern of Duzin Photang School, Zanskar. Accordingly, CIBS, Leh took over the Bauddha Darshan Sanskrit Vidyalaya,

Keylong, H.P. as a branch School from 5 March 2010 in pursuance to Govt. of India, Ministry of Culture's letter No.F.1-11/2004-BTI dated 05-03-2010. Since then the administration of the Vidyalaya is being looked after by CIBS, Leh with full financial support. There are one Headmaster, six Trained Graduate Teachers (TGTs), one Bhoti Teacher, one Buddhist Philosophy Teacher, one UDC and three Class-IV employees working in the Vidyalaya. The Central Institute of Buddhist Studies, Leh provides the salariesof the Staff, stipend to the students, furniture/furnishing items and other day-today expenditure of the Vidyalaya on the pattern of Duzin Photang School, Zanskar. At present the school is running at Mundoglu, Distt. Mandi, H.P., where rent-free accommodation is provided by the Drigung Kagyud Thekchog Otsal Limg Welfare Society.

The Annual Examination of Class I to X of the Vidyalaya is being conducted under the supervision of the Headmaster of the said Vidyalaya. The Class-wise enrolment of students along with the result of each class for the Academic Year 2022-23 is placed as Annexure at page 100.

(ii) ***Staff Strength:*** The staff strength of the Bauddha Darshan Sanskrit Vidyalaya, Mondoglu, H.P is placed as Annexure at page 100.

Annexure

COMPOSITION OF SOCIETY

S.No.	Name and Address	Position
1.	Secretary to the Govt. of India, Ministry of Culture, New Delhi	President
2.	AS & FA, Govt. of India, Ministry of Culture	Member (Ex Officio)
3.	Joint Secretary, BTI Govt. of India, Ministry of Culture	Member (Ex Officio)
4.	One Nominee of the Department of Higher Education, Ministry of Education, Govt. of India	Member (Ex Officio)
5.	Secretary or Nominee of the University Grants Commission	Member (Ex Officio)
6.	Deputy Commissioner, Leh	Member (Ex Officio)
7.	One representative of monasteries of Ladakh to be selected by the All Ladakh Gonpa Association (Rev. Tsering Wangdu, President)	Member (non-official)
8.	One representative of Ladakh Buddhist Association Shri Thupstan Chhewang, President	Member (non-official)
9-10	Two Eminent Buddhist Educationists Nominated by Central Government	Member (non-official)
	1. Dr. Padma Gurmet Director, National Institute of Sowa Rigpa Research Centre, Leh	Member (non-official)
	2. Dr. Sonam Wangmo, Assistant Professor University of Ladakh, Leh	Member (non-official)
11.	Vice Chancellor Central Institute of Buddhist Studies, Leh	Member (Ex Officio)
12-13	Two Faculty Deans, Central Institute of Buddhist Studies, Leh	
	1. Khenpo Konchok Thupstan, Associate Professor CIBS, Leh	Member (Ex Officio)
	2. Dr. S.K. Gautam, Assistant Professor	Member (Ex Officio)
14.	Registrar/AO, Central Institute of Buddhist Studies, Leh	Secretary (Ex-Officio)

Annexure

COMPOSITION OF BOARD OF MANAGEMENT, CIBS, LEH

S.No.	*Name and Address*	*Position*
1.	Pro. Rajesh Ranjan,Vice Chancellor, CIBS, Leh	Chairperson (Ex-officio)
2-3	Two Faculty Deans of CIBS (by rotation based on seniority)	
	1. Dr. Thinles Yangjor, Associate Prof., Dean, CIBS	Member (Ex-officio)
	2. Dr. S.K. Gautam, Assistant Prof., CIBS, Leh	Member (Ex-officio)
4-6	Three Eminent Academician nominated by Chancellor	
	1. Prof. Wangchuk Dorjee Negi, CIHTS, Sarnath	Member
	2. Prof. K.T.S. Sarao, Retired Professor Deptt. of Buddhist Studies, University of Delhi, Delhi	Member
	3. Khenpo Ishey Tsering Principal Abbot at Sakya College for Nuns P.O. Manduwala 248007, Dehradun Uttarkhand	Member
7.	One Eminent Academician to be nominated by Central Govt in consultation with UGC (Under Process)	Member
8-9	Two Teaching Faculty (From Professor/Associate Professor) Rotation based on seniority	
	1. Geshe Dakpa Kalsang, Associate Professor	Member
	2. Khenpo Konchok Thupstan, Associate Professor	Member
10-13	Maximum of Four Nominees nominated by the Sponsoring Society	Member (Ex-officio)
	1. Ms. Amita Prasad Sarbhai Joint Secy, MoC (BTI)/GOI	Member (Ex-officio)
	2. Sh. Niraj Kumar Director (BTI) MoC, GOI	Member (Ex-officio)
	3. Shri Thupstan Chhewang, President, LBA	Member
	4. Rev. Shatup Chamba, President, LGA	Member
14.	One Teacher by rotation of the rank of Assistant Professor Geshe Lobzang Wangchok, Assistant Professor	Member
15.	Registrar/AO, CIBS	Secretary (Ex-Officio)

Annexure

COMPOSITION OF ACADEMIC COMMITTEE

S.No.	Name and Address	Position
1.	Prof. Rajesh Ranjan, Vice Chancellor, CIBS, Leh	Chairperson
	Deans of Faculties	
2-5.	2) Geshe Dakpa Kalzang, Associat Professor (Faculty of Buddhist Philosophy and Logic)	Member
	3) Khenpo Konchok Thupstan (Faculty of Language & Literature)	Member
	4) Dr. S.K. Gautam (Faculty of Modern Studies)	Member
	5) Dr. Thinley Yangjor (Faculty of Sowa-Rigpa & Shilpa Vidya)	Member
	Head of Departments	
6-11.	Faculty of Adhyatma Vidya	
	6) Geshe Dakpa Kalzang Department of Bhot Baudh Darshan	Member
	7) Geshe Dakpa Kalzang Department of Bhot Baudh Darshan (Sanskrit Medium)	Member
	8) Geshe Lobzang Tsultim Department of Nyingma Sampradaya	Member
	9) Khanpo Lobzang Tsultim, Bhutia Department of Kagyud Sampradaya	Member
	10) Khanpo Jamyang Kunzang Department of Sakya Sampradaya	Member
	11) Geshe Lobzang Tsultim Department of Gelug Sampradaya	Member
12-16.	***Faculty of Shabda Vidya***	
	12) Khanpo Konchok Thupstan Department of Bhoti Literature	Member
	13) Dr. Rahul Mishra I/C Department of Sanskrit	Member
	14) Dr. Rahul Mishra I/C Department of Pali	Member

S.No.	Name and Address	Position
	15) Dr. Dillip Kumar Pattanayak Department of English	Member
	16) Dr. Rahul Mishra Department of Hindi	Member
17-21.	***Faculty of Sowa-Rigpa & Shilp Vidya***	
	17) Dr. Thinles Yangjor Department of Sowa-Rigpa	Member
	18) Shri Tsering Dorjai Department of Thanka Painting	Member
	19) Khanpo Konchok Thapdol Department of Himalayan Sculpture	Member
	20) Shri Konchok Chosphel Department of Himalayan Wood Carving	Member
	21) Dr. Konchok Tsering Department of Astrology & Astronomy	Member
22-26.	***Faculty of Adhumik Vidya***	
	22) Khanpo Shedrup Konchok Department of Baudh Puranic History	Member
	23) Dr. Vipin Kumar Pandey Department of Comparative Philosophy	Member
	24) Dr. Sajiv Kumar Gautam Department of History	Member
	25) Dr. Sajiv Kumar Gautam I/C Department of Political Science	Member
	26) Dr. Sanjiv Kumar Gautam I/C Department of Economics	Member
27-30.	***All Professors other than the Heads of the Departments by Rotation on Seniority***	
	Professor posts are lying vacant	Members
31-32.	***Two Associate Professors from the Department***	
	Other than the Head of the Departments by rotation of Seniority	
	1) Geshe Dakpa Kalsang	Member
	2) Khanpo Konchok Thupstan	Member

S.No.	Name and Address	Position
33-34.	***Two Assistant Professors from the Departments by rotation basis on seniority***	
	1) Geshe Lobzang Wangchuk	Member
	2) Khanpo Konchok Thapdol	Member
35-37.	***Three Educationists of Reputes not in the service of Institute***	
	1) Prof. Bimalendra Kumar, BHU	Member
	2) Prof. Dharma Chand Jain, Jaipur	Member
	3) Prof. S.K. Das, Shantiniketan	Member
38-40.	***Three persons, who are not members of the Teaching*** Staff Co-opted by the Academic Council for their specialized knowledge	
	1) Ven. Sanghasena, Director, MIMC, Leh	Member
	2) Dr. Konchok Rigzin, Research Officer, CIBS, Leh	Member
	3) Dr. P.K. Das, NNM, Nava Nalanda Mahavihara	Member
41.	***Registrar/AO, Central Institute of Buddhist Studies, Leh***	
	Dr. Konchok Rigzen, Adm. Officer	Secretary

COMPOSITION OF FINANCE COMMITTEE, CIBS, LEH

Annexure

S.No.	*Name and Address*	*Position*
1.	Prof. Rajesh Ranjan Vice Chancellor, CIBS, Leh	Chairperson
2.	Person to be nominated by the Society of the Institute Shri Harish Kumar, Director (Finance), MoC	Member
3.	Two nominees of the Board of Management, one shall be a member of the board:	Member
	1) Prof. Wangchuk Dorjee Negi Vice Chancellor CIHTS, (Deemed to be University) Sarnath Varanasi (UP)	Member
	2. Shri Tsewang Dorji I/C Accounts Officer Finance Deptt. UT of Ladakh, LAHDC, Leh	Member
4.	A representative of the Central Government Shri Niraj Kumar Director, (BTI), MoC, GoI	Member
5.	Finance Officer of the Institute (presently being officiated by Dr. Konchok Rigzen A.O. CIBS, Leh)	Member-Secretary

Annexure

COMPOSITION OF PUBLICATION COMMITTEE, CIBS, LEH

S.No.	*Name and Address*	*Position*
1.	Vice Chancellor	Chairperson
2.	Dr. Pema Tenzin Publication Officer CIHTS, Saranath, Varanasi (UP)	Member
3.	Prof. Jamyang Gyaltsen Chief Editor Encyclopedia of Himalayan Buddhist Culture, CIBS, Leh	Member
4.	Shri Tsultrim Gyatso (Retd) Tashi Thongmon, Choglamsar, Leh, Ladakh	Member
5.	Administrative Officer CIBS, Leh	Member
6.	Dr. Konchok Rigzen Research Officer CIBS, Leh	Member Secretary

Annexure

COMPOSITION OF LIBRARY COMMITTEE, CIBS, LEH

S.No.	*Name and Address*	*Position*
1.	Vice Chancellor	Chairperson
2.	Librarian District Library, Leh	Member
3.	Dr. Tashi Samphel Director Srongtsan Library, Dehradun	Member
4.	Rev. Lagdor Director Tibetan Library and Archives, Dharamsala (H.P.)	Member
5.	Library & Information Officer CIBS, Leh	Member-Secretary

Annexure

COMPOSITION OF RESEARCH COMMITTEE, CIBS, LEH

S.No.	*Name and Address*	*Position*
1.	Vice Chancellor	Chairperson
2.	Prof. Ram Nandan Singh Department of Buddhist Studies Jammu University	Member
3.	Dr. Gurmet Dorjey Director CIHCS, Dahung, Arunachal Pradesh	Member
4.	Prof. Lobzang Tsewang (Retd) Shey Village, Leh, Ladakh	Member
5.	Dr Konchok Rigzen Research Officer CIBS, Leh	Member Secretary

STAFF STRENGTH CATEGORY-WISE OF CIBS, LEH

Annexure

A. ACADEMIC POSTS

S. No.	*Name of Post*	*Pay Level*	*Sanct. Post*
1.	Director	14	01
2.	Professor	14	04
3.	Associate Professor	13A	09
4.	Assistant Professor	10	23
5.	Master Craftsman	10	01
6.	T.G.T.	07	12
7.	Instructor (WC)	05	01
8.	Gonpa Teacher	05	100

B. NON TEACHING STAFF

1.	Adm. Officer	11	1
2.	Addl. Adm. Officer	11	1
3.	Office Superintendent	06	1
4.	Accountant	06	1
5.	Staff Nurse	06	1
6.	P.A.	06	1
7.	Head Assistant	06	1
8.	Stenographer	05	1
9.	Office Assistant	04	4
10.	Cashier	04	1
11.	Store Keeper	04	1
12.	LDC	02	1
13.	Pump-Operator	04	1
14.	Driver	04	2
15.	Caretaker	04	1
16.	Sr. Guardsman	02	1
17.	Guardsman	01	4

S. No.	Name of Post	Pay Level	Sanct. Post
18.	Jamadar	01	1
19.	Peon	01	6
20.	Hostel Cook	01	4
21.	Hostel Bearer	01	1
22.	Canteen Bearer	01	1
23	Nursing Orderly	01	1
24.	Mali	01	1
25.	Safiawala	01	3
	C. LIBRARY STAFF		
25.	Library and Information Officer	10	1
26.	Asstt. Editor-cum-Cataloguer	06	1
27.	Library Information Asstt.	06	1
	D. RESEARCH WING		
29.	Research Officer	10	1
30.	Translator	07	1

Annexure

RESULT OF THE STUDENTS OF THE CIBS (Deemed to be University), LEH FOR THE YEAR 2022-2023: Semester I, III, V and Annual Exams.

S.No.	Class	Total students enrolled	Total Appeared	Total Passed	Pass %
A.	**University Classes**				
1.	Shastri-I	26	25	24	96
2.	Shastri-II	24	23	22	96
3.	Shastri-III	32	32	21	66
4.	Shastri-III (Pvt.)	01	01	01	100
5.	Shastri-III (Back)	01	01	01	100
6.	Acharya-I	23	23	23	100
7.	Acharya-II	18	18	18	100
8.	Acharya- II Pvt	01	01	01	100
9.	Sculpture-I	03	03	03	100
10.	Painting-I	06	06	06	100
11.	Sculpture-II	01	01	01	100
12.	Painting –II	02	02	02	100
13.	Sculpture-III	01	01	01	100
14.	Painting-III	01	01	01	100
15.	Sculpture-IV	03	03	03	100
16.	Painting-IV	03	03	03	100
17.	Wood Carving-IV	02	02	02	100
18.	Sculpture-V	01	01	01	100
19.	Painting-V	03	03	03	100
20.	Sculpture-VI	01	01	01	100
21.	Painting-VI	01	01	01	100
22.	Sowa-Rigpa Final	05	05	05	100
	Total	**158**	**156**	**143**	**92**

S.No.	Class	Total students enrolled	Total Appeared	Total Passed	Pass %
B. Semester II, IV and VI					
1.	Shastri-I	25	25	24	96
2.	Shastri-II	23	22	22	100
3.	Shastri-III	32	32	22	69
4.	Shastri-III Pvt.	1	1	0	0
5.	Shastri-III (Back)	1	1	0	0
6.	Acharya-I	22	22	22	100
7.	Acharya-II	18	18	18	100
8.	Acharya-II Pvt.	1	1	1	100
9.	BFA Himalayan Sculpture-I	02	02	02	100
10.	BFA Painting-I	06	06	06	100
11.	Sculpture-II	01	01	01	100
12.	Painting –II	02	02	02	100
13.	Sculpture-III	01	01	01	100
14.	Painting-III	01	01	01	100
15.	Wood Carving-IV	01	01	01	100
16.	Sculpture-IV	03	03	03	100
17.	Painting-IV	03	03	03	100
18.	Sculpture-V	01	01	01	100
19.	Sculpture-V Old Pattern	01	01	01	100
20.	Painting-V	03	03	03	100
21.	Sculpture-VI	01	01	01	100
22.	Painting-VI	01	01	01	100
23.	Sowa-Rigpa-I	10	10	06	60
24.	Sowa-Rigpa-II	06	06	04	67
25.	Sowa-Rigpa-III	15	15	06	40
	Total	**181**	**180**	**152**	**84**

S.No.	Class	Total students enrolled	Total Appeared	Total Passed	Pass %
C. Senior Secondary School, CIBS					
1.	VI	32	32	23	71
2.	VII	35	35	18	51
3.	VIII	52	52	29	55
4.	P.M.-I	94	94	61	67
5.	P.M.-II	44	44	34	77
6.	U.M.-I	65	65	48	74
7.	U.M.-II	36	36	22	61
	Grand Total	**358**	**351**	**235**	**67**

Annexure

SCHOOL-WISE AND CLASS-WISE ENROLMENT OF STUDENTS OF THE GONPA/NUNNERY SCHOOLS OF CIBS, LEH FOR THE YEAR 2022-23

S.No.	Name of Gonpa/ Nunnery School	Classwise total enrollment									No. of Teachers Posted
		1st	2nd	3rd	4th	5th	6th	7th	8th	Total	
	GONPA SCHOOLS										
1.	Hemis Gonpa School Hemis, Leh	05	–	07	05	11	09	11	15	63	5
2.	Shachukul Gonpa School Changthang, Ladakh	03	01	03	02	04	05	04	–	22	3
3.	Chemday Gonpa School Leh	–	05	03	06	03	–	–	–	20	2
4.	Anlay Gonpa School Nyoma block, Leh	–	03	04	02	03	–	–	–	12	2
5.	Karma Dupgyud Choslihg Gonpa School Choglamsar, Leh	–	–	03	–	02	–	–	–	05	1
6.	Likir Gonpa School, Leh	01	–	07	03	02	–	–	–	13	2
7.	Thiksay Gonpa School Leh	–	02	–	–	04	–	–	–	06	1
8.	Samstanling Gonpa School, Nubra	05	04	03	–	03	–	–	–	15	2
9.	Spituk Gonpa School Leh	11	08	05	06	05	–	–	–	35	3
10.	Phyang Gonpa School Leh	02	–	01	05	04	–	–	–	12	1
11.	Gyudzin Tantric Gonpa School, Leh	02	04	–	–	03	–	–	–	09	1
12.	Matho Gonpa School Leh	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
13.	Hanuthang Gonpa School, Hanuthanm Khalsi block, Leh	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
14.	Stakna Gonpa School Leh	03	03	03	–	05	–	–	–	14	2
15.	Skyurbuchan Gonpa School, Skyurbuchan, Leh	–	–	–	02	05	–	–	–	07	1

S.No.	Name of Gonpa/ Nunnery School	Classwise total enrollment									No. of Teachers Posted
		1st	2nd	3rd	4th	5th	6th	7th	8th	Total	
16.	Nyoma Gonpa School Nyoma, Ladakh	03	01	01	—	—	—	—	—	05	1
17.	Chushul Gonpa School Changthang, Durbuk block, Ladakh	02	01	03	04	06	—	—	—	16	2
18.	Rizong Gonpa School Leh	02	04	02	—	02	—	—	—	10	1
19.	Disket Gonpa School Nubra	01	02	02	03	—	—	—	—	08	1
20.	Yarma Gonbo Gonpa School, Nubra, Leh	06	02	09	02	—	—	—	—	19	2
21.	Bardan Gonpa School Zanskar, Kargil	09	—	01	01	01	—	—	—	12	1
22.	Korzok Gonpa School Changthang, Leh	02	05	05	01	01	—	—	—	14	2
23.	Karsha Gonpa School Zanskar, Kargil	09	06	03	—	01	—	—	—	19	2
24.	Lamayuru Gonpa School, Khalsi block, Leh	07	03	05	03	01	—	—	—	19	3
25.	Phukthar Gonpa School Zanskar, Kargil	04	08	—	—	01	02	01	10	26	3
26.	Rangdum Gonpa School Zanskar, Kargil	03	03	02	02	01	—	—	—	11	1
27.	Muney Gonpa School Zanskar, Kargil	—	02	03	02	04	—	—	—	11	1
28.	Zongkhul Gonpa School, Zanskar, Kargil	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
29.	Stongdey Gonpa School Zanskar, Kargil	02	05	—	—	—	—	—	—	07	1
30.	Stakrimo Gonpa School Zanskar, Kargil	17	15	21	17	16	—	—	—	86	5
31.	Paldar Gonpa School Paldar, District Doda	—	—	10	05	10	—	—	—	25	2
32.	Key Gonpa School Kaza, Spiti, H.P.	03	06	02	02	06	—	—	—	19	2

S.No.	Name of Gonpa/ Nunnery School	Classwise total enrollment									No. of Teachers Posted
		1st	2nd	3rd	4th	5th	6th	7th	8th	Total	
33.	Tangyud Gonpa School Kaza, Spiti, H.P.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
34.	Nalanda Gonpa School	–	05	–	04	05	–	–	–	14	2
35.	Urgyan Sangnag Choling Gonpa School, Kungri Spiti, H.P.	38	32	15	21	09	–	–	–	115	1
	NUNNERY SCHOOLS										
36.	Tingmosgang Nunnery School, Tingmosagna Khalsi block, Leh	01	–	03	01	03	–	–	–	08	1
37.	Skitmang Nunnery School, Skitmang Nyoma block, Leh	02	04	01	03	01	–	–	–	11	1
38.	Chulichan Nunnery School, Chulichang Rezong, Khalsi, Leh	01	–	01	01	01	–	–	–	04	1
39.	Bodhkharbu Nunnery School, Bodhkharbu Kargil	–	–	–	01	02	–	–	–	03	1
40.	Wakha Nunnery School Wakha, Kargil	02	–	02	01	–	–	–	–	05	1
41.	Shargol Nunnery School Shargol, Kargil	04	–	–	01	–	–	–	–	05	1
42.	Zangla Nunnery School Zangla, Zanskar, Kargil	03	05	01	06	05	–	–	–	20	2
43.	Karsha Nunnery School Karsha, Zanskar, Kargil	06	01	–	–	–	–	–	–	07	1
44.	Tashi Chosling Nunnery Kanam, Kinnaur, HP	01	02	–	–	–	–	–	–	03	1
45.	Sakya Nunnery School Choglamsar, Leh	02	–	01	–	03	–	–	–	06	1
46.	Yangchan Choling Nunnery School Pangmo, Spiti, GH.P.	–	05	05	–	–	–	–	–	10	1
47.	Tungri Nunnery School Tungri, Zanskar, Kargil	02	03	–	03	–	–	–	–	08	1

S.No.	Name of Gonpa/ Nunnery School	Classwise total enrollment									No. of Teachers Posted
		1st	2nd	3rd	4th	5th	6th	7th	8th	Total	
48.	Dorje Zong Nunnery School, Zanskar, Kargil	06	06	05	03	01	–	–	–	21	2
49.	Fakmoling Nunnery School, Skyagam Zanskar, Kargil	14	01	02	03	04	–	–	–	24	2
50.	Dechen Chholing Nunnery School Pin Valley, Spiti, H.P.	06	05	–	04	–	–	–	–	15	2
Grand Total		**193**	**162**	**144**	**125**	**138**	**16**	**16**	**25**	**819**	**78**

Annexure

RESULT OF THE STUDENTS OF DUZIN PHOTANG SCHOOL ZANSKAR, LEH-LADAKH FOR THE YEAR 2022-2023

S.No.	*Class*	*No. of students enrolled*	*Appeared*	*Passed*	*Pass %*
1.	1st	04	04	04	100
2.	2nd	03	03	03	100
3.	3rd	02	02	02	100
4.	4th	06	06	06	100
5.	5th	10	10	10	100
6.	6th	05	05	05	100
7.	7th	01	01	01	100
8.	8th	06	06	06	100
9.	9th	03	03	03	100
10.	10th	—	—	—	100
	Total	04	04	04	100

Annexure

THE STAFF STRENGTH OF THE DUZIN PHOTANG SCHOOL, ZANSKAR

		Grade (in ₹)	*Sanct. Post*
	A. TEACHANG STAFF		
1.	Headmaster	Pay Level-9	1
2.	T.G.T.	Pay Level-7	7
3.	Primary Teacher	Pay Level-5	5
4.	PET (Contractual)	44,900 (Fixed)	1
5.	Computer Inst. (Contractual)	44,900 (fixed)	1
	B. NON-TEACHANG STAFF		
1.	UDC (Contractual)	25,500 (Fixed)	1
2.	Cook	Pay Level-1	1
3.	Peon-cum-Chowkidar	Pay Level-1	1
4.	Driver (Contractual)	19,900 (Fixed)	1
5.	Mali (Contractual)	18,000 (Fixed)	1
6.	Sweeper	Pay Level-1	1
7.	Guardman (Contractual)	18,000 (Fixed)	1
8.	Hostel Cook (Contractual)	19,900 (Fixed)	1

Annexure

RESULT OF THE BAUDH DARSHAN SANSKRIT VIDYALAYA MONDOGLU, LAHAUL & SPITI, H.P. FOR THE YEAR 2022–2023

S.No.	Class	No. of Students	Appeared	Passed	Pass %
1.	1st	09	03	03	100
2.	2nd	02	01	01	100
3.	3rd	06	06	06	100
4.	4th	14	09	09	100
5.	5th	09	07	07	100
6.	6th	04	04	04	100
7.	7th	06	06	06	100
8.	8th	06	06	06	100
9.	9th	06	06	06	50
	Total	**62**	**48**	**48**	**100**

Annexure

THE STAFF STRENGTH OF THE BAUDH DARSHAN SANSKRIT VIDYALAYA, MONDOGLU, H.P.

S.No.	Teaching Staff	Pay Band	Sanct. Post
A. Teaching Staff			
1.	Headmaster	Pay Level-8	1
2.	T.G.T.	Pay Level-7	8
3.	Phy. Ed. Teacher	Pay Level-7	1
B. Non-Teaching Staff			
4.	U.D.C.	Pay Level-4	1
5.	Class-IV	Pay Level-3	3

AUDITORIUM
सभागार